खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 13 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-222

शादी-कल्याण ना-मुबारक

योजना पर हाईकोर्ट की रोक

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी के लिए आर्थिक सहायता देने वाली कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं को लेकर तेलंगाना हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद मामला अहम मोड़ पर पहुंच गया है। इन योजनाओं की वैधानिकता पर सवाल उठाते हुए अधिवक्ता विजय गोपाल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में सरकारी धन के इस्तेमाल और इन योजनाओं के कानूनी आधार को लेकर सवाल उठाए गए हैं।

मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अपना पक्ष स्पष्ट करने और काउंटर दाखिल करने का निर्देश दिया था। अदालत की ओर से निर्धारित समय सीमा के भीतर सरकार का काउंटर दाखिल नहीं होने के बाद हाईकोर्ट ने योजनाओं को लेकर अंतरिम आदेश जारी किया। इसके तहत फिलहाल इन योजनाओं पर रोक का आदेश दिया गया है।

कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक तेलंगाना सरकार की प्रमुख सामाजिक कल्याण योजनाओं में शामिल हैं। इनका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बेटियों की शादी के समय वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। तेलंगाना सरकार के आधिकारिक पोर्टल के अनुसार, दोनों योजनाएं वर्ष 2014 में शुरू की गई थीं और इनके लिए पात्रता संबंधी नियम निर्धारित हैं।

हाईकोर्ट का अंतरिम आदेश ऐसे समय आया है जब इन योजनाओं के लाभ को लेकर बड़ी संख्या में परिवार सरकारी सहायता पर निर्भर हैं। इसलिए अदालत के आदेश के बाद लाभार्थियों के बीच भी स्थिति को लेकर चिंता पैदा होना स्वाभाविक है। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट करना जरूरी है कि अंतरिम रोक को योजनाओं का स्थायी रूप से बंद होना नहीं माना जा सकता।

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरिम आदेश का उद्देश्य अंतिम फैसला आने तक संबंधित मामले में स्थिति को नियंत्रित रखना होता है। इस मामले में भी हाईकोर्ट ने अभी योजनाओं की अंतिम वैधता पर फैसला नहीं सुनाया है। सरकार को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा और उसके बाद अदालत आगे की स्थिति पर विचार करेगी।

मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की गई है। अगली सुनवाई में सरकार की ओर से काउंटर और अन्य दस्तावेज अदालत के सामने रखे जा सकते हैं। इसके बाद हाईकोर्ट अंतरिम रोक को जारी रखने, उसमें बदलाव करने या उसे हटाने के संबंध में आगे आदेश दे सकता है।

मामले की सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से काउंटर दाखिल नहीं किए जाने पर हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए योजनाओं पर रोक लगा दी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 9 सितंबर को निर्धारित की है।

अफजलगंज गोलीकांड-2025

बिहार से दो गिरफ्तार

ओम प्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 12 अगस्त

हैदराबाद के अफजल गंज स्थित रोशन ट्रैवल्स में 16 जनवरी 2025 को हुई गोलीबारी और लूट की सनसनीखेज घटना के आरोपियों तक आखिरकार पुलिस पहुंच गई है। कर्नाटक के बीदर पुलिस ने करीब डेढ़ साल बाद मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को बिहार से गिरफ्तार किया है। दोनों को बीदर लाकर आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

16 जनवरी 2025 को अफजल गंज स्थित रोशन ट्रैवल्स में दो संदिग्ध पहुंचे थे। ट्रैवल्स के प्रबंधक मोहम्मद जहांगीर को उनके सामान पर शक हुआ। जब उन्होंने सामान की जांच करने की कोशिश की तो आरोपियों ने कथित तौर पर उन पर गोली चला दी। गोली लगने से जहांगीर घायल हो गए।पुलिस जांच के अनुसार, अफजल गंज की घटना से कुछ समय पहले आरोपियों ने कर्नाटक के बीदर में भारतीय स्टेट बैंक के एक एटीएम को निशाना बनाया था। इस वारदात के दौरान सुरक्षा गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और करीब 93 लाख रुपये की नकदी लूटे जाने का आरोप है।

दोनों घटनाओं के बीच संबंध सामने आने के बाद तेलंगाना और कर्नाटक पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी थी। पुलिस को लगातार इनपुट मिल रहे थे कि आरोपी अलग-अलग राज्यों में ठिकाने बदलकर रह रहे हैं और संभवतः नेपाल की सीमा की ओर भी भागे थे।

बिहार में छिपे होने का मिला सुराग

लंबे समय तक फरार रहने के बाद जांच एजेंसियों को आरोपियों के बिहार में छिपे होने की जानकारी मिली। इसके आधार पर बीदर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनीष कुशवाहा और उसके सहयोगी अमित के रूप में बताई जा रही है।

अब पूछताछ में खुलेंगे कई राज

दोनों आरोपियों को बीदर लाया जा रहा है। पुलिस उनसे अफजल गंज गोलीकांड, बीदर एटीएम लूट और सुरक्षा गार्ड की हत्या से जुड़े कई सवालों पर पूछताछ करेगी। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि वारदात के बाद आरोपियों ने किन-किन लोगों की मदद ली और डेढ़ साल तक कहां-कहां छिपे रहे।फिलहाल गिरफ्तारियों के बाद इस बहुचर्चित मामले की जांच को बड़ी सफलता मिली है। हालांकि, आरोपियों की भूमिका और दोनों घटनाओं के बीच उनके संबंधों की अंतिम पुष्टि पुलिस की पूछताछ और जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

जस्टिस वर्मा महाभियोग?

संसदीय समिति ने माना दोषी

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले वर्ष 14 मार्च को दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के आवास परिसर में आग लगने के बाद बड़ी मात्रा में अधजली नकदी बरामद होने का मामला सामने आया था। यह आवास न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का था। न्यायमूर्ति वर्मा ने दावा किया था कि उन्होंने अपने भंडार कक्ष में कभी भी इतनी नकदी नहीं रखी और यह उनके खिलाफ एक साजिश है।

इस मामले के बाद उच्चतम न्यायालय ने नकदी प्रकरण की जांच के लिए एक समिति का गठन किया था। जांच समिति ने माना कि न्यायमूर्ति वर्मा द्वारा नकदी छिपाए जाने से न्यायिक मर्यादा का उल्लंघन हुआ। मामले के बाद न्यायमूर्ति वर्मा का स्थानांतरण इलाहाबाद उच्च न्यायालय कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति वर्मा को वर्ष 2021 में दिल्ली उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनाया गया था। अप्रैल 2025 में उनका स्थानांतरण पुनः इलाहाबाद उच्च न्यायालय कर दिया गया।

बताया गया है कि अप्रैल 2026 में न्यायमूर्ति वर्मा राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा भेज चुके हैं। इसके बावजूद संसदीय समिति ने उन पर लगाए गए आरोपों को सही पाया है। अब आने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की सिफारिश किए जाने की संभावना जताई जा रही है। ▶8पर

जंतर-मंतर पार्ट-2 जल्द

दीपके ने भाजपा पर लगाये गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने दिल्ली में पार्टी की स्वयंसेवक बैठक के लिए हॉल नहीं मिलने को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दीपके ने दावा किया कि उनकी पार्टी की बैठक को रोकने के लिए दबाव बनाया गया और जिस हॉल को आखिरकार बुक किया गया था, उसके मालिकों को भी कथित रूप से धमकी दी गई।इस बीच, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर बड़ी संख्या में लोग उनसे पूछ रहे हैं कि जंतर-मंतर का दूसरा संस्करण कब आएगा। उन्होंने कहा, बहुत से लोग इंस्टाग्राम पर सवाल कर रहे हैं कि जंतर-मंतर का दूसरा संस्करण कब आ रहा है। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि जंतर-मंतर का दूसरा संस्करण बहुत ही जल्द शुरू होने जा रहा है। अभिजीत दीपके ने कहा कि दिल्ली में पार्टी की स्वयंसेवक बैठक आयोजित की जानी थी। इसके लिए पार्टी लगातार एक हॉल की तलाश कर रही थी, लेकिन कोई भी हॉल किराए पर देने के लिए तैयार नहीं हो रहा था।

हर जगह कहा गया कि ऊपर से दबाव है

दीपके ने आरोप लगाया कि हॉल की तलाश के दौरान उन्हें कई जगहों पर यही कहा गया कि ऊपर से दबाव है। उन्होंने कहा, आज दिल्ली में हमारी स्वयंसेवक बैठक होनी थी। इसके लिए हम एक हॉल की तलाश कर रहे थे, लेकिन कोई भी हमें हॉल किराए पर देने के लिए तैयार नहीं था। हर जगह यही कहा जा रहा था कि ऊपर से दबाव है। उन्होंने दावा किया कि काफी मुश्किल के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने एक हॉल बुक किया था और पार्टी के पास इसकी रसीद भी मौजूद है।

अभिजीत दीपके के अनुसार, मंगलवार सुबह हॉल मालिकों को कथित रूप से धमकी मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि हॉल मालिकों से कहा गया कि यदि उन्होंने वहां कॉकरोच जनता पार्टी की बैठक होने दी तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।दीपके ने आरोप लगाया कि यह सब भारतीय जनता पार्टी की ओर से किया जा रहा है। ▶8पर

मोदी जेन-ज़ी संदेश : नो शॉर्टकट प्लीज!

नई दिल्ली, 12 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को युवा पीढ़ी से 'रील्स के युग' में आत्मकथा जैसी लंबी सामग्री पढ़ने की अपील की। उन्होंने आगाह किया कि सोशल मीडिया प्रभावित करने वाले उन्हें अलग-अलग दिशाओं में खींच सकते हैं और शॉर्टकट का पीछा करना उल्टा पड़ सकता है।शॉर्टकट आपको छोटा कर देगा, मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माई लाइफ, माई स्ट्रगल्स' का विमोचन करते हुए विज्ञान भवन, नई दिल्ली में कहा। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 23^0

राशन कार्ड का मतलब नागरिकता नहीं : ईसी

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को स्पष्ट किया कि पासपोर्ट या जन्म प्रमाण पत्र के विपरीत राशन कार्ड नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं है।

दस्तावेजों का चयन आयोग के विवेकाधिकार में चुनावी नामावली सत्यापन के लिए प्रस्तावित दस्तावेजों का चयन और उनके साक्ष्य संबंधी मानकों का निर्धारण आयोग के विवेकाधिकार के दायरे में आता है, जिसे तर्कसंगतता के अधीन बदला नहीं जा सकता।

तदनुसार, यह स्पष्ट किया जाता है कि तेलंगाना सरकार द्वारा 25 जुलाई 2026 को जारी जीओ एमएस नंबर 172 के तहत पारिवारिक रजिस्टर सर्टिफिकेट को केवल राशन कार्ड के समकक्ष माना जा सकता है।

इसलिए एसआईआर के तहत सत्यापन प्रक्रिया के दौरान इसे नामित दस्तावेजों में से एक के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। चुनाव आयोग के सचिव नवीन कुमार ने तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजे गए पत्र में यह जानकारी दी।

पुराने शासन के तहत जारी सर्टिफिकेट मान्य

हालांकि, 25 जुलाई 2026 से पहले पुराने शासन (25.06.2013 के मेमो) के तहत जारी पारिवारिक सदस्य प्रमाण पत्र को एसआईआर के तहत सत्यापन प्रक्रिया के दौरान स्वीकार किया जाएगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नेपाल पुलिस ने मांगा फोन रिकार्डिंग का अधिकार

काठमांडू

नेपाल पुलिस ने अपराध अनुसंधान के उद्देश्य से सरकार से काल इंटरसेप्शन यानी फोन काल को रियल टाइम में सुनने का अधिकार देने की मांग की है। यह अधिकार मिलने के बाद पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों की फोन पर होने वाली बातचीत को तत्काल सुन और रिकार्ड कर सकेगी।

नेपाल पुलिस के प्रवक्ता अभिनारायण काफ्ले ने बताया कि पुलिस की रणनीतिक योजना में काल इंटरसेप्शन को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि गंभीर अपराधों में संलिप्त या फरार आरोपियों की गतिविधियों और उनके संपर्कों की जानकारी हासिल करने के लिए उनकी बातचीत की निगरानी आवश्यक हो सकती है।

काफ्ले के अनुसार, जो व्यक्ति जघन्य अपराध में शामिल हैं या फरार हैं, वे किससे और क्या बातचीत कर रहे हैं, यह सुनना जरूरी हो सकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस की जांच को तकनीक-अनुकूल और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रणनीतिक योजना तैयार कर उसे गृह मंत्रालय के समक्ष पेश किया गया है।

नेपाल में फोन इंटरसेप्शन का अधिकार देने का मुद्दा नया नहीं है। इससे पहले देश की एकमात्र खुफिया एजेंसी राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग को यह अधिकार देने का प्रयास किया जा चुका है। तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान वर्ष 2019 में राष्ट्रीय सभा में दर्ज नेपाल विशेष सेवा विधेयक में पहली बार इस तरह का प्रावधान शामिल किया गया था। वर्ष 2020 में राष्ट्रीय सभा ने विधेयक पारित कर इसे प्रतिनिधि सभा में भेज दिया था। हालांकि, नागरिकों की गोपनीयता के अधिकार के उल्लंघन की आशंका को लेकर इसका व्यापक विरोध हुआ। विरोध के बाद विधेयक को आगे नहीं बढ़ाया गया। बाद में ओली नेतृत्व वाली सरकार के ही कार्यकाल में वर्ष 2025 में नागरिकों के फोन काल, मैसेज, वीडियो और अन्य डिजिटल सामग्री की निगरानी, अनुवीक्षण तथा टैपिंग की अनुमति देने वाले प्रावधानों सहित एक नया विधेयक लाने की कोशिश की गई थी। विधेयक के मसौदे में यह व्यवस्था प्रस्तावित थी कि यदि किसी अन्य माध्यम से सूचना जुटाना संभव न हो और सूचना तत्काल प्राप्त नहीं करने पर देश को नुकसान पहुंचने की आशंका हो, तो संबंधित महानिरीक्षक की संतुष्टि के आधार पर संदिग्ध व्यक्ति या संस्थाओं की बातचीत की निगरानी की जा सकती है। मसौदे के अनुसार, संचार माध्यमों या अन्य माध्यमों से होने वाली बातचीत, आडियो-वीडियो सामग्री, इलेक्ट्रानिक संकेत या विवरण की निगरानी, अनुवीक्षण या इंटरसेप्शन किया जा सकता था। इसके लिए संबंधित महानिरीक्षक अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में अधीनस्थ अधिकारियों को लिखित आदेश देने का अधिकार रखता।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में सरकारी नीतियों से असंतुष्ट नौकरशाहों के धड़ाधड़ इस्तीफे

काठमांडू। नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के वरिष्ठ नेता बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में दो-तिहाई बहुमत की सरकार बनने के बाद से हो रहो सिविल सर्विस कर्मचारियों के इस्तीफों में तेजी आ गई है। सरकार की प्रस्तावित नीतियों और कार्यशैली से असंतुष्ट होकर सचिव से लेकर निचले प्रशासनिक स्तर तक के कर्मचारी पद छोड़ रहे हैं। सूचना एवं संचार मंत्रालय के सचिव डा. कमलप्रसाद पोखरेल और प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय के सचिव बाबूराम अधिकारी ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। सरकारी प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में दोनों अधिकारियों के इस्तीफे स्वीकृत कर लिए गए। पोखरेल का 13 दिन पहले ही सूचना तथा संचार मंत्रालय में तबादला किया गया था। उनकी सेवा अवधि अभी करीब एक वर्ष से अधिक बाकी थी। वह इससे पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के प्रमुख सांख्यिकी अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय के सचिव बाबूराम अधिकारी अगस्त के अंतिम सप्ताह में अनिवार्य सेवानिवृत्ति होने वाले थे। सरकार के संघीय निजामती सेवा विधेयक के मसौदे को आगे बढ़ाए जाने के बाद कर्मचारियों में असंतोष और बढ़ गया है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत 55 वर्ष की आयु पूरी कर चुके तथा 30 वर्ष की सेवा अवधि पूरी करने वाले कर्मचारियों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने की योजना बनाई जा रही है।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में 4.8 तीव्रता का भूकंप, झोब और चमन में डोली धरती

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। पाकिस्तान के बलोचिस्तान के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए। फिलहाल कहीं से भी किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.8 दर्ज की गई है। राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र ने इसकी पुष्टि की। भूकंप 15 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि बलोचिस्तान के कुछ हिस्सों में 4.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसके झटके झोब और चमन में महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र झोब से 122 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था। किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई तत्काल सूचना नहीं है। गौरतलब है कि इससे पहले 7 अक्टूबर 2021 को झोब और चमन में 5.9 तीव्रता का भूकंप आ चुका है। तब भूकंप का केंद्र हरनाई के पास 15 किलोमीटर की गहराई पर था। यह भूकंप सुबह करीब 3:20 बजे आया था। लोग सो रहे थे। कई इमारतें ढह गई थीं। इस दौरान कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 300 से ज़्यादा लोग घायल हो गए थे।

रावलपिंडी में जीएचक्यू के मुख्य गेट पर ताबड़तोड़ फायरिंग, एक जवान सहित हमलावर ढेर

रावलपिंडी। पाकिस्तान के रावलपिंडी से एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां स्थित पाकिस्तानी सेना के जनरल हेडक्वार्टर (जीएचक्यू) के मुख्य गेट के बाहर भारी हथियारों से लैस एक हमलावर ने अचानक अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। व्यस्त समय में हुए इस हमले से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। मुस्तैद सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में हमलावर को मौके पर ही ढेर कर दिया गया, जिससे वह सैन्य परिसर के अंदर घुसने में नाकाम रहा। हालांकि, इस भीषण गोलीबारी के दौरान पाकिस्तान सेना का एक जवान ड्यूटी पर शहीद हो गया, जबकि दो अन्य सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें तुरंत मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रारंभिक जांच और घटनास्थल से बरामद सामान के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि हमलावर एक बड़े पैमाने पर आत्मघाती हमले को अंजाम देने की फिराक में था। उसके पास घातक हथियारों के साथ संदिग्ध विस्फोटक सामग्री भी होने की बात सामने आई है। घटना के तुरंत बाद एलीट काउंटर-टेररिज्म यूनिट्स, स्पेशल फोर्सेज और भारी सैन्य बलों ने पूरे जीएचक्यू जोन और आसपास के इलाकों को पूरी तरह से अपने घेरे में ले लिया।

जर्मनी के हाइडेलबर्ग ने दर्शन को बनाया आम जनजीवन का हिस्सा

हाइडेलबर्ग

आधुनिक दुनिया में जर्मनी का हाइडेलबर्ग एक ऐसा शहर है, जिसने दर्शन को केवल पुस्तकों और विश्वविद्यालयों तक सीमित न रखकर उसे आम जनजीवन का हिस्सा बना दिया है। करीब एक लाख 63 हजार की आबादी वाला हाइडेलबर्ग नेकर नदी के किनारे और सुंदर पहाड़ियों के बीच बसा हुआ है। यह शहर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ समृद्ध बौद्धिक विरासत के लिए भी प्रसिद्ध है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के अनेक शहर भारी तबाही का शिकार हुए, लेकिन हाइडेलबर्ग का ऐतिहासिक स्वरूप काफी हद तक सुरक्षित रहा। यही वजह है कि यहां की पुरानी इमारतें, संकरी गलियां, कैफे और पब आज भी सदियों पुराने यूरोपीय सांस्कृतिक माहौल की झलक प्रस्तुत करते हैं। हाइडेलबर्ग की सबसे बड़ी पहचान यहां स्थित फिलोसोफेनवेग यानी फिलासफर्स वाक है। लगभग दो किलोमीटर लंबा यह शांत पैदल मार्ग होली माउंटेन की ढलानों पर नेकर नदी के दूसरी ओर बना हुआ है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह रास्ता केवल घूमने का स्थान नहीं, बल्कि चिंतन और आत्ममंथन का केंद्र माना जाता है। यहां चलते हुए हर कदम पर इतिहास और दर्शन का एहसास होता है। मार्ग के किनारे लगी पत्थर की पट्टिकाओं पर महान दार्शनिकों के विचार, कविताएं और प्रेरक संदेश अंकित हैं, जो आगंतुकों को सोचने और जीवन के गहरे अर्थ तलाशने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्नीसवीं सदी में हाइडेलबर्ग विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, विद्वान और विद्यार्थी दिनभर के अध्ययन और अध्यापन के बाद अक्सर इसी मार्ग पर टहलने आते थे।

प्रसिद्ध जर्मन दार्शनिक जार्ज विल्हेम फ्रेडरिक हेगेल भी यहां लंबी सैर करते थे। माना जाता है कि उनके अनेक महत्वपूर्ण दार्शनिक विचारों को आकार देने में इस शांत वातावरण की बड़ी भूमिका रही। नेकर नदी का शांत प्रवाह, सामने दिखाई देता ऐतिहासिक हाइडेलबर्ग किला और चारों ओर फैली हरियाली गहन चिंतन के लिए आदर्श वातावरण तैयार करती थी। इस पहाड़ी की विशेष जलवायु भी इसे अनोखा बनाती है। जर्मनी की ठंडी जलवायु के बावजूद यहां अंजीर के पेड़, भूमध्यसागरीय वनस्पतियां और कई दुर्लभ फूल आसानी से पनपते हैं। यही प्राकृतिक वातावरण इस स्थान को और अधिक आकर्षक बनाता है। बीसवीं सदी के प्रसिद्ध अस्तित्ववादी दार्शनिक कार्ल जैस्पर्स ने भी अपने जीवन का बड़ा हिस्सा हाइडेलबर्ग में बिताया और यहां की बौद्धिक संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आज भी हाइडेलबर्ग विश्वविद्यालय के आसपास स्थित पुराने कैफे और पब बौद्धिक चर्चाओं के केंद्र बने हुए हैं। यहां छात्र और अध्यापक कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नैतिकता, आधुनिक समाज की चुनौतियों और मानव अस्तित्व से जुड़े प्रश्नों पर गंभीर विमर्श करते दिखाई देते हैं। हाइडेलबर्ग यह संदेश देता है कि महान विचार केवल पुस्तकालयों या बंद कमरों में नहीं जन्म लेते, बल्कि प्रकृति के बीच शांत वातावरण में गहन चिंतन से विकसित होते हैं।

जंगल से जा रही महिला को अजगर ने निगला, पेट चीरकर निकाला गया शव

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिम सुलावेसी प्रांत से एक बेहद खौफनाक घटना सामने आई है, जहां 50 वर्षीय महिला की विशाल अजगर के हमले में मौत हो गई। महिला की पहचान फरीदा के रूप में हुई है। वह चार बच्चों की मां थीं और अपने घर के पास स्थित स्थानीय बाजार में खाना बेचने के लिए जंगल के रास्ते से जा रही थीं। इसी दौरान एक करीब 20 फीट लंबे अजगर ने उन पर हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक, अजगर ने पहले महिला के पैर को जकड़ा और इसके बाद उसके शरीर को बुरी तरह लपेट लिया। माना जा रहा है कि सांप की पकड़ में दम घुटने से महिला की मौत हो गई। इसके बाद अजगर ने उनके शव को निगल लिया।फरीदा जब देर शाम तक घर नहीं लौटीं तो उनके पति नोनी को चिंता हुई। उन्होंने ग्रामीणों और स्थानीय अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद ग्रामीणों ने जंगल में महिला की तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान उन्हें एक विशाल अजगर दिखाई दिया, जिसका पेट असामान्य रूप से फूला हुआ था। इसके बाद लोगों को शक हुआ कि महिला इसी सांप का शिकार हुई हैं। ग्रामीणों ने अजगर को पकड़ने के बाद उसके पेट को काटकर खोला। अंदर महिला का शव मिला। इसके बाद उनके अवशेषों को बाहर निकाला गया और धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

गर्मी से बचने उत्तर कोरिया की सरकार ने दी डाग मीट सूप पीने की सलाह

प्योंगयांग

आजकल उत्तर कोरिया में रिकार्ड तोड गर्मी पड रही है, जहां तापमान 36.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। यह देश के इतिहास का सबसे अधिक दर्ज तापमान है। असहनीय गर्मी से निपटने के लिए किम जोंग उन की सरकार ने अपने नागरिकों को डाग मीट सूप (कुत्ते के मांस का सूप) पीने की सलाह दी है।

इसे गर्मियों का पारंपरिक और पौष्टिक भोजन बताया जा रहा है, जिसे सामबोक नामक गर्मियों के सबसे गर्म दौर, जिसे अंग्रेजी में डाग डेज आफ समर भी कहा जाता है, से जुड़ा एक पुराना रिवाज़ माना जाता है। सरकारी मीडिया का दावा है कि यह शरीर को ठंडक प्रदान करता है और गर्मी से होने वाली बीमारियों से बचाता है।

प्योंगयांग जनरल हास्पिटल के डाक्टरों ने भी गर्मी से बचाव के लिए डाग मीट सूप को पौष्टिक भोजन करार दिया है। सरकारी मीडिया ने एक पुरानी कहावत का भी जिक्र किया कि डाग डेज के दौरान अगर डाग मीट सूप पैर पर भी गिर जाए तो वह दवा जैसा असर करता है, जिससे इसकी सांस्कृतिक अहमियत का अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि, सलाह केवल डाग मीट सूप तक सीमित नहीं है।

सरकार ने तरबूज, खीरा, मूंग और पर्याप्त पानी जैसे ठंडक देने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करने का भी सुझाव दिया है। इसके अलावा, समग्येतांग नामक चिकन सूप, जिसमें जिनसेंग, चिपचिपा चावल और जुजूब शामिल होते हैं, को भी गर्मी से राहत पाने के लिए फायदेमंद बताया गया है। लोगों को तैराकी और खुले में व्यायाम करते समय सावधानी बरतने और हाइड्रेट रहने की भी सलाह दी गई है।

सरकारी मीडिया इस स्थिति का उपयोग किम जोंग उन की छवि को मजबूत करने के लिए भी कर रहा है। उन्हें ऐसे नेता के रूप में पेश किया जा रहा है जो कठिन परिस्थितियों में भी लोगों के लिए काम करते हैं। 2013 की एक घटना का हवाला दिया गया, जब एक निर्माण स्थल के निरीक्षण के दौरान उनके कपड़े पसीने से भीग गए थे। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि मौसम कितना भी गर्म क्यों न हो, लोगों के लिए जो काम जरूरी है, वह किया जाना चाहिए।

दक्षिण कोरिया में गर्मी से संबंधित 20 से अधिक मौतें दर्ज की गई हैं, हालांकि उत्तर कोरिया ने अभी तक ऐसा कोई आंकड़ा जारी नहीं किया है। इस बीच, वानसान कालमा कोस्टल टूरिस्ट जोन के समुद्र तटों और प्योंगयांग के वाटर पार्कों में भी गर्मी से राहत पाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

एच1 बी वीजा ग्रेस अवधि खत्म करने से कुशल पेशेवरों की संख्या में आएगी कमी

वाशिंगटन। अमेरिका में नौकरी छूटने के बाद रोजगार तलाशने वाले एच1 बी वीजा धारकों के लिए 60 दिन की ग्रेस अवधि खत्म करने के प्रस्ताव से बड़े पैमाने पर लोगों का विस्थापन होगा और खासकर भारत से आने वाले अत्यधिक कुशल पेशेवरों की संख्या में कमी आएगी। विशेषज्ञों ने आशंका जताई है। एच1 बी रोजगार वीजा के सबसे बड़े लाभार्थियों में भारतीय नागरिक शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के गृह विभाग ने 60 दिन की ग्रेस अवधि खत्म करने का प्रस्ताव दिया है। यह अवधि एच1 बी वीजा कामगारों और अन्य वैध अप्रवासियों को नौकरी के अवसर खत्म होने के बाद अमेरिका में रहने की अनुमति देती है, ताकि वे नये रोजगार की तलाश कर सकें, अपनी आव्रजन स्थिति बदल सकें या अमेरिका छोड़ने की तैयारी कर सकें। व्हाइट हाउस के पूर्व सलाहकार अजय जैन भूटोरिया ने कहा कि मौजूदा 60 दिन की ग्रेस अवधि को पूरी तरह खत्म करना गंभीर और पीछे ले जाने वाला कदम है, जो कानूनी प्रवासियों को सीधे नुकसान पहुंचाता है। रिपोर्ट के मुताबिक एक अमेरिकी वकील ने कहा कि सभी स्टार्टअप संस्थापक अपनी कॉर्पोरेट नौकरियां छोड़कर नए उद्यम शुरू करने के लिए 60 दिन की ग्रेस अवधि का इस्तेमाल अपनी स्थिति बदलने संबंधी याचिकाएं दाखिल करने में करते हैं।

अंतरिक्ष अभियान को झटका: चीनी राकेट हवा में उड़ते ही बना आग का गोला

बीजिंग

चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रम को एक बड़ा झटका लगा है, जब उसका लान्ग मार्च-7ए राकेट एक सैटेलाइट को अंतरिक्ष में स्थापित करने के दौरान असफल हो गया। दक्षिणी चीन के हैनान प्रांत स्थित वेनचांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र से किया गया यह प्रक्षेपण शुरुआती चरणों में ही विफल हो गया। उड़ान भरने के करीब डेढ़ मिनट बाद ही राकेट अचानक हवा में टूट गया और उसमें जोरदार विस्फोट हो गया। इस हादसे में राकेट के साथ चीन का महत्वपूर्ण झोंगशिंग-4बी कम्युनिकेशन सैटेलाइट भी पूरी तरह नष्ट हो गया है। गनीमत यह रही कि इस मिशन में कोई मानव सवार नहीं था, जिससे किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि दुर्घटना के कारणों की गहराई से जांच शुरू कर दी गई है।

यह विफलता बीजिंग के लिए चिंता का विषय है क्योंकि लान्ग मार्च-7ए एक स्थापित और भरोसेमंद राकेट माना जाता था। साल 2020 में अपनी पहली उड़ान भरने और शुरुआती दौर की एक असफलता के बाद से इस राकेट परिवार ने 12 से अधिक सफल अभियानों को अंजाम दिया था। हालांकि, इस साल जनवरी में लान्ग मार्च-3बी के असफल होने के बाद यह इस सीरीज के राकेट की दूसरी बड़ी विफलता है। हालिया अभियान के तहत भेजा जाने वाला झोंगशिंग-4बी एक उच्च क्षमता वाला संचार उपग्रह था, जिसका मुख्य उद्देश्य दूरसंचार और प्रसारण सेवाओं को बेहतर बनाना था। योजना के मुताबिक राकेट को इस उपग्रह को निर्धारित कक्षा तक पहुंचाना था, लेकिन उड़ान के मात्र 85 से 90 सेकंड बाद ही इसमें गंभीर तकनीकी खराबी आ गई। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर सामने आए वीडियो में राकेट को सामान्य रूप से उड़ान भरते और फिर अचानक हवा में बिखरते हुए देखा जा सकता है। फिलहाल तकनीकी खामी के सटीक कारणों का खुलासा नहीं हो सका है, और विशेषज्ञों का मानना है कि औपचारिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह साफ हो पाएगी। इस ताजा दुर्घटना के बाद चीन के आगामी अंतरिक्ष अभियानों, विशेषकर चंद्र मिशनों पर इसके असर को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। चीन आने वाले हफ्तों में अपने लान्ग मार्च-5 राकेट के माध्यम से चांग ई-7 मिशन को लान्च करने की योजना बना रहा है, जिसका उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर रोबोटिक यान उतारना है। चूंकि लान्ग मार्च-5 और हाल ही में असफल हुआ लान्ग मार्च-7ए कुछ तकनीकी स्तर पर समानताएं साझा करते हैं, इसलिए अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के बीच यह चिंता है कि क्या इस घटना से आगामी मून मिशन में कोई देरी हो सकती है।

इंसान के डीएनए में मिले दो बिल्कुल अनजान पूर्वजों के निशान

कैलिफोर्निया

यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया के रिसर्चर्स को इंसान के डीएनए में दो बिल्कुल नए और अनजान पूर्वजों के निशान मिले हैं, जिनके कोई फासिल या डीकोड किए गए डीएनए आज दुनिया में मौजूद नहीं हैं। इन रहस्यमयी पूर्वजों को वैज्ञानिक घोस्ट एंसेस्टर कह रहे हैं। यह महत्वपूर्ण खोज बताती है कि मानव विकास एक सीधी रेखा में नहीं हुआ, बल्कि यह एक बहुत जटिल नेटवर्क है जिसमें कई पुरानी प्रजातियों का आपस में मिलाप हुआ। इन प्राचीन समूहों के जेनेटिक अंश आज भी मार्डन इंसानों में मौजूद हैं, जो मानव विकास की पुरानी थ्योरी को एक नया मोड़ देते हैं। होमो सेपियंस भले ही आज धरती पर अकेली मानव प्रजाति हो, लेकिन प्राचीन काल में हमने यह धरती निएंडरथल और डेनिसोवन जैसी कई अन्य होमिनिन प्रजातियों के साथ साझा की थी। पिछली स्टडीज ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मार्डन इंसानों ने इन प्रजातियों के साथ संबंध बनाए और बच्चे पैदा किए, जिसके आनुवंशिक निशान आज भी बहुत से लोगों के डीएनए में मिलते हैं। दीपक वर्मा बताते हैं कि यह नई स्टडी बताती है कि कम से कम दो और अनजान मानव समूह अस्तित्व में थे, जिन्होंने हमारे पूर्वजों को अपना डीएनए पास किया था। डीएनए सीक्वेंसिंग जैसी आधुनिक तकनीकों ने लाखों साल पुराने इतिहास को खोजना आसान कर दिया है। इनमें से एक अनजान पूर्वज ने अफ्रीका में मार्डन इंसानों के पूर्वजों के साथ संबंध बनाए थे, जो लगभग पचास हजार साल पहले हुआ था। यह घटना होमो सेपियंस के यूरोप और एशिया में बड़े माइग्रेशन से पहले की है। इस प्रजाति से मिले जींस आज सभी इंसानों के डीएनए का लगभग एक प्रतिशत हिस्सा हैं, जो निएंडरथल डीएनए के बराबर माना जाता है। रिसर्चर्स की गणना के अनुसार, यह रहस्यमय मानव प्रजाति लगभग आठ लाख साल पहले अलग हुई थी, ठीक उसी समय जब निएंडरथल और डेनिसोवन भी एक-दूसरे से अलग हुए थे। दूसरा पूर्वज, जिसे सुपर आर्कटिक पूर्वज का नाम दिया गया है, पहले वाले से भी ज्यादा रहस्यमय और पुराना है। यह मानव प्रजाति लगभग अठारह लाख साल पहले अन्य होमिनिन से अलग हुई थी। करीब दो लाख साल पहले यूरेशिया में इन्होंने डेनिसोवन प्रजाति के साथ संबंध बनाए, और इस रास्ते से प्राचीन डीएनए के कुछ हिस्से मार्डन इंसानों के जीनोम में हमेशा के लिए पहुंच गए। यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया की प्रोफेसर प्रिया मूरजानी और जान्स हापकिन्स यूनिवर्सिटी के रिसर्चर अर्जुन बिडंडा सहित विशेषज्ञ बताते हैं कि मानव विकास एक सीधे पारिवारिक पेड़ जैसा नहीं है, बल्कि यह एक जटिल नेटवर्क है। निएंडरथल डीएनए आज अफ्रीका के बाहर रहने वाले ज्यादातर लोगों में एक से दो प्रतिशत पाया जाता है, जो इम्यून सिस्टम, त्वचा के रंग और बीमारियों के जोखिम को प्रभावित करता है। डेनिसोवन डीएनए एशिया और ओशिनिया के लोगों में मौजूद है। यह भी दिलचस्प है कि निएंडरथल और डेनिसोवन ने आपस में भी संबंध बनाए थे, जिसका सीधा प्रमाण साइबेरिया की डेनिसोवा गुफा में मिली एक महिला के फासिल से मिलता है। इन घोस्ट पूर्वजों की सटीक पहचान अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन उनके अलग होने की तिथियां मिडल प्लेइस्टोसिन के होमो समूहों (लगभग 8 लाख साल पहले अफ्रीका में) और होमो इरेक्टस (लगभग 18 लाख साल पहले यूरेशिया में) से मेल खाती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। ऐसी जानकारी ज़ाहिर न करें, जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। कोई नया रिश्ता न सिर्फ़ लंबे वक़्त तक क़ायम रहेगा, बल्कि फ़ायदेमंद भी साबित होगा। बिना गहराई से समझे–बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाले पीढ़ी इस तोहफ़े के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपकी बीती ज़िन्दगी का कोई राज़ आपके जीवनसाथी को उदास कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत अच्छी रहेगी। घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। ग़ैर–ज़रूरी चीज़ों पर रुपये ख़र्च कर आप अपने जीवन–साथी को नाराज़ कर सकते हैं। नए प्रेम–संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। आज मौसम का मिजाज कुछ ऐसा रहेगा कि आप बिस्तर से उठने को राजी नहीं होंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। नाते–रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएँ लाएंगे। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपके चेहरे पर मुस्कान बिखरी रहेगी और अजनबी भी जाने–पहचाने से महसूस होंगे। भागीदारी वाले व्यवसायों और चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में निवेश न करें। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज–मस्ती करें। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती हैं आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक विशिष्ट दौर से गुज़रेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आराम करना बहुत अहम है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। अपने जीवन–साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आपका कोई पड़ोसी आज आपसे धन उधार मांगने आ सकता है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलते हैं, तो कोई अच्छी पोशाक ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत को देखभाल की ख़ास ज़रूरत है। वे निवेश–योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें– कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। इस बारे में बिना देर किए बातचीत करें, क्योंकि एक बार इस समस्या के हल हो जाने पर घर में जीवन बहुत आसान हो जाएगा और परिवार के लोगों को प्रभावित करने में आपको कोई कठिनाई नहीं आएगी। विवाहेतर प्रेम संबंध आपकी प्रतिष्ठा धूमिल कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 अगस्त 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 08:43 तक
नक्षत्र : आश्लेषा प्रातः 06:07 तक
योग : वरियान दोपहर 12:16 तक
करण : किंस्तुघ्न प्रातः 09:52 तक
चन्द्रराशि : कर्क प्रातः 06:07 तक
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : नक्त व्रत आरंभ , गण्डमूल रात्रि 04:39 तक , चातुर्मास व्रत वाले मनुष्य को श्रावण में हरी सब्जी खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जीना तो सरल है, पर जीने की कला सीखना बहुत कठिन है : राजमतीजी म.सा.

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में आध्यात्मिक वर्षावास 2026 के अंतर्गत बम्ब सिंघी भवन में परम पूज्य श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य पूज्य गुरुदेव श्री मिश्रीमलजी म.सा. 'मधुकर' की पावन परंपरा के आज्ञानुवर्ती, श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म.सा. 'भीम' के पावन सान्निध्य एवं प्रेरणा से जिनशासन चंद्रिका परम पूज्या गुरुणी मैया श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म.सा. की सुशिष्याएं जिनशासन दीपिका एवं मधुर व्याख्यानी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. 'राजुल', मुस्कानप्रिय एवं स्पष्ट वक्ता पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. तथा नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. सुख–साता पूर्वक विराजमान हैं।

संघ के अध्यक्ष श्री सुरेश गादिया ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि धर्मसभा में पूज्य महासती श्री जीव्याश्रीजी म.सा. ने जिनवाणी की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि जिनवाणी संसार सागर से तारने वाली और भावों को निर्मल बनाने वाली अमृतवाणी है। अमृत तो सभी पीना चाहते हैं, क्योंकि इसे प्राप्त करने वाला अमरत्व के मार्ग की ओर अग्रसर होता है। चारों गतियों के जीवों से लेकर नरक एवं देव गति के जीव भी मृत्यु नहीं चाहते, लेकिन जिनवाणी रूपी अमृत की प्राप्ति अत्यंत दुर्लभ है।

पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. ने कहा कि जब क्रोध आता है तो उसके साथ वैर के भाव भी उत्पन्न होते हैं। जिसने अपने भीतर क्रोध को स्थान दे दिया, उसके लिए संसार सागर से पार होना कठिन हो जाता है। व्यक्ति चाहे कितनी ही उच्च कोटि की तपस्या कर ले, लेकिन जब कर्मों का उदय होता है तो वह किसी को नहीं छोड़ता और तपस्या का अपेक्षित फल भी प्रभावित हो सकता है।

पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा जीवन पतझड़ के समान है। जिस प्रकार पतझड़ आने पर वृक्षों के पत्ते झड़ जाते हैं, उसी प्रकार जीवन में भी भावों का क्षय होता रहता है।

लेकिन जब हम संतों और गुरु–वरों की वाणी सुनते हैं तथा उनके बताए मार्ग का पालन करते हैं, तब हमारा जीवन पुनः हरा–भरा हो उठता है।

पूज्य महासती श्री राजमतीजी म.सा. ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि जिनवाणी पुण्य संचय करने का मार्ग दिखाती है। जो धर्म करता है, वह पुण्य का अर्जन कर सकता है, लेकिन केवल धर्म करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि धर्म के मर्म को समझना भी आवश्यक है।उन्होंने कहा, जीना तो सरल है, पर जीने की कला सीखना बहुत कठिन है। चार गति, बारह व्रत और छह काय जीवों के संदर्भ में उन्होंने जीव रक्षा के महत्व को समझाते हुए कहा कि पंचेंद्रिय जीव की रक्षा करना मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है और हिंसा महापाप है।

जयमल ब्रज मधुकर दरबार में चातुर्मास संयोजक श्री पारस डोसी ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि आयंबिल एवं एकासना की लड़ी निरंतर जारी है। आज आयंबिल का लाभ श्रीमती संगीता गादिया एवं श्रीमती सुनीताजी आंचलिया ने लिया, जबकि एकासना का लाभ श्रीमती शीत–लजी सिंघवी एवं श्रीमती नेहाजी कोठारी द्वारा लिया गया।

उन्होंने बताया कि बुधवार के पश्चात गुरुवार को आयंबिल का लाभ श्रीमती चेतनाजी सिंघवी एवं एकासना का लाभ श्रीमती नंदाजी कोठारी द्वारा लिया जाएगा। प्रवचन के पश्चात नवकार महामंत्र जाप का क्रम भी निरंतर जारी है। आज के जाप का लाभ श्रीमान राजेंद्रजी अभिषेकजी कोठारी परिवार द्वारा लिया गया।

सीएसआईआर–आईआईसीटी और विरिडिस बायोफार्मा के बीच प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौता

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर–भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर–आईआईसीटी) ने विरिडिस बायोफार्मा प्राइवेट लिमिटेड के साथ मधुमेह के पैर के अल्सर (डायबिटिक फुट अल्सर) के उपचार के लिए जिमनेमा सिल्वेस्ट्रे से विकसित आईएनडी–रेडी फाइटोफार्मास्युटिकल के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह तकनीक अन्य पुराने घावों और सूजन संबंधी त्वचा विकारों में भी उपयोगी हो सकती है।

यह विकास भारत के पारंपरिक वनस्पति संसाधनों को वैज्ञानिक रूप से मान्य और साक्ष्य–आधारित चिकित्सीय उत्पादों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसे सीए–सआईआर–आईआईसीटी के एप्लाइड बायोलॉजी विभाग के शोधकर्ताओं ने डॉ. एंथनी अडलगट्टा के नेतृत्व में विकसित किया है। डॉ. श्रीगिरिधर कोटामराजु और डॉ. अरुणा जंगम प्रमुख सदस्य हैं। यह कार्यक्रम सीए–सआईआर फाइटोफार्मास्युटिकल मिशन फेस–खखख के अंतर्गत समर्थित था।

पेटेंट, सुरक्षा अध्ययन और आईएनडी–रेडी पैकेज तैयार

इस तकनीक को भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेटेंट सुरक्षा प्राप्त है। इसमें बॉटनिकल स्टैंडर्डाइजेशन, फार्माकोलॉजिकल मूल्यांकन, क्रियाविधि अध्ययन, विश्लेषणात्मक विशेषता, फार्माकोकाइनेटिक अध्ययन, फॉर्मूलेशन विकास, जीएमपी प्रक्रिया विकास, स्थिरता मूल्यांकन और जीएलपी–अनुपालन सुरक्षा अध्ययन शामिल हैं। इन सभी अध्ययनों से एक व्यापक आईएनडी–रेडी डेटा पैकेज तैयार हो चुका है।

क्लिनिकल विकास और वैश्विक नियामक मंजूरी की दिशा में आगे बढ़ेगा

सीएसआईआर–आईआईसीटी के निदेशक डॉ. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि यह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संस्थान की वैज्ञानिक अनुसंधान को नवाचारपूर्ण स्वास्थ्य समाधानों में बदलने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी उत्पाद को नैदानिक विकास और यूएसएफडीए सहित वैश्विक नियामक मार्गों की ओर ले जाने में मदद करेगी।

विरिडिस बायोफार्मा इस उत्पाद को सीडीएससीओ और यूएस एफडीए में नियामक प्रस्तुतियां देकर क्लिनिकल मूल्यांकन की ओर ले जाएगा।

कंपनी के तकनीकी निदेशक डॉ. एंसलम डि सूजा ने कहा कि यह तकनीक वर्तमान उपचार में मौजूद कमी को पूरा करती है और उन्नत घाव प्रबंधन में विरिडिस के पोर्टफोलियो के अनुरूप है।

यह समझौता सार्वजनिक वित्तपोषित शोध को संभावित स्वास्थ्य समाधानों में बदलने का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

राजस्थान में पहली बार जिलेरी सहित सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण

250 शिवभक्त प्रतिदिन 12 घंटे कर रहे हैं अनुष्ठान की तैयारी, 11 पंडितों द्वारा हो रहा सामूहिक रुद्राभिषेक

बीकानेर, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। छोटी काशी के नाम से विख्यात बीकानेर में इस सावन माह एक अनूठा धार्मिक आयोजन हो रहा है। गोपेश्वर बस्ती स्थित मोदी कुआं क्षेत्र के श्री जंगलेश्वर महादेव मंदिर में राजस्थान में पहली बार जिलेरी सहित सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया जा रहा है। मंदिर से जुड़े शिवभक्त किशन मोदी ने बताया कि सावन के प्रारंभ से ही करीब 250 शिवभक्त प्रतिदिन लगभग 12 घंटे इस अनुष्ठान में जुटे हुए हैं। पांच वर्ष के बच्चों से लेकर 80 वर्ष तक के महिला और पुरुष श्रद्धालु मिट्टी से पार्थिव शिवलिंग तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिवलिंग के साथ जिलेरी को मां पार्वती का स्वरूप मानते हुए यह विशेष निर्माण किया जा रहा है। जिलेरी सहित शिवलिंग बनाने में अधिक समय लगने के कारण विशेष सांचे तैयार करवाए गए। उज्जैन से 10 सांचे लाने के बाद बीकानेर में 225 अतिरिक्त सांचे तैयार कराए गए।श्रीकोलायतजी से लाई गई मिट्टी से प्रतिदिन शिवलिंग बनाए जा रहे हैं। पहले दिन 1,100 शिवलिंगों का निर्माण हुआ था, जो अब बढ़कर प्रतिदिन करीब 7,100 तक पहुंच गया है। प्रतिदिन तैयार शिवलिंगों का अगले दिन 11 पंडितों द्वारा सामूहिक रुद्राभिषेक किया जाता है तथा उन्हें श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ रखा जाता है।15 अगस्त को शिवलिंगों का तिरंगा श्रृंगार किया जाएगा, जबकि हरियाली अमावस्या पर विशेष हरियाली श्रृंगार होगा। सावन के अंतिम दिन सभी पार्थिव शिवलिंगों का कपिल सरोवर में विसर्जन किया जाएगा। इस धार्मिक अनुष्ठान में अविनाश मोदी, वैभव मोदी, किशन मोदी, सावित्री मोदी, झंवरलाल मोदी, मोनिका मोदी, महेश शर्मा, विकास मोदी, भंवर महाराज, पंकज व्यास, प्रहलाद व्यास, मयंक सूरदासानी, सरला मोदी, प्रवीण मोदी, शिव मोदी, किशोर मोदी, शिव मंगल गिरी, रंजीत यादव, विष्णु मोदी, गौरी मोदी, अमरचंद सुथार, जयसिंह राजप–रोहित, मनीष पूनिया, लवलेश मोदी और लीलाधर महिया सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त सक्रिय रूप से सहभागी बने हुए हैं।

इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा–अर्चना एवं आरती संपन्न

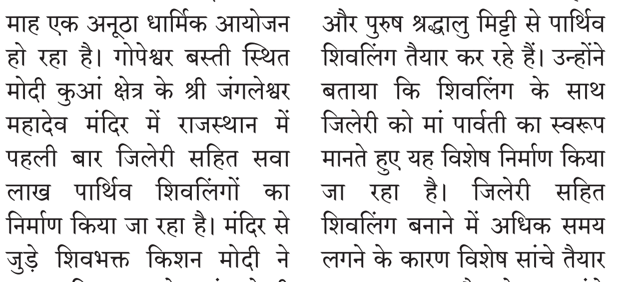

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा–अर्चना एवं आरती श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भगवान श्री गणेशजी की पूजा–अर्चना कर सुख, समृद्धि एवं मंगलकामना की प्रार्थना की। पूजा एवं आरती में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बालदवा, विट्ठलदास अग्रवाल (बड़ेगांव वाले), प्रमोद कुमार सराइवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक लखोटिया, पी.जी.आर. मूर्ति, विजय कुमार अग्रवाल, अधिवक्ता सुरेश कुमार अग्रवाल, चार्टर्ड अकाउंटेंट डॉ. राधाकृष्ण, विजय कुमार रेड्डी, दीपा अग्रवाल, मल्लिका रेड्डी, मंजुला, सरोजिनी रेड्डी, पी.सी. जैन, भोज रेड्डी, श्रीनिवास, विनोद टिकमानी, अशोक रूंगटा, राहुल सिंघल सहित अन्य भक्तगण उपस्थित रहे।

बांसवाड़ा में कलेक्टर का दोहरा दौरा, शिक्षा व सुविधाओं पर जोर

बांसवाड़ा, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिला कलेक्टर आशीष सांगवान ने बुधवार को बांसवाड़ा गवर्नमेंट जूनियर कॉलेज में चल रहे शिक्षक विकास कार्यक्रम का निरीक्षण किया। उनके साथ जिला इंटरमीडिएट नोडल अधिकारी शेख सलाम भी थे। कलेक्टर ने परिसर में पौधारोपण किया, डिजिटल क्लासरूम का जायजा लिया और छात्रों को मुफ्त नोटबुक वितरित कीं। शिक्षकों को नए शिक्षण तरीके अपनाने तथा छात्रों के कौशल व भविष्य पर ध्यान देने की सलाह दी। राज्य रैंक प्राप्त छात्रों की प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के अंत में नोडल अधिकारी ने कलेक्टर को स्मृति चिह्न व शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

इसी दिन कलेक्टर आशीष सांगवान और पुलिस अधीक्षक राजेश चंद्रा ने बोरलाम गांव स्थित टीजीएसडब्ल्यूआरएस जूनियर कॉलेज (गर्ल्स) का सरप्राइज निरीक्षण किया। राजस्व मंडलीय अधिकारी रविंदर रेड्डी सहित अन्य अधिकारी भी साथ रहे। उन्होंने कक्षाओं का निरीक्षण कर छात्राओं से पढ़ाई व सुविधाओं पर बातचीत की, शिक्षकों से चर्चा की तथा छात्राओं के साथ भोजन कर गुणवत्ता व स्वच्छता की जांच की। परिसर का जायजा लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार व बेहतर सुविधाओं के निर्देश दिए। छात्राएं और शिक्षक इस मुलाकात से उत्साहित दिखे।

नशे से दूर, खेल के करीब कलेक्टर ने जारी किया हाफ मैराथन का पोस्टर

पेद्दापल्ली, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्षा ने बुधवार को पेद्दापल्ली आईडीओसी में 27 सितंबर को आयोजित होने वाली चौथी करीमनगर हाफ मैराथन का पोस्टर जारी किया। यह कार्यक्रम स्वस्थ समाज और नशामुक्त युवाओं के उद्देश्य से रखा गया है। इस अवसर पर कलेक्टर ने युवाओं को नशे से दूर रहने तथा खेलकूद, पैदल चलना, जॉगिंग और दौड़ जैसी गतिविधियों को दिनचर्या का हिस्सा बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम खेल भावना और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देते हैं। युवाओं से बड़ी संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान भी किया गया। कार्यक्रम में जिला चिकित्सा अधिकारी प्रवीण रेड्डी, केआरसीए अध्यक्ष पसुला महेश, महिपाल रेड्डी, रविंदर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पुलिस आयुक्त ने किया वाहनों का निरीक्षण, सुरक्षा उपकरणों पर जोर

पेद्दापल्ली, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने बुधवार को आयुक्त कार्यालय मुख्यालय में पेद्दापल्ली और मंचिरयाल जोन के पुलिस थानों के वाहनों के संचालन व रखरखाव का निरीक्षण किया। आयुक्त ने कहा कि ये वाहन जनसेवाओं के लिए बिना बाधा निरंतर उपलब्ध रहने चाहिए तथा उनका उचित रखरखाव हो। संचार उपकरणों की भी जांच की गई। प्रत्येक वाहन में प्राथमिक चिकित्सा किट, आपातकालीन लैंप, रस्सियाँ, ट्रैफिक कोन, अपराध स्थल सुरक्षा रिबन, हेलमेट, ढाल, लाठी, बॉडी आर्मर और परावर्तक सुरक्षा जैकेट अनिवार्य रखने का आदेश दिया गया। मोटर वाहन अधिकारियों को कमियों की समय–समय पर पहचान कर मासिक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा चालकों के लिए वाहन रखरखाव व सुरक्षा मानकों पर विशेष प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

पेद्दापल्ली में पीएम–सेतु आईटीआई क्लस्टर स्थापना और रेलवे विकास पर चर्चा

पेद्दापल्ली, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेलंगाना के श्रम मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी और सांसद गद्दम वमसी कृष्णा ने केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी से पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र में पीएम–सेतु आईटीआई क्लस्टर स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं के लिए खनन, धातु, इंजीनियरिंग, विद्युत और यांत्रिक क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। सांसद वमसी कृष्णा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से रामागुंडम–मनुगुरु रेलवे लाइन की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने 4,000 करोड़ के निवेश वाली परियोजना में तेजी लाने और रेलवे स्टेशनों के उन्नयन सहित लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने कार्यों में तेजी का आश्वासन दिया।

दोनों नेताओं ने पेद्दापल्ली क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र सरकार से सहयोग जारी रखने का वादा किया है।

हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर सिख विलेज क्रॉस रोड क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए अन्न प्रसाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने अन्न प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में दिनेश कटारिया, अजय कटारिया, दिलीप कविश लोढ़ा, संजय अंकुश कांटेड, अजय वकटारिया, विमल कटारिया, शेरमल तातेड, ज्ञानदीप सिंघवी, प्रवीण, सौरव लोढ़ा, संजय तातिया, राजू बोहरा, अशोक, श्रवण सहित अन्य गणमान्यजन एवं कार्यकर्ताओं ने सेवा कार्य में सहयोग किया।

हर समस्या का समाधान है महावीर दर्शन

चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को भगवान महावीर का जन्म कल्याण है। उनके सिद्धांत बताते हैं कि वर्तमान के वर्तन (व्यवहार) को किस प्रकार से रखा जाए कि जीवन में शांति, मरण में समाधि, परलोक में सद्गति तथा परम्पर से परमगति पाई जा सके। मानवीय गुणों की उपेक्षा के इस समय में महावीर के कल्याण का दिन हमसे अपने जातीय भेद भुलाकर सत्य से साक्षात का संदेश देता है। भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है। उन्होंने मानव को मानव के प्रति ही प्रेम और मित्रता से रहने का संदेश नहीं दिया अपितु मिट्टी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति से लेकर कीकीडे-मकोडे, पशु-पक्षी आदि के प्रति भी उसी मित्रता और अहिंसक विचार के साथ रहने का उपदेश दिया है। उनकी इस शिक्षा में पर्यावरण के साथ बने रहने की सीख भी है। आज जिस हिंसात्मक वातावरण और आपाधापी के बीच बच्चे बढ हो रहे हैं उसके कारण उनमें संयम का अभाव है। यह पीढी लक्ष्य से भटक रही है। ऐसे वातावरण में बडे हो रहे बच्चों से अपेक्षा रखना कि वे नैतिक राह पर चलेंगे ठीक नहीं। आज हमें समग्रता में महावीर की शिक्षाओं की बहुत जरूरत है ताकि हम इस धरा को सुंदर बना सकें।

बढती बुद्धि उन्नत कारोबार यही है बुधवार व्रत का उपहार

क्या आपका मन किसी काम में नहीं लगता क्या बार- बार किसी काम को करने से हतोत्साहित हो जाते हैं। या फिर व्यापार को लेकर आप हमेशा असंतुष्ठ रहते हैं। तो इन समस्याओं के छुटकारा पाने के लिए बुधवार का व्रत कर सकते हैं। यह व्रत स्त्री-पुरुष दोनों के लिए ही मंगलदायक होता है। इस व्रत को करने से आपकी बुद्धि में काफी इजाफा हो सकता है।

करें ये उपाय सर्वप्रथम नित्यकर्मों से मुक्त होकर बुध देवता के मंत्र से बुध त्वं बुद्धिजनको बोधदः सर्वदा नृणाम तत्वावबोधं कुरुषे सोमपुत्र नमो नमः ॥ उनका ध्यान करें। घर के इशान कोण में भगवान शिव या बुध का चित्र या मूर्ति कांस्य के बर्तन में स्थापित करना चाहिए। उनपर बेलपत्र, अक्षत, धूप और दीप जलाकर विधिवत पूजा करनी चाहिए। दिन हरे-पीले रंग के शेड वाले कपडे पहनने चाहिए। पन्ना रत्न धारण करना शुभ होता है। व्रत में हरी वस्तुओं का इस्तेमाल करना चाहिए। मूंग का हलवा, हरे फल, छोटी इलाइची का विशेष महत्व है।

दिन के व्रत की पूर्णाहुति सूर्यास्त के बाद एक बार फिर से बुध को धूप, दीप और गुड, चावल एवं दही के भोग लगाने से होती है ।उसके बाद प्रसाद वितरण कर स्वयं भी ग्रहण करना चाहिए। व्रत करने वाले को दिन में एक बार ही नमक रहित भोजन करना चाहिए। बुधवार का व्रत को विशाखा नक्षत्र में बुधवार के दिन से आरंभ करना चाहिए, जिसे 17 या 21 सप्ताह तक करना चाहिए। इस योग के नहीं मिलने की स्थिति में इस व्रत को किसी भी माह में शुक्ल पक्ष के पहले बुधवार से किया जा सकता है। ब्राह्मणों को भोजन करवाकर यथाशक्ति दान देना चाहिए।

बुधवार व्रत की कथा

कहते हैं समतापुर नगर में मधुसूदन नामक एक व्यक्ति रहता था। वह बहुत धनवान था। मधुसूदन का विवाह बलरामपुर नगर की सुंदरलडकी संगीता से हुआ था। एक बार मधुसूदन अपनी पत्नी को लेने बुधवार के दिन बलरामपुर गया। मधुसूदन ने पत्नी के माता-पिता से संगीता को विदा कराने के लिए कहा। माता-पिता बोले- 'बेटा, आज बुधवार है। बुधवार को किसी भी शुभ कार्य के लिए यात्रा नहीं करते।' लेकिन मधुसूदन नहीं माना। उसने ऐसी शुभ-अशुभ की बातों को न मानने की बात कही। दोनों ने बैलगाडी से यात्रा प्रारंभ की।

दो कोस की यात्रा के बाद उसकी गाडी का एक पहिया टूट गया। वहाँ से दोनों ने पैदल ही यात्रा शुरू की। रास्ते में संगीता को प्यास लगी। मधुसूदन उसे एक पेड के नीचे बैठाकर जल लेने चला गया। थोडी देर बाद जब मधुसूदन कहीं से जल लेकर वापस आया तो वह बुरी तरह हैरान हो उठा क्योंकि उसकी पत्नी के पास उसकी ही शक्ल-सूरत का एक दूसरा व्यक्ति बैठा था। संगीता भी मधुसूदन को देखकर हैरान रह गई। वह दोनों में कोई अंतर नहीं कर पाई। मधुसूदन ने उस व्यक्ति से पूछा 'तुम कौन हो और मेरी पत्नी के पास क्यों बैठे हो' मधुसूदन की बात सुनकर उस व्यक्ति ने कहा- 'अरे भाई, यह मेरी पत्नी संगीता है। मैं अपनी पत्नी को ससुराल से विदा करा कर लाया हूँ।

लेकिन तुम कौन हो जो मुझसे ऐसा प्रश्न कर रहे हो' मधुसूदन ने कहा 'तुम जरूर कोई चोर या ठग हो। यह मेरी पत्नी संगीता है। मैं इसे पेड के नीचे बैठाकर जल लेने गया था।' इस पर उस व्यक्ति ने कहा- 'अरे भाई झूठ तो तुम बोल रहे हो। संगीता को प्यास लगने पर जल लेने तो मैं गया था। मैंने तो जल लाकर अपनी पत्नी को पिला भी दिया है। अब तुम चुपचाप यहाँ से चलते बनो। नहीं तो किसी सिपाही को बुलाकर तुम्हें पकडवा दूंगा।' दोनों एक-दूसरे से लडने लगे। उन्हें लडते देख बहुत से लोग वहाँ एकत्र हो गए। नगर के कुछ सिपाही भी वहाँ आ गए। सिपाही उन दोनों को पकडकर राजा के पास ले गए। सारी कहानी सुनकर राजा भी कोई निर्णय नहीं कर पाया। संगीता भी उन दोनों में से अपने वास्तविक पति को नहीं पहचान पा रही थी। राजा ने दोनों को कारागार में डाल देने के लिए कहा। राजा के फैसले पर असली मधुसूदन भयभीत हो उठा। तभी आकाशवाणी हुई- 'मधुसूदन तूने संगीता के माता-पिता की बात नहीं मानी और बुधवार के दिन अपनी ससुराल से प्रस्थान किया। यह सब भगवान बुधदेव के प्रकोप से हो रहा है।'

मधुसूदन ने भगवान बुधदेव से प्रार्थना की कि 'हे भगवान बुधदेव मुझे क्षमा कर दीजिए। मुझसे बहुत बडी गलती हुई। भविष्य में अब कभी बुधवार के दिन यात्रा नहीं करूंगा और सदैव बुधवार को आपका व्रत किया करूंगा' मधुसूदन के प्रार्थना करने से भगवान बुधदेव ने उसे क्षमा कर दिया। तभी दूसरा व्यक्ति राजा के सामने से गायब हो गया। राजा और दूसरे लोग इस चमत्कार को देख हैरान हो गए। भगवान बुधदेव की इस अनुकम्पा से राजा ने मधुसूदन और उसकी पत्नी को सम्मानपूर्वक विदा किया। कुछ दूर चलने पर रास्ते में उन्हें बैलगाडी मिल गई। बैलगाडी का टूटा हुआ पहिया भी जुडा हुआ था।

दोनों उसमें बैठकर समतापुर की ओर चल दिए। मधुसूदन और उसकी पत्नी संगीता दोनों बुधवार को व्रत करते हुए आनंदपूर्वक जीवन-यापन करने लगे। इस तरह भगवान बुधदेव की कृपा से उनके यहां खुशियां बरसने लगीं।

आइये जाने मां दुर्गा की उत्पत्ति की कहानी

हिंदू धर्म में मां दुर्गा की आराधना के लिए विशेष रूप से नवरात्रि का त्यौहार मनाया जाता है। इस त्यौहार को साल में दो बार मनाया जाता है। मां दुर्गा को कई नामों जैसे- काली, पार्वती, गौरी, सती, महामाया और महिषासुर मर्दिनी के नाम से जाना जाता है। मां दुर्गा के रूप पार्वती को भगवान शिव की अर्धांगनी माना जाता है। मां दुर्गा की उत्पत्ति की गाथा कुछ इस प्रकार है: नवरात्री में आरती की थाली ऐसे सजाएं।

एक बार की बात है, एक भैंसा दानव था, जिसे महिषासुर के नाम से जाना जाता था, जो बडा शक्तिशाली था। वह सभी देवताओं का वध करना चाहता था, ताकि वह संसार में सर्वोच्च हो सकें। इससे घबराकर सभी देवता, सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रहम् के पास गए और अपनी बात कही। तब सभी ने सर्वसम्मत्ति से अपनी शक्तियों से मिलाकर देवी दुर्गा का सृजन किया। देवी दुर्गा का सृजन सभी की शक्तियों को मिलाने से ही संभव था ताकि महिषासुर का वध किया जा सकें। मां देवी दुर्गा का स्वरूप, बेहद आकर्षक है, उनके मुख में सौम्यता और स्नेह झलकता है। उनके दस हाथ हैं, जिसमें हर एक में एक विशेष शस्त्र है। उन्हे हर भगवान और देवता ने कुछ न कुछ अवश्य दिया था, भगवान शिव ने त्रिशुल, भगवान विष्णु ने चक्र, भगवान वायु ने तीर आदि।

देखिये दुर्गा पूजा की बेहतरीन तस्वीरे मां के कपडे और सवारी: मां दुर्गा की सवारी शेर है, जो हिमावंत पर्वत से लाया गया था। इस प्रकार देवी दुर्गा को महिषासुर का वध करने के लिए बनाया गया। बाद में देवी दुर्गा ने महिषासुर को मार डाला।

इस स्वरूप को आप अक्सर तस्वीरों और मूर्तियों में देख सकते हैं। महिषासुर को देवी दुर्गा ने अपने शेर और शस्त्रों से मार डाला। इस प्रकार मां दुर्गा, आज भी बुरी बाधाओं का वध करने के लिए पूजी जाती हैं। साल में चैत्र माह की नवरात्रि मुख्य होती है।

बालों में फूलों का गजरा लगाने का महत्व

भारत में आपको लडकियां और महिलाएं अपने बालों में फूल लगाएं जरुर मिल जाएंगी। खासतौर पर दक्षिण भारत में आपको हर लडकी बालों में एक या फूलों का गजरा लगाए दिख जाएगी। रंग बिरंगे फूल बालों को देखने में खूबसूरत ही नहीं बलकि हर फूल की अपनी अगल-अलग परिभाषा होती है। उनके पीछे जरुर कोई मतलब छुपा होता है। हर फूल किसी ना किसी गुण से जुडा होता है। चाहे बात करें चमेली, गुलाबी, गुलदाउदी या गुलाब आदि फूलों की, इस सब में कोई ना कोई राज छुपा होता है। माना जाता है कि अगर घर की लडकी या महिलाएं इन फूलों को सिर में लगाएं तो घर में खुशहाली आती है। आइये जानते हैं इन फूलों के पीछे छुपे हुए राज को।

बालों में फूलों का गजरा लगाने का महत्व

1. चमेली : चमेली अपनी खुशबू की वजह से फूलों की रानी के रूप में जानी जाती है। कोई त्योहार चमेली के फूल का उपयोग किए बिना पूरा नहीं समझा जाता है। यह समृद्धि और सौभाग्य का एक निशान है। इसलिए महिलाओं को आमतौर पर बालों पर चमेली के फूलों का गजरा पहने हुए देखा जाता है।

2. गुलाब: गुलाब प्यार और जुनून का प्रतीक है। तो अगर कोई लडकी गुलाब का फूल बालों में लगाती है, तो इसका मतलब होता है कि वह या तो अपने प्यार को याद कर रही होती है या फिर प्यार के जुनून को दिखा रही है।

3. गुलदाउदी: ये सुंदर से फूल खुशी को दर्शाते हैं। अगर एक लडकी बालों में गुलदाउदी पहनती है, तो वह अपने परिवार के लिए खुशी लाने के लिए सोंचती है।

4. गुडहर: यह फूल शक्ति का प्रतीक है इसलिये इससे काली देवी और अन्य रूपों की पूजा में प्रयोग किया जाता है।

फूलों का महत्व:फूलों का महत्व काफी प्राचीन है। भारत की हर संस्कृति में अलग अलग महिलाओं के लिये इन फूलों का महत्व एक दम जुदा है। भारत में लडकी का बालों में फूलों का गजरा लगाना उसके परिवार में खुशी और समृद्धि लाने से जोडा जाता है। माना जाता है कि फूल लगाने से मां लक्ष्मी घर में निवास करती हैं और वह घर को छोड कर कभी नहीं जाएंगी।

फेंगशुई प्रोडक्ट से जगा सकते हैं सोई किस्मत

फेंगशुई प्रोडक्ट घर में सुख-समृद्धि लाने में काफी सहायक हैं, लेकिन इन प्रोडक्ट्स का प्रयोग करते समय दिल और दिमाग में इसके प्रति आस्था रखनी आवश्यक है, तभी यह मनोवांछित फल देते हैं। आज घर-घर में पाए जाने वाले लाफिंग बुद्धा, मनी प्लांट आदि फेंगशुई की ही देन है। फेंगशुई के जानकार मानते हैं कि यह वस्तुएं आपकी सोई किस्मत को जगाकर आपको खुशहाल बना सकती हैं। हालांकि, कई जगह इन सामानों को भारतीय ज्योतिष से भी जोड कर देखा जाता है। जैसे कछुआ ना सिर्फ फेंगशुई में विशेष महत्व रखता है बल्कि ज्योतिष में भी इसका बेहद महत्व है। मान्यता है कि श्रीहरि विष्णु ने भी कछुआ रूप धारण कर समुद्र-मंथन के समय संसार की सहायता की थी। इसी तरह हाथियों को फेंगशुई के साथ भारतीय ज्योतिष में भी पुण्यकारी और लाभ देने वाला बताया गया है। फेंगशुई के सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए इसमें विर्श्वास होना बेहद जरूरी है।

अगर विश्वास है तो तुच्छ माने जाने वाले बांस के पौधे भी आपके घर में पैसों की बारिश करा सकते हैं। फेंगशुई में मछलियों का महत्व होता है। मान्यता है कि मछलियां धन और समृद्धि लेकर आती हैं। मछलियों की उछलकूद देखने से मन को शांति मिलती है और यह अपने साथ सारे अपशकुन लेकर चली जाती हैं। हालांकि, इसे रखने के लिए विशेष देखभाल की जरूरत होती है। फेंगशुई के अनुसार घर में अगर जिंदा मछलियां रखनी हो तो आठ सुनहरी और एक काली मछली को मछलीघर में रखना चाहिए और अगर जगह की कमी हो तो आप दो मछलियों को रख सकते हैं। एक्वेरियम को रखने के भी कुछ नियम हैं जैसे इसे दरवाजे के पास या ठीक दरवाजे के सामने नहीं रखना चाहिए। इसे घर की उत्तर, पूर्व या उत्तर पूर्व दिशा में रखना चाहिए। अगर कोई मछली मर जाती है तो यह अपशकुन नहीं है, यह संदेश होता है कि मछली घर पर आने वाली आपदा को अपने साथ लेकर चली गई। अगर घर में बडा एक्वेरियम रखने की जगह ना हो तो आप छोटा सा एक्वेरियम दो मछलियों वाला भी रख सकते हैं। यह प्यार का प्रतीक माना जाता है। साथ ही आप क्रिस्टल की बनावटी मछलियों का जोडा बेडरूम में रख सकते हैं।

गोल्डफिश को फेंगशुई के अनुसार सबसे अधिक पवित्र और संपन्नाता देने वाला माना जाता है। सोने की प्रतीत होने वाली यह मछली आपके जीवन में भी सोने की चमक बिखेर देगी। फेंगशुई एरोवाना मछली सबसे शुभ मछली माना जाता है। मान्यता है कि यह मछली अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि, सुख, धन और शक्ति का प्रतीक है। फेंगशुई के अनुसार एरोवाना मछली बुरी शक्तियों को हटाती है। अगर आप जिंदा एरोवाना मछली ना पाल पाएं तो आपको मुंह में सिक्का लिए हुए सुनहरी एरोवाना मछली की मूर्ति रखनी चाहिए।

मान्यता है कि इस नींबू को अपने पास रखने वाले को समृद्धि मिलती

तमिलनाडु के विलुपुरम जिले में मंदिर प्रशासन ने एक पवित्र नींबू की नीलामी की। पांगुनी उतिराम त्योहार की एक रस्म के तहत की गई इस नीलामी में एक दंपती ने इसे 39,000 रुपए में खरीदा। तिरुवन्नैनल्लुर के बालातंडेउतपनी मंदिर में 11 दिनों तक उत्सव होता है। इसके आखिरी दिन भगवान मुरुगन के भाले पर लटकाए गए फलों को नीलाम करने की परंपरा है। गांव वालों की ऐसी मान्यता है कि इस नींबू को अपने पास रखने वाले को समृद्धि मिलती है और जिस दंपती के पास यह फल होता है, उन्हें संतान सुख मिलता है। इस साल दंपती जयरामन और अमरावती ने 39,000 रुपए देकर 'पवित्र' नींबू खरीद लिया। बाकी के आठ नींबू भी अच्छे दामों में बिके। कुल मिलाकर नौ नींबू 57 हजार 722 रुपए में बिके। गांव के एक बुजुर्ग ने बताया कि किसी को नहीं पता कि यह मंदिर कब बनाया गया था। मंदिर उस जगह पर बना है, जहां दो पहाडियां मिलती हैं। काफी समय बाद गांव वालों का ध्यान इस मंदिर पर गया।

जब अकबर ने ली भगवान की परीक्षा, यह चमत्कार देख मान ली हार

शूरवीर और शहंशाह भी ईश्वर की शक्ति को नमन करते हैं। ऐसा ही एक बार अकबर के जीवन में भी हुआ था और उसने जगदीश महाराज के दरबार में शीश झुकाया। आगरा से अजमेर में ख्वाजा साहब की जियारत के जाते समय बादशाह अकबर जब गोनेर के पास से गुजरा तो लोगों ने लक्ष्मी जगदीश महाराज की प्रसिद्धि के बारे में बताया। बादशाह ने भगवान की परीक्षा लेने की सोची और गोनेर की ओर कूच किया।

उसने कहा कि यदि बिना मांगे मुझे मनचाहा प्रसाद एवं दर्शन हो जाएंगे तो मैं मान जाऊंगा, नहीं तो मंदिर को तोड दूंगा। उधर भगवान ने बादशाह की मंशा भांपकर अपने सेवक देवादास को स्वप्न में दर्शन देकर कहा कि एक भक्त मेरी परीक्षा लेने आ रहा है। उसे बिना मांगे प्रसाद में घेवर देना और पंच पीर के दर्शन करवा देना। इस पर देवादास ने कहा कि भगवान हां तो किसी को घेवर बनाने भी नहीं आते। कैसे प्रसाद दूंगा इस पर भगवान ने कहा, तू चिंता मत कर, सब प्रबंध हो जाएगा। जब अकबर गोनेर मंदिर पहुंचा तो सेवक देवादस ने बिना मांगे घेवर का प्रसाद देकर बादशाह को मंदिर में पंचपीर के दर्शन करा दिए। इससे बादशाह बहुत प्रभावित हुआ। उसने मंदिर में भगवान के दर्शन किए और शीश नवाया। तब से होली के दिन से भगवान को मालपुए एवं अन्य मिष्ठानों का भोग नहीं लगाया जाता। फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा से पांच दिन लक्ष्मी जगदीश महाराज के केवल घेवर का ही भोग लगता है। रंगपंचमी के दिन भगवान को गर्भगृह से बाहर लाते हैं और गर्भगृह सहित पूरे मंदिर का शुद्धिकरण किया जाता है।

लक्ष्मी जगदीश का मेला गोनेर स्थित श्री लक्ष्मी जगदीश भगवान का प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल दूज पर लगने वाला वार्षिक लक्खी मेला शुक्रवार को आयोजित होगा। मंदिर के महंत हनुमान दास शर्मा एवं सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि इस मेले में प्रदेशभर से श्रद्धालु आएंगे। इस अवसर पर भगवान जगदीश, चारभुजानाथ, बिहारीजी की मनोहरी फाल्गुनी पोशाक धारण करवा कर झांकी सजाई जाएगी।

सम्मान और यश प्राप्ति की अभिलाषा प्रत्येक मनुष्य में होती है

सम्मान और यश प्राप्ति की अभिलाषा प्रत्येक मनुष्य में होती है, किंतु जिन कार्यो से सम्मान मिलना संभव होता है उन्हें करने के लिए बहुत कम लोग राजी होते हैं। झूठे सम्मान के लोभी मनुष्यों को अथक प्रयास करने पर भी असफलता ही हाथ लगती है। जिस योग्यता पर यश मिलता और सम्मान बढता है उसे बढाया न जाए तो यह महत्वाकांक्षा अधूरी ही बनी रहेगी।

उचित योग्यता के अभाव में क्या किसी को सम्मान मिला भी है। योग्यता विलक्षणता, परिश्रम और अभ्यास से मिलती है। इसके लिए सबसे पहले अतुलनीय साहस उत्पन्न करना पडता है। साहस के बगैर वह शक्ति नहीं आती जो विपन्न स्थिति में धैर्य स्थिर रख सके। सवरेपरि स्थान प्राप्त करने के लिए घोर संघर्ष का सामना किए बिना कोई बच नहीं सकता। साहस से सहिष्णुता आती है, जिससे लोग हंसते हुए उन कठिनाइयों को डेल जाते हैं। जब इस तरह का विशाल हृदय मनुष्य का बन जाता है तो यश स्वयं चलकर आपके पास आ जाता है।

कर्तव्य-बुद्धि का परिष्कारक ही गुणों की पराकाष्ठा तक पहुंच सकता है। यश का लोभ कामना-पूर्ति में विलंब होते या विघ्न आते देखकर बीच में ही गिरा देता है, इसलिए उसे त्याज्य कहा गया है। यश की अभिलाषा आंतरिक हो और किसी आदर्श पर प्रतिरोपित हो तो ही मनुष्य कठिनाइयों के उच्च शिखर पर चढता चला जाता है। श्रेष्ठता प्राप्त करने का अभ्यास आवेश या अंधानुकरण पर आधारित न हो अन्यथा अधिक देर तक उस सत्कर्म में टिके रहना संभव न होगा। विचार करें कि अपनी प्रकृति, स्थिति और शक्ति के अनुसार कौन-सी विशेषता सहज ही में प्रकट कर सकेंगे। दान, सेवा, भक्ति, चरित्र की निर्मलता, ब्रहाचर्य आदि का चयन अपनी स्थिति को ध्यान में रखकर करें।

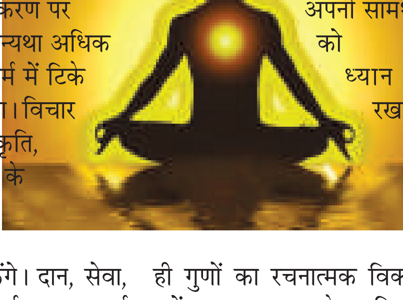

विपरीत स्थिति और शक्ति से बढकर किए गए प्रयास प्राय: निष्फल होते हैं या फिर साहस इतना बुलंद हो कि प्रत्येक स्थिति की कठोरता को अंत तक सहन कर सकें। इससे अच्छा यही है कि अपनी सामर्थ्य को ध्यान में रखकर ही गुणों का रचनात्मक विकास करें। सामान्य स्तर के व्यक्ति के लिए भी जीवन में सम्मान प्राप्त करने का एक सीधा सच्चा उपाय है। वह है वैर-भाव, ईर्ष्या-द्वेष और प्रतिशोध की भावना न रखना। सबके साथ प्रेम, दया, करुणा और सहदयता से रहकर यह स्थिति प्राप्त की जा सकती है।

खुद-ब-खुद चलेगा स्मार्ट सूटकेस...

सफर के दौरान भारी-भरकम सूटकेस लोगों को थका देता हो, तो इस स्मार्ट सूटकेस का इस्तेमाल करना अच्छा ऑप्शन हो सकता है। इस सूटकेस को पकड़ने की जरूरत नहीं है, बस एक इशारे पर यह आपके साथ-साथ चलेगा। इस अनोखे सूटकेस का निर्माण इजरायल के एनयूए रोबोटिक्स वैज्ञानिकों ने किया है। एनयूए रोबोटिक्स संस्थान के मुताबिक, इस सूटकेस में कैमरा, सेंसर और ब्लूटुथ लगा है। यह यूजर्स के स्मार्टफोन से कनेक्ट होकर उसके निर्देशों का पालन भी करता है। यह ही नहीं, यह सूटकेस इतना स्मार्ट है कि इसे अगर किसी अनजान शख्स ने टच किया तो इसका अलार्म बजना शुरू हो जाता है। इसके अलावा इसमें खास अलार्म किसी के छीनने या चोरी करने की स्थिति में भी जोर-जोर से बजने लगता है। इस सूटकेस को लेकर सफर कर रहे हैं तो आपको अपने मोबाइल या टैबलेट डिस्चार्ज होने की भी समस्या नहीं होगी, क्योंकि इसमें यूएसबी सॉकेट फिट किया गया है। इसके जरिए आराम से गैजेट्स चार्ज किए जा सकते हैं। खास बात यह है कि इसमें फिट सभी तकनीक सिर्फ 1.5 किलो की हैं जिसे यात्री आसानी से उठा सकते हैं। फिलहाल यह सूटकेस प्लेन सर्फेस पर ही चल सकता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसे सीढ़ियों और दूसरी जगह भी चलने लायक बनाया जाना चाहिए। एनयूए रोबोटिक्स संस्थान का कहना है कि अभी इस पर शोध जारी है, वह इसमें नए फीचर जोड़कर इसे और भी बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है कि एक साल के भीतर यह अनोखा सूटकेस लोगों के बीच पहुंच जाएगा।

सख्त त्वचा को ऐसे बनाएं सॉफ्ट...

शेविंग करने में पुरूषों के लिए सहायक होता है स्क्रब। शेविंग करते रहने से पुरूषों के चेहरे की त्वचा कठोर हो जाती है। ऐसे में स्क्रब त्वचा से मृत त्वचा को हटाने का काम करता है, त्वचा की नमी और मुलायमता को बनाए रखता है। इसलिए शेव करने से पहले नींबू का रस या शेविंग जेल लगाएं। इससे शेव आसानी से बन जाती है, त्वचा के रोम छिद्र खुल जाते हैं और त्वचा संबंधित बीमारी भी नहीं होती है। एक विशेषज्ञ का कहना है कि अच्छी तरह से चेहरे की सफाई करना आवश्यक है। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि फोम का ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को नुकसान पहुंचाता है।

जीन्स की चेन पर वायकेके क्यों?

क्या आपने कभी सोचा है कि आपकी जीन्स की चेन पर वायकेके क्यों लिखा होता है। हम बताते हैं आपको इसके पीछे का राज। दरअसल वायकेके का फुलफॉर्म योशिदा को-ग्यो-कबूशिकिंगएशिया है। यह दुनिया की सबसे पहली जिप निर्माता कंपनी है। इस कंपनी ने लगभग आधे से ज्यादा जिप बनाईं हैं। यह कंपनी 71 देशों में मौजूद है। 1934 में टोक्यो के एक व्यापारी तादाओ योशिदा ने इसका आविष्कार किया था। किसी बड़ी खोज पर ध्यान न देते हुए यह छोटी-सी खोज लाखों लोगों के रोजगार का जरिया है। चेन के अलावा वायकेके कपड़ों और बैग में लगने वाले और भी उत्पाद बनाती है। इस कंपनी का सबसे बड़ा प्लांट जॉर्जिया यूएसए में है, जहां हर रोज 70 लाख जिप बनती हैं।

चीटिंग का एक्सपर्ट...

जस्टिन रोस ली नाम का शख्स घूमने और लग्जरियस लाइफ जीने के लिए जाना जाता है लेकिन यह जानकर आपको हैरानी होगी कि न्यूयार्क में रहने वाले इस आदमी को सारी लग्जरियस सुविधाएं फ्री में मिल ही जाती हैं। इसके लिए यह अनोखे तरीके अपनाता है। कभी यह फ्लाइट के खाने को एलर्जिक बताता है तो कभी होटल के इंटरनेट कनेक्शन को गलत बताता है। इससे डिस्काउंट मिलने के साथ ही फ्री सर्विस मिल जाती हैं। यह अपनी लग्जरियस लाइफ की फोटोज इंस्टाग्राम पर रेग्युलर शेयर करता है। रोस ली चीटिंग में एक्सपर्ट है और वह फ्री अपग्रेड पाने का कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेता है। अब तक वह शंघाई, मुंबई और टोक्यो में लग्जरियस सुइट में रूकना और फर्स्ट क्लास में सफर करने का फ्री तरीका निकाल चुका है।वह फेक बिजनेस कार्ड बनवाकर डिसकाउंट भी लेता है कुछ दिन पहले एक वीडियो के लीक होने से ली खबरों में आ गया था जिसमें वह ट्रैवल एंड हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के लूप होल्स और अपने कॉन्ट्रोवर्शियल सीक्रेट बता रहा था। ली कहता है कि मैं इसे क्राइम नहीं मानता। मैं लॉ को फॉलो करता हूं लेकिन अपने रूल खुद बनाता हूं। ली ट्रैवल एक्सपर्ट है और उसकी एक कंपनी भी है।

सुंदर व स्टाइलिश दिखने पर सिर्फ युवतियों का ही कॉपी राइट नहीं है, युवा लड़के भी सुंदर और स्टाइलिश लग सकते हैं। असल में स्टाइलिश मैन बनने के लिए आपको अपनी बॉडी शेप के अनुसार कपड़े पहनने की जरूरत होती है। यह जान लेना चाहिए कि बॉडी पर क्या सूट करता है।

कैसे बनें स्टाइलिश मैन...?

18 से 25 साल के युवा पर्सनल केयर और और स्मार्ट लुक के लिए महिलाओं से अधिक पैसा खर्च कर रहे हैं। और इस बात का ही प्रमाण है कि पिछले पांच साल में युवाओं के प्रयोग में आने वाले प्रोडक्ट्स की बिक्री का बाजार 42 फीसदी बढ़ गया है। यह सच है कि पहचान बनाने के लिए काम के साथ-साथ आपका पहनावा भी काफी मायने रखता है। ड्रेसिंग स्टाइल में जरा-सी लापरवाही आपकी पर्सनालिटी को बिगाड़ सकती है। फैशन के जानकारों के मुताबिक भारतीय युवाओं को परिधानों के मामले में मार्गदर्शन की बहुत ज्यादा जरूरत है, फैशन के नियम युवाओं के लिए रहस्यमय रहे हैं लेकिन वाकई ये कारगर हैं। आप कितने ही अच्छे कपड़े पहन लें, लेकिन जब तक आपको इन्हें पहनने के नियम नहीं पता तब तक आप स्टाइलिश मैन नहीं बन सकते। जब बात ड्रेसिंग की हो तो आपके मन में बस लेटेस्ट फेड ही नहीं होना चाहिए। असल में स्टाइलिश मैन बनने के लिए आपको अपनी बॉडी शेप के अनुसार कपड़े पहनने की जरूरत होती है। आपको यह जान लेना चाहिए कि बॉडी पर क्या सूट करता है। अगर आप यहां बताए गए शेप्स में से किसी शेप के हैं तो फिर उन कपड़ों को चुनें जो आप पर फबते हैं।

इनवर्टेड ट्रायंगल

इनवर्टेड ट्रायंगल बॉडी वाले युवाओं का ऊपरी भाग चौड़े चेस्ट और कन्धों के साथ ट्रापेजोइड की तरह होता है लेकिन कूल्हे और कमर इनकी तुलना में नैरो होते हैं। इसलिए ऊपरी भाग निचले भाग से थोड़ा चौड़ा होता है। ऐसी बॉडी टाइप उन युवाओं की होती है जिनकी बॉडी एथलेटिक फ्रेम वाली होती है या जो बॉडी बिल्डिंग करते हैं। इस बॉडी स्ट्रक्चर वाले पुरुष हिप एरिया को पॉकेट्स और बेल्ट्स से डिटेलिंग दे सकते हैं। साथ ही वी नैक टी शर्ट्स भी अच्छा ऑप्शन हैं, क्योंकि इससे ध्यान नीचे की तरफ जाएगा। ट्रॉऊजर्स में स्लिम कट और स्ट्रैट फिट बेस्ट होते हैं। ध्यान रहे आपको लोगों का ध्यान शरीर के ऊपरी भाग से हटाना होता है, तो कॉलर के साथ स्ट्रक्चर जैकेट्स और स्कूपिंग नैकलाइन वाले टॉप्स न पहने।

रेक्टेंगल शेप्स

रेक्टेंगल शेप्स बॉडी टाइप उन युवाओं की होती है जिनके कंधे कमर के बराबर चौड़े होते हैं। तो जब आपको ड्रेसअप होना हो तो मकसद कंधों को चौड़ा और कमर और हिप्स को थोड़ा नैरो दिखाना होना चाहिए। यह शारीरिक तौर पर तो संभव नहीं है लेकिन कुछ कट्स और टाइप्स की वजह से आप यह कर सकते हैं। आप ऐसे जैकेट्स पहन सकते हैं जो कंधों से पैडेड हो और अंडरआर्म से नैरो हों। दूसरा विकल्प है कि समझदारी से लेयरिंग की जाए। औपको डबल ब्रेस्टेड पीसेज जो आपके रेक्टंगुलर शेप को और उभारेगा तो इनसे दूर रहना है।

ओवल शेप

ओवल शेप के युवाओं के शोल्डर नैरो, मध्य ओवल और लोअर लेग स्लिम होते हैं। इस श्रेणी में आने वाले युवाओं को अपने टोरसो को लंबा दिखाकर खुद को स्लिम लुक देना चाहिए। साथ ही कंधों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है। डेफिनेशन को ऐड करने के लिए वर्टीकल स्ट्राइप्स या पिन स्ट्राइप्स का चुनाव करें, जिनसे बॉडी को लेंथ मिलती है। गहरे रंग के टेक्सचर लें और फिट लेकिन लूज टेपरड ट्रॉउजर का चुनाव करें ताकी टांगें लंबी दिख सकें। हॉरिजॉन्टल स्ट्राइप्स और स्टेटमेंट या कलर्ड बेल्ट्स को छोड़ें क्योंकि यह सबका ध्यान कमर की ओर खींचता है जो बॉडी का वाइडेस्ट प्वाइंट है।

ये नियम हैं काम के

फैशन में टाई की नोंक शर्ट के आखिरी बटन को ढंकती हुई होना चाहिए नाकि बेल्ट के नीचे। बेल्ट से नीचे टाई की नोंक का होना एक बहुत बड़ी गलती की तरह बहुत भद्दी दिखती है। जब भी घर से निकलें तो ध्यान रहे कि आपकी कॉलर पर सिलवटें न आ रही हों। कॉलर की सिलवटें आपके व्यक्तित्व पर बुरा असर डालती हैं। जीन्स के साथ पहनने के लिए आपके पास हमेशा अलग से ब्लेजर होना चाहिए। यह देखने में ज्यादा स्टाइलिश लगता है। अगर आप दाढ़ी रखने के शौकीन हैं या फिर आपने फ्रेंच दाढ़ी रखी हुई है, तो भी नियमित अंतराल पर इसकी सेटिंग करवाते रहें। जब भी आप घर से कहीं बाहर जाएं, तो अपने कानों के पीछे और दोनों कलाई पर परफ्यूम का स्प्रे जरूर छिड़के। परफ्यूम लगाने का एक तरीका होता है। इसके लिए सबसे पहले आपने हाथों को सीधा करें इसके बाद अपनी चेस्ट पर परफ्यूम छिड़कें। इस तरह से परफ्यूम लगाने से इसकी खूशबू लंबे समय तक बनी रहती है। यह भी ध्यान रखें कि अच्छा दिखने में आपकी बॉडी लैंग्वेज इंपॉर्टेंट रोल प्ले करती है। आप कितने ही अच्छे कपड़े पहन लें, लेकिन आपकी बॉडी लैंग्वेज सुस्त है तो सब बेकार। हमेशा कमर को सीधा और छाती को थोड़ा बाहर निकालकर चलें। कंधों को कभी झुकाकर न चलें और चेहरे पर हमेशा मुस्कान रखें। इससे आपकी पर्सनालिटी हमेशा आकर्षक लगेगी।

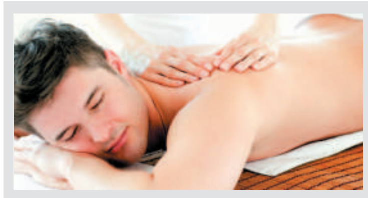

बॉडी मेकअप

वास्तव में तो लड़कियों से ज्यादा बॉडी मेकअप की जरुरत लड़कों को होती है। शरीर की त्वचा और लुक को बेहतर बनाए रखने के लिए आपको भी स्पा, बॉडी मसाज, मेनीक्योर और पैडीक्योर करना चाहिए।

ट्रेंडी ब्रेसलेट

ट्रेंडी ब्रेसलेट पूरी दुनिया में युवाओं के बीच मशहूर हैं। स्टाइलिश युवाओं के लिए बहुत सारी एक्सेसरीज मार्केट में उपलब्ध भी है। लैदर कफ से लेकर वुडेन बीड्स तक युवाओं के लिए बहुत से विकल्प हैं, जिनमें से वे अपनी पसंद के ब्रेसलेट चुन सकते हैं। मेटल ब्रेसलेट, नौटिकल ब्रेसलेट तथा बीडेड ब्रेसलेट्स कुछ अच्छे विकल्प हैं।

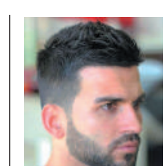

हेयर ट्रीटमेंट

आपका हेयरकट परफेक्ट दिखें इसके लिए जरूरी है कि बालों का भी खास खयाल रखा जाए। खासतौर पर डैंड्रफ और बाल झड़ने जैसी समस्याओं को सुलझा लें। बालों को ऑयल मसाज, हेयर स्पा और रेगुलर कट दें। अगर आप दाढ़ी रखने के शौकीन हैं या फिर आपने फ्रेंच दाढ़ी रखी हुई है, तो भी नियमित समय पर इसकी सेटिंग करवाते रहें।

शू कलेक्शन

कहते हैं की किसी इंसान को उसके जूतों से पहचाना जा सकता है। आपके जूते आपको भीड़ से अलग दिखने में बहुत मदद करते हैं। अगर आप बिना पॉलिश के घिस चुके जूते जो आपके पहनावे से भी मैच नहीं करते, पहन कर कहीं बाहर जा रहे हैं तो ये उम्मीद छोड़ दीजिए कि कोई आपके ड्रेस की तारीफ नहीं करेगा, चाहे आपके कपड़े कितने भी अच्छे क्यों न हो। जूतों का सलेक्शन इवेंट के हिसाब से करें। अपने स्टाइल को हमेशा अच्छे शू कलेक्शन से अपग्रेड करते करें। इसके लिए आप ब्राउन या ब्लैक कलर की ड्रेस को ध्यान में रखते हुए शूज खरीद सकते हैं, जो किसी भी स्टाइल से आसानी से मैच हो जाते हैं। अगर आप कॉलेज ब्वाय हैं तो आप लोफर का चयन कर सकते हैं, वो जीन्स और ट्राउजर किसी के साथ भी काफी फबते हैं।

सिंप्लिफाइ योर लुक

जितना हो सके अपने लुक को सिंपल और एलिगेंट रखें। क्योंकि ज्यादा एक्सेसरीज आपको किसी रॉकस्टार या किसी बैंड वाले का लुक दे सकती हैं। तो अगर आप एक्सेसरी पहने के बारे में सोच भी रहे हैं तो कोशिश करें कि वह ज्यादा न हो और आपकी ड्रेस को ओवरपॉवर न करे।

फिटिंग का रखें ध्यान

ध्यान रखें कि जो भी आप पहनें वह आपके साइज का हो। खुले कपड़े पहनना आपको और मोटा दिखा सकता है। तो ऐसे स्लिम फिट शर्ट, सूट और टीशर्ट से परहेज नकरें। फिट कपड़े पहनें और अपने आप को फिट करने की कोशिश करें।

ब्रैंड पर ध्यान न दें

कपड़े लेते वक्त हर समय ब्रैंड पर ध्यान न दें। क्योंकि कई बार ब्रैंड्स में आपको अच्छे फैब्रिक नहीं मिलते। ऐसे में किसी शर्ट या ट्राउजर के लिए 5000 या 6000 रुपए खर्च करने की कोई जरूरत नहीं है हमेशा एक तरह के लुक में ना रहें। समय-समय पर अपने हेयर स्टाइल या ड्रेसिंग सेंस में बदलाव लाकर लुक को बदलने की कोशिश करें।

छोटी-छोटी चीजें

कई बार छोटे-छोटे स्कार्फ, ब्रेसलेट या पेंडेंट भी आपके लुक को और स्मार्ट बना देते हैं। ऐसे में इन चीजों को खरीदने के बारे में भी सोचें। क्योंकि वॉर्डरोब में हों तो कभी-कभी बड़े काम की होती हैं ये चीजें।

मौके का ध्यान रखें

कपड़ों का चुनाव हमेशा मौके के हिसाब से करें। कहीं जाने से पहले वॉर्डरोब खोलें और कपड़े निकालने से पहले सोचें कि आप इन कपड़ों को पहनकर कहां जाने वाले हैं। फैशन और लेटेस्ट स्टाइल टिप्स से अपडेटेड रहने के लिए फैशन मैग्जीन जरूर पढ़ें। मैग्जीन में आपको हर तरह के स्टाइल कैलेंडर से अपडेट करती हैं। इनसे आपको बड़े डिजाइनर्स और मॉडल्स के अनुभव के बारे में भी पता चलता है।

समय लें

कुछ भी पहनने से पहले टाइम लें और सोचें। हमेशा लड़कियां ही कपड़ें सलेक्ट करने में टाइम लेने के चलते बदनाम रहती हैं लेकिन यह आदत सही है। आप भी कपड़े पहनने से पहले सोचें और फिर कोई फैसला लें। तैयार होने के बाद अपने दोस्तों से फीडबैक जरूर लें। लेकिन ध्यान रहे कि आप केवल उन्हीं से पूछें जो आपको सही सलाह दें। कई बार दूसरों की राय लेकर भी हमें अपने में सुधार करने का मौका मिलता है।

उम्र के तीसवें पड़ाव से पहले...

हम सभी जीवन में कुछ चीजें तय करते हैं, और हम सभी की एक विश लिस्ट भी होती है जिसमें हम तय करते हैं कि हमें क्या क्या करना है , पर कुछ चीजें ऐसी भी होती हैं जो आपको करनी ही चाहिए चाहे विश लिस्ट में हो या नहीं ! और ये जरूरी नहीं कि यह टू डू लिस्ट जिंदगी भर के लिए हो, ऐज फैक्टर भी होना जरूरी है, आज हम आपको ऐसी ही बातों को बता रहे हैं जो आपको तीस साल की उम्र से पहले जरूर कर लेनी चाहिए।

एक विदेशी भाषा सीखें

आप इस पड़ाव से पहले कम से कम एक विदेशी भाषा जरूर सीखें, यह अंग्रेजी से अलग होनी चाहिए, इससे आपके व्यक्तित्व में एक अलग तरह का फैलाव आता है।

अकेले यात्राएं करें

इस उम्र तक आते आते आपको यह जरूर सीखना पड़ेगा कि बिना हमसफर के सफर कैसे करें। लंबी यात्राएं काफी उबाऊ होती हैं, और उस पर भी आप अकेले गए तो आपको खुद के साथ बिताने के लिए एक लंबा समय मिलता है, जो कि आपके जीवन के लिए काफी कुछ नया ला सकता है।

एक लंबी रोड ट्रिप करें

उम्र के तीसवें पड़ाव से पहले आपको एक लंबी दूरी की रोड ट्रिप जरूर आजमानी चाहिए। यह एक युवा का एडवेंचर होता है, इसके बाद तो बस तीर्थ यात्राएं रह जाती हैं।

रियल पर्सनालिटी

अब यह समय है कि आप अपनी स्टाइल को अपना लें, अभी तक हम सब पहनावे में प्रयोग करते आ रहे हैं, मगर अब जरूरी है किसी एक लुक को अपनी पहचान बनाने का। तो वह पहने जो आपकी रियल पर्सनालिटी हो, न कि वो जो कि दूसरों जैसा दिखने के लिए हो।

अपनी जड़ों को पहचानें

हम सबके लिए अपने अतीत और अपनी जीवन पद्धति को अपनाना जरुरी है, अब तक की उम्र हमें यह छूट देती थी कि या तो हम किसी भी जीवन शैली में ढालें या बदल जाएं, मगर अब जिम्मेदार होकर एक रास्ता चुनना आवश्यक है।

एक बार मैराथन जरूर दौड़े

यूं तो मैराथन में बच्चे बूढ़े सभी हिस्सा लेते हैं। मगर जो जीतने के लिए दौड़ते हैं वे युवा होते हैं, इसलिए तीस का होने से पहले एक बार मैराथन जीतने के लिए जरूर दौड़े।

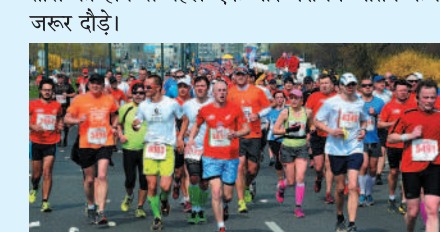

खाना खुद बनाना सीखें

यह एक जरुरी काम है, आप हमेशा अपने पार्टनर पर निर्भर न रहें। हर इंसान को अपना खाना खुद बनाना आना चाहिए अब आप किशोर और लड़के नहीं रहे अब आप वयस्क हो रहे हैं तो यह आपको सीखना चाहिए।

बचत करना सीखें

जीवन में आर्थिक रूप से सुरक्षित होने के लिए बचत करना सीखना ही होगा, और यह आपको 30 का होने से पहले शुरू करना होगा। आखिर में सबसे जरूरी बात इस उम्र से पहले आपको अपनी सभी इन्द्रियों और स्वयं की गारंटी लेनी होगी क्योंकि अब जो गलतियां होंगी उन्हें समाज अपराध ही मानेगा इसलिए मन को नियंत्रण में कर जिम्मेदार बनें।

वेडिंग सीजन का लेटेस्ट ब्राइडल फैशन

क्लासी लुक के साथ ही पाएं परंपरागत डिजाइन

इन दिनों शादियों का दौर चल रहा है। वेडिंग सीजन में पुराने अम्ब्रेला कट घाघरा व चोली बिलकुल आउट है। उनकी जगह ले ली है नए वेडिंग लुक ने। इन दिनों लहंगों की जगह ले ली है स्लीम लांग स्कर्ट्स ने, जिन्हें फिगर हगिंग लॉन्ग स्लीव्स ब्लाउजेस के साथ मैच किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ब्राइडल विअर में ड्रेपिंग भी इन है व इस वजह से साड़ी को लहंगों के साथ भी मिक्स एंड मैच किया जा रहा है। साड़ी गाउन भी काफी चलन में है। अगर आप भी भावी दुल्हन के लिए पोशाक चुनने बाजार का रुख कर रहे हैं तो जरा इन बातों पर भी ध्यान दे दीजिए। कह सकते हैं कि 21 सेंच्यूरी की ब्राइड्स का लुक अब इंटरनेशनल लुक व फील लिए हुए है और वेस्टर्न फैशन से भी काफी हद तक प्रभावित है। तो आज हम आपको बताएंगे कि क्या फैशन में है क्या नहीं।

नेट, वेलवेट भी फेवरेट लिस्ट में शामिल

लहंगों के फेब्रिक की बात करें तो उसमें भी ब्राइड्स की चॉइस केवल सिल्क तक लिमिटेड नहीं रही, बल्कि नेट, वेलवेट भी ब्राइड्स की फेवरेट लिस्ट में शामिल है। ब्लॉक प्रिंट, एम्ब्राइडरी आदि के साथ विभिन्न फेब्रिक्स और पैटर्न्स के साथ मिक्स एंड मैच करे हुए लहंगे चुनने में भी ब्राइड्स बिलकुल नहीं हिचकिचा रही। डिजाइनर साड़ियों की बात करें तो इनमें भी ज्यादा ध्यान ऑर्नेट ब्लाउजेस पर दिया जा रहा है। साड़ी हो या लहंगा, इनकी चोलियों की डिजाइनिंग को खास तवज्जो दी जा रही है। चोलियों की स्वील्स, बेक, फ्रंट, नेक सभी की डिटेलिंग पर खास ध्यान दिया जा रहा है। कुछ समय पहले तक जहां स्लीव्स को केप स्लीव्स रखा जाता था, वहीं अब इन्हें शॉर्ट, थ्री-क्वार्टर से लेकर लांग तक रखा जा रहा है।

जापानीज क्रेंस है चलन में

जो लोग थोड़ा हैवी लुक पसंद करते हैं वे चमक-दमक वाले विक्टोरियन गाउंस चुन सकते हैं। इन दिनों कारीगरी में जापानीज क्रेंस और चैरी ब्लॉसम्स बहुत चलन में है, जो लहंगे में चार-चांद लगा रहे हैं। इसके साथ थीम को मैच करते किमोनो स्टाइल के ब्लाउज भी खास चलन में हैं। ब्राइडल आउटफिट्स में होने वाली एम्ब्राइडरी अब थीम से इंस्पायर्ड हो गई है। परशियन कारपेट्स, रोज, क्रिस्टल्स, चैरी ब्लॉसम्स जैसी थीम्स बहुत 'इन' है।

संपादकीय

युवाओं का 'नया इंकलाब'

यह 'नया इंकलाब' है, नए युग और नई पीढ़ी का 'इंकलाब' है। यदि ये युवा और छात्र संसद भवन के करीब जा सकते हैं अथवा रांची में विधानसभा की दहलीज पर जाकर बैठ सकते हैं और कुछ युवा विधानसभा भवन के परिसर तक पहुंच सकते हैं, तो ऐ सत्ताधीशो! सावधान, सचेत, सतर्क हो जाओ। यह पीढ़ी कहीं तक भी घुस सकती है! किसी भी सत्ता की चूलें हिला सकती है! कोई अप्रत्याशित घटना सामने आ सकती है! आप चुने हुए मुख्यमंत्री हो या मंत्री अथवा विधायक-सांसद हो, जनता ने ही आपको चुना है, जनता के ही नए प्रतिनिधि आपका निर्वाचन खारिज कर आपको 'सत्ता' से बेदखल कर सकते हैं! झारखंड की राजधानी रांची के युवा, छात्र आंदोलन ने साबित कर दिया है कि कंटीली तारों वाले बैरिकेड्स भी इस पीढ़ी के उग्र कदमों को रोकने में असमर्थ हैं। उन पर पानी की तेज, मोटी बौछार करो, तो ये युवा शैंपो के साथ नहाने लगते हैं, 'होली' का आनंद लूटने लगते हैं, मस्ती में नाचने लगते हैं। पुलिस का खौफ और आंसू गैस के गोलों की चुभन, दहशत और चोट की आशंकाएं सब कुछ 'हवा' हो रहा है। इस पीढ़ी को पुलिसिया लाठियां झेलने का अभ्यास हो गया है। अब एक लाठी शरीर पर पड़ती है, तो ये युवा 'जन गण मन' गाने लगते हैं, लेकिन रांची की जेन जी ने यह भी साबित कर दिया है कि वे 'वर्दी' का सम्मान करेंगे, पुलिसवालों को घेर कर नहीं पीटेंगे, उनके सिरों पर जानलेवा हमले नहीं करेंगे। हालांकि कुछ जूते-चप्पल और पानी की बोतलें रांची आंदोलन में भी पुलिसियों की ओर उछाली गईं। अलबत्ता दिल्ली के जंतर-मंतर और रांची के छात्र आंदोलन में यही बुनियादी, व्यावहारिक और मानसिक फर्क है। रांची के छात्र, युवा आंदोलन की खूबसूरती यह रही है कि जेन जी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन या किसी भी मंत्री का इस्तीफा नहीं मांगा। एक ही बुनियादी मांग है कि झारखंड लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग में जिस तरह नौकरियों का बाजार सजा है, सरकारी पदों की बाकायदा रेटलिस्ट मौजूद, घोषित है, उसके मद्देनजर सीबीआई जांच कराई जाए। हालांकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने खुद संज्ञान लेकर इस बाजार और आर्थिक लूटमारी की जांच करना तय किया है। नतीजतन दलालों और भ्रष्टाचारी चेहरों के बैंक खातों, अर्जित आय, लाखों-करोड़ों के लेन-देन, खरीद-फरोख्त के तमाम काले सच सामने आ सकते हैं! शायद मुख्यमंत्री सोरेन इन केंद्रीय जांच एजेंसियों की रणनीति जानते हैं, वह कुछ माह जेल में बिता चुके हैं, लेकिन आंदोलन के मद्देनजर सोरेन सरकार की राजनीतिक प्रतिष्ठा दांव पर है। सरकार के 'इकबाल' और उसकी न्यायशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। मुख्यमंत्री खुद शिक्षा मंत्री भी हैं, लिहाजा क्या वह सीबीआई जांच में बेनकाब होने से डर रहे हैं? नौकरियों के बाजार में 20 लाख से 1 करोड़ रुपए तक की जो रेटलिस्ट सार्वजनिक हुई है, मुख्यमंत्री उस पर स्पष्टीकरण अथवा खंडन जारी क्यों नहीं कर रहे? एक चुनाव जीत कर और मुख्यमंत्री बनकर कोई 'राजा-महाराजा' नहीं बन सकता और जनता को 'कीड़े-मकौड़े' समझने की गलती नहीं कर सकता। इस आंदोलित पीढ़ी ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को देश छोड़ कर भागने को विवश किया है। बेशक भारत में ऐसे उदाहरण नहीं हैं, लेकिन अब देश के विभिन्न हिस्सों में उग्र और गुस्सैल युवा पीढ़ी के आंदोलनों की खबरें आ रही हैं। कल भारत में भी, कुछ भी, अप्रत्याशित और अनहोनी घटनाएं सामने आ सकती हैं। क्या इन हालात को नजरअंदाज किया जा सकता है। रांची में युवा, छात्र सरकार के फैसलों को सतही, दिखावा मान रहे हैं, तो खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आंदोलनकारी युवाओं के पास क्यों नहीं चले जाते? अहंकार किस बात का है। आवास और सिंहासन 'अस्थायी' हैं। विधानसभा भवन तक के मार्च में बिहार, बंगाल से लाए गए भाजपा कार्यकर्ता भी शामिल थे, ऐसे उथले, कुतर्की बयानों से युवाओं का यह 'इंकलाब' अब शांत नहीं किया जा सकता। ये सभी देश के नागरिक और बच्चे हैं, लिहाजा उन्हें दुत्कारा नहीं जा सकता। बेरोजगारी ऐसा विकराल मुद्दा है कि युवा, छात्र इंसाफ हासिल करने को कुछ भी करने की नौबत तक बढ़ सकते हैं। मुख्यमंत्री सोरेन और जिन राज्यों में ऐसे 'इंकलाब' दपदपा रहे हैं, वे होश में आएं और इस जेन जी को न्याय देने की सार्थक कोशिशें करें। युवाओं की मांगों को संबोधित किया जाना चाहिए, यही देश के हित में होगा।

यह पीढ़ी कहीं तक भी घुस सकती है! किसी भी सत्ता की चूलें हिला सकती है! कोई अप्रत्याशित घटना सामने आ सकती है! आप चुने हुए मुख्यमंत्री हो या मंत्री अथवा विधायक-सांसद हो, जनता ने ही आपको चुना है, जनता के ही नए प्रतिनिधि आपका निर्वाचन खारिज कर आपको 'सत्ता' से बेदखल कर सकते हैं! झारखंड की राजधानी रांची के युवा, छात्र आंदोलन ने साबित कर दिया है कि कंटीली तारों वाले बैरिकेड्स भी इस पीढ़ी के उग्र कदमों को रोकने में असमर्थ हैं। उन पर पानी की तेज, मोटी बौछार करो, तो ये युवा शैंपो के साथ नहाने लगते हैं, 'होली' का आनंद लूटने लगते हैं, मस्ती में नाचने लगते हैं। पुलिस का खौफ और आंसू गैस के गोलों की चुभन, दहशत और चोट की आशंकाएं सब कुछ 'हवा' हो रहा है। इस पीढ़ी को पुलिसिया लाठियां झेलने का अभ्यास हो गया है। अब एक लाठी शरीर पर पड़ती है, तो ये युवा 'जन गण मन' गाने लगते हैं, लेकिन रांची की जेन जी ने यह भी साबित कर दिया है कि वे 'वर्दी' का सम्मान करेंगे, पुलिसवालों को घेर कर नहीं पीटेंगे, उनके सिरों पर जानलेवा हमले नहीं करेंगे।

फुटपाथ में गड्ढा है और लोग कहते हैं, सावधान रहें

गड्ढों, खुले मैनहोल और टूटी सड़कों के बीच जीवन – नागरिक कब सुरक्षित होंगे?

मृत्यु कब, कहाँ और कैसे आएगी, यह अज्ञात है। हमारे जीवन में, जो सामान्य सी बात लगती है, वैसे ही कई ऐसे खतरे बढ़ते जा रहे हैं जो असाधारण प्रतीत होते हैं। सड़कों पर अनगिनत गड्ढे हैं, सड़कें और गलियाँ उबड़-खाबड़ हैं, नालियाँ खुली नहीं हैं, सीवर के मैनहोल खुले नहीं हैं, कई जगहों पर सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हैं। कुछ इलाकों में स्कूलों की छतें बच्चों पर गिर जाती हैं, तो कुछ इलाकों में अस्पतालों की छतें या स्लैब मरीजों और कर्मचारियों पर गिर जाते हैं। स्कूल बसें पलट जाती हैं, सड़क के विपरीत दिशा से आ रही गाड़ियाँ अचानक मुड़ जाती हैं और गली बच्चों के लिए मौत का जाल बन जाती है, जानवर गली में इधर-उधर घूमते रहते हैं और बुजुर्ग राहगीरों को परेशान करते हैं, और भारी बारिश के बाद बच्चे एक आम सड़क पर फंस जाते हैं और वह मौत का इलाका बन जाती है। रोहतक में लगभग छह इंच बारिश के बाद जलभराव में डूबने से आठ साल के बच्चे की मौत ने एक बार फिर एक चिंताजनक सवाल खड़ा कर दिया हैः एक नागरिक के जीवन का क्या मूल्य है? मानसून का मौसम साल में एक बार आता है। हर साल शहरों में जलभराव होता है। जल निकासी और सीवरेज व्यवस्था, नालियां और सड़कें हर साल समस्या बनी रहती हैं। अधिकारी कहते हैं कि वे तैयार हैं और हर साल सुधार किए जाते हैं। हालांकि, कुछ ही घंटों की बारिश इन दावों की सच्चाई को उजागर करने के लिए काफी होती है, क्योंकि प्रशासन प्रबंधन में विफल रहता है और बारिश का पानी सड़कों पर बह जाता है। यह सिर्फ एक बच्चे की मौत का मामला नहीं है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जहां रोकी जा सकने वाली त्रासदी को अक्सर एक दुर्घटना, एक महज़ संयोग, भाग्य मानकर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है, और दोष कहीं और डाल दिया जाता है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जहां रोकी जा सकने वाली त्रासदी को अक्सर यह एक दुर्घटना थी, यह हमारी गलती नहीं थी, या हम और क्या कर सकते थे? कहकर टाल दिया जाता है। नागरिक बुनियादी ढांचे की विफलता मात्र ही नहीं है, बल्कि यह जिस तरह से विफल हो रहा है वह बेहद चिंताजनक है। बदलाव यह आया है कि नागरिक अब विफलता को स्वाभाविक मान चुके हैं। सड़क में गड्ढा है और लोग कहते हैं कि यह हमेशा से यहीं था। फुटपाथ में गड्ढा है और लोग कहते हैं, सावधान रहें। जलभराव है और लोग कहते हैं, बारिश के बाद ऐसा ही होता है। मवेशी सड़क पर भटक रहे हैं और लोग कहते हैं, कोई क्या कर सकता है? स्कूल की इमारत स्पष्ट रूप से असुरक्षित है और लोग सोचते हैं कि अधिकारियों को इस पर ध्यान देना चाहिए। यह एक सरकारी अस्पताल है जिसकी हालत खराब है और लोग कहते हैं, सरकारी अस्पतालों का यही हाल होता है। यह रवैया खतरनाक है क्योंकि यह सामान्य बात और जीवनशैली बन जाता है। यदि नागरिक जोखिम को अपने जीवन का सामान्य हिस्सा

स्कूल बसें पलट जाती हैं, सड़क के विपरीत दिशा से आ रही गाड़ियाँ अचानक मुड़ जाती हैं और गली बच्चों के लिए मौत का जाल बन जाती है, जानवर गली में इधर-उधर घूमते रहते हैं और बुजुर्ग राहगीरों को परेशान करते हैं, और भारी बारिश के बाद बच्चे एक आम सड़क पर फंस जाते हैं और वह मौत का इलाका बन जाती है। रोहतक में लगभग छह इंच बारिश के बाद जलभराव में डूबने से आठ साल के बच्चे की मौत ने एक बार फिर एक चिंताजनक सवाल खड़ा कर दिया है : एक नागरिक के जीवन का क्या मूल्य है? मानसून का मौसम साल में एक बार आता है। हर साल शहरों में जलभराव होता है। जल निकासी और सीवरेज व्यवस्था, नालियां और सड़कें हर साल समस्या बनी रहती हैं। अधिकारी कहते हैं कि वे तैयार हैं और हर साल सुधार किए जाते हैं। हालांकि, कुछ ही घंटों की बारिश इन दावों की सच्चाई को उजागर करने के लिए काफी होती है, क्योंकि प्रशासन प्रबंधन में विफल रहता है और बारिश का पानी सड़कों पर बह जाता है।

मानने लगें, तो प्रशासन पर सुधार का दबाव भी कम हो जाता है। हमें किसी भी रोकी जा सकने वाली त्रासदी को दुर्घटना मानकर बंद करना होगा। जब कई महीनों से सड़क पर मौजूद गड्ढे के कारण लोगों की मृत्यु हो जाती है, तो सवाल सिर्फ यह नहीं उठता कि क्या हुआ, बल्कि यह भी उठता है कि सड़क पर खतरा क्यों बना रहा? यदि अधिकारियों को खुले मैनहोल की जानकारी है और वे उसे सुरक्षित करने के लिए कदम नहीं उठाते हैं, और कोई बच्चा गड्ढे में गिर जाता है, तो इसे दुर्भाग्य कहना उचित नहीं होगा। स्कूल भवन का अनावश्यक रूप से गिर जाना सिर्फ एक बुरी घटना नहीं मानी जानी चाहिए। यह बात अस्पताल की सुरक्षा, स्कूल बसों की स्थिति, पुलों के रखरखाव, जल निकासी व्यवस्था और सड़क की गुणवत्ता के साथ-साथ स्कूलों में आवारा पशुओं के नियंत्रण पर भी लागू होती है। ये प्रशासनिक मामले नहीं हैं, बल्कि ये जन सुरक्षा और लोगों के जीवन से जुड़े मामले हैं। लेकिन हमारे सार्वजनिक विमर्श की त्रासदी यह है कि हम बार-बार इन वास्तविक प्रश्नों से मुंह मोड़ लेते हैं। धार्मिक संदर्भ वाला कोई भी बयान समाज में आक्रोश पैदा कर सकता है। इसका परिणाम हजारों सोशल मीडिया पोस्ट, घंटों टीवी स्टूडियो बहस और राजनीतिक बयानबाजी के रूप में सामने आता है। आहत भावनाओं, पहचान और राष्ट्रीय सम्मान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होती है। हालांकि, ऐसे बच्चे की मौत के लिए जवाबदेही को लेकर जनता का निरंतर आक्रोश गायब है। क्यों? क्या धार्मिक विवाद होने पर एक आम आदमी के जीवन का महत्व कम हो जाता है? क्या खुले सीवर में बच्चे का डूबना स्थानीय खबर है? क्या किसी असुरक्षित सड़क पर किसान, मजदूर, बुजुर्ग या छात्र की मौत महज़ दुर्भाग्य की बात है? क्या ऐसा लगता है कि सरकार से जवाब मांगने के मामले में देश को चुनौती देना उनकी मांगों का जवाब देने के लिए मजबूर कर रहा है? बिलकुल नहीं। सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है। लोग कर अदा करते हैं और सुरक्षित सड़कें, स्वच्छ शहर, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा, सुरक्षित स्कूल, प्रभावी परिवहन और बुनियादी नागरिक अवसंरचना की अपेक्षा रखते हैं। ये विलासिता नहीं हैं। ये गरिमापूर्ण जीवन के लिए आवश्यक मूलभूत कारक हैं। देशभक्ति सरकार की किसी भी गलती को छुपाने का बहाना नहीं है। राष्ट्रवाद का अर्थ यह नहीं है कि देश की कमियों को उजागर करने वाले सभी लोगों को राष्ट्र-विरोधी करार दिया जाए। एक जिम्मेदार नागरिक वह है जो देश की प्रगति देखना चाहता है और इसलिए कठिन प्रश्न उठाता है। टूटी हुई सड़क की मरम्मत की मांग न करना राष्ट्र-विरोधी नहीं है। असुरक्षित स्कूल को सुरक्षित बनाने की मांग करना राष्ट्र का अपमान नहीं है। अस्पताल की सुरक्षा पर सवाल न उठाना व्यवस्था विरोधी नहीं है। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही की कोई भी आलोचना विदेशी साजिश का सबूत नहीं है। दुर्भाग्य से, नागरिक मामलों से जुड़े गंभीर मुद्दे राजनीतिक खेमों में बँटते जा रहे हैं। सरकार की प्रशंसा को देशभक्ति कहा जाता है और किसी भी आलोचना को विपक्ष या नकारात्मक आवाज़ करार दिया जाता है। नकारात्मकता लोकतंत्र के लिए खतरा है क्योंकि इससे आलोचना और जवाबदेही की कमी पैदा होती है, जो सुशासन के लिए आवश्यक तत्व हैं। मीडिया की भी इसमें बड़ी भूमिका है। यह केवल सफलताओं का जश्न मनाने का मंच नहीं है, बल्कि इसे उन क्षेत्रों की भी पड़ताल करनी चाहिए जिनमें सरकारी कुप्रबंधन के कारण आम नागरिक पीड़ित हैं। हम सभी जानते हैं कि टेलीविजन चैनल राजनीतिक बहसों पर कितना समय देते हैं, वे सड़क सुरक्षा, जल निकासी व्यवस्था की विफलता, स्कूल के बुनियादी ढांचे, अस्पताल भवनों और नागरिक सेवाओं जैसी अन्य चीजों पर भी सार्थक समय दे सकते हैं। किसी शहर का असली स्वरूप विज्ञापनों या आधिकारिक बयानों में नहीं दिखता। बारिश होने पर यह उसकी सड़कों पर नज़र आता है। केवल भवन निर्माण ही विकास नहीं है। रखरखाव भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सड़क निर्माण ही पर्याप्त नहीं है; सड़क की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। पुल का निर्माण ही काफी नहीं है; नियमित निरीक्षण भी जरूरी है। नाली का निर्माण महत्वपूर्ण है, लेकिन उसकी सफाई और सुरक्षा भी आवश्यक है। स्कूलों का निर्माण ही पर्याप्त नहीं है; स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा भी जरूरी है। हम दुर्घटनाओं को पूरी तरह से रोक नहीं सकते, लेकिन लापरवाही के कारण होने वाली कई त्रासदियों को टाला जा सकता है। इसके लिए जवाबदेही तय करना जरूरी है। सड़क की मरम्मत आखिरी बार कब हुई थी? गड्ढा कब बना था? मैनहोल खुला क्यों था? जल निकासी व्यवस्था में खराबी का क्या कारण था।

देश दुनिया से

वन अधिकार कानून को कमजोर करने के प्रयास

भारतवर्ष में वन हमेशा आदिवासी समुदायों और कृषि-पशुपालन-दस्तकारी व्यवसाय से जुड़े समाजों के लिए आजीविका के आधार रहे हैं, जिसमें चरागाह भूमियों का भी महत्वपूर्ण स्थान रहा है, जिसे चरागाह दख्तान, चरागाह बिला दख्तान, गोचर भूमि आदि नामों से जाना जाता था। अंग्रेजों ने जब 1860 के आसपास वन भूमियों पर कब्जा करके वनों को वन विभाग के हवाले करने का कार्य आरंभ किया, तब वनों का चरित्र और प्रबन्धन पूरी तरह से बदल गया। अब वनों का मालिक वन विभाग हो गया और स्थानीय समुदाय कुछ सीमित स्तर के बरतनदार मात्र बना दिए गए, जिन्हें वन विभाग की दया पर निर्भर कर दिया गया। आदिवासी इलाकों में इस स्थिति के खिलाफ कई आंदोलन और लड़ाइयां हुईं, किन्तु अन्ततोगत्वा ब्रिटिश वन प्रबन्धन का युग शुरू हुआ जिसमें वन विभाग का लक्ष्य वनों के व्यापार से अधिक से अधिक कमाई करके ब्रिटिश सरकार के हवाले करना था। इस वजह से वनों के स्वरूप को भी बदलने का काम शुरू हुआ। मिश्रित बहुउपयोगी वनों को एकल प्रजाति के व्यापारिक प्रजाति के वनों में बदला जाने लगा जिससे स्थनीय समाजों की वनों पर आधारित आजीविकाएं नष्ट होती चली गईं। यह क्रम चिपको आन्दोलन द्वारा इस व्यापारिक वन प्रबन्धन के खिलाफ 70-80 के दशक में किए गए लंबे संघर्ष तक आजादी के बाद भी जारी रहा। हालांकि 1986 की वन नीति के बाद से वन रोपण नीतियों में बदलाव आने लगा, किन्तु आदिवासियों और अन्य वन निर्भर समुदायों को डेढ़ सदी तक हुई हानि को देखते हुए 2006 में वन अधिकार कानून बना कर इस ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने का प्रयास हुआ, जिसके अनुसार वन भूमि में खेती करने वाले आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों को खेती योग्य भूमि कानूनी तौर पर उन्हें देने, वनों में उनके बरतनदारी अधिकारों को कानूनी अधिकार में बदलने और बरतनदारी वन क्षेत्रों को इन समुदायों को अपनी जरूरतों के अनुसार प्रबंधित करने के प्रावधान किए गए। इस कानून को विशेष कानून का दर्जा दिया गया, ताकि यह अन्य सभी वन कानूनों की परवाह किए बिना लागू किया जा सके। वन भूमि पर इस तरह समुदायों के बढ़ते दखल और अधिकारों के मद्देनजर वन विभाग शुरू से ही इसके विरोध में बना रहा। इसी खतरे को भांपते हुए इस कानून को लागू करने की जिम्मेदारी आदिवासी या जनजातीय मंत्रालय को सौंपी गई। अन्य प्रशासनिक स्तरों के परोक्ष विरोध और राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में 2008 में अधिसूचित हो जाने के बावजूद यह कानून कछुआ चाल से ही लागू किया जा रहा है। धीरे धीरे वन अधिकार कानून के अंतर्गत बनाई गई ग्राम सभाओं की शक्तियां जिला स्तरीय अनुश्रवण समितियों को सामुदायिक वन प्रबंधन में व्यापक भूमिका देकर कम की जा रही हैं। सामुदायिक वनों पर सामूहिक स्वामित्व आधारित व्यवस्था को सांझे वन प्रबंधन की दिशा में मोड़ा जा रहा है। सांझा वन प्रबन्धन अपनी सीमाओं के चलते कोई प्रभावी सफलता दिखाने में पहले ही असफल हो चुका है, क्योंकि उसमें समुदाय की भूमिका नाममात्र की थी। जब तक समुदाय को यह विश्वास नहीं हो जाता कि यह वन हमारा है और हमें मिलकर इसकी रक्षा और संवर्धन करना है और इसके लाभ भी प्राप्त करने हैं, तब तक समुदाय को सक्रिय प्रबंधक नहीं बनाया जा सकता। इसी कमी को वन अधिकार कानून ध्यान में रखता है और अधिकार आधारित व्यवस्था बनाता है। 27 जुलाई 2026 को पर्यावरण और वन मंत्रालय और आदिवासी मंत्रालय का एक सांझा पत्र जारी किया गया है, जिसमें सांझा वन प्रबंधन की बात की गई है और 2023 के वर्किंग प्लान कोड के अनुसार सामुदायिक वनों के प्रबंधन की कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया गया है, और वन विभाग के सहयोग से यह योजना बनाई जाएगी। जाहिर है कि इसमें समुदायों की बात तो हाशिए पर ही रहेगी। यह कोड इतना पेचीदा है कि कोई भी सामुदायिक वन प्रबंधन समिति इस आधार पर योजना बना ही नहीं सकती है। गोचर भूमियों के बारे में तो कोई स्पष्ट जिक्र तक इस कोड में नहीं है। लोगों की नजर में वन विभाग की भूमिका हमेशा अधिकार हड़पने की रही है तो इस प्रक्रिया में उनका विश्वास करना थोड़ा कठिन हो रहा है। जैसे अन्य विभागों में होता है कि जमीन तो लोगों की है, कृषि विभाग उसमें जरूरी सहयोग करता है, उद्योग तो उद्योपति का है, उद्योग विभाग उसमें जरूरी आर्थिक सुविधाएं और सहयोग देता है, इसी तरह सामुदायिक वन जो वन अधिकार कानून के तहत समुदाय को दिया गया उसका मालिक तो समुदाय है, वन विभाग को उसमें केवल जरूरत पडने पर मांगा गया सहयोग देने तक सीमित रखना चाहिए। तभी अधिकार आधारित व्यवस्था कायम हो सकेगी। हालांकि इस पूरी व्यवस्था को वन अधिकार कानून की धारणा के अनुसार विकसित होने में कुछ समय लगेगा। इसमें, करते हुए सीखने, की प्रक्रिया को अपनाना होगा। किन्तु सबसे जरूरी बात जो ध्यान में रखनी होगी, वह है कि कहीं भी समुदाय को यह नहीं लगना चाहिए कि हमारी स्थिति इस व्यवस्था में भी बाहरी तमाशाई से ज्यादा नहीं है। इसे वन अधिकार कानून की आत्मा पर ही आघात लगेगा और वांछित प्रतिफल भी प्राप्त नहीं हो सकेगा।

आप का नज़रिया

बरसाती परिवहन की चौकसी

बरसात के महीनों में भयभीत हिमाचल। खोखली पहाडियां, संकरे रास्ते, परिवहन के निरंकुश इरादे और सडक़ों पर बढ़ता दबाव दुर्घटनाओं के आंकड़ों में मातम की व्यथा बन जाता है। इस बार चुराह दुर्घटना ने पूरे परिदृश्य को सोचने पर विवश किया है, तो पहाड़ से गिरती चट्टानों ने पूरे प्रदेश में मकबरे सजा दिए हैं। पत्थरों की बरसात ने परिवहन को जोखिम भरा बना दिया है। सडक़ दुर्घटनाओं में पर्यटक दुर्घटनाएं शामिल कर लें, तो बरसात के पंजे खतरनाक साबित हो रहे हैं। चुराह में वाहनों का संचालन सडक़ों की स्थिति की शिकायत करता है, लेकिन जीवन की आवश्यकताएं और सियासत की फरमाइश में नक्शे अक्सर नहीं देखे जाते। प्रदेश की आरंभिक बरसात ने डेढ़ सौ के करीब रास्ते बंद रखे हैं, तो अंदरूनी घाटियों के सफर की कहानी मुश्किल है। पर्यटक या धार्मिक स्थलों में कितना पर्यटन-कितना जोखिम मोल लेने का साहस। विडंबना यह है कि पर्यटक स्थलों की सडक़ें टूटी अवस्था में वाहनों के भारी दबाव कब तक सहेंगी। इतना ही नहीं, सडक़ों के किनारे जल निकासी का इंतजाम जहां नहीं है, वहां काल बह रहा है या रास्तों को विकराल बना रहा है। किन्नौर-कैलाश यात्रा या आगे मणिमहेश के दर्शनों की बारात जब निकलेगी तो सडक़ पर पहिए खूंखार हो सकते हैं। ऐसे में बरसात में कितनी यात्रा, कितना सफर जरूरी, इसके ऊपर मंथन करना होगा। हिमाचल में तीर्थ यात्राओं का माध्यम बन रहे दोपहिया वाहन, परिवहन नियमों का सीधा उल्लंघन हैं। अभी जो तीर्थ यात्री प्रदेश में प्रवेश कर रहे हैं, उनके सुरक्षा के इंतजाम इतने नर्म क्यों कि लोग बिना हेल्मेट, ऊंचे झंडे तथा म्युजिक सिस्टम के साथ रास्तों पर निरंकुश दौड़ रहे हैं। ऐसे में बरसाती परिवहन की चौकसी मुकर्रर करते हुए वाहन चालकों को खतरे के खिलाड़ी बनने से रोकना होगा। पर्यटन और परिवहन के रिश्तों में सुरक्षित मानदंड अपनाने की निगरानी जरूरी है, जबकि सडक़ों का ऑडिट सुनिश्चित करना होगा। धर्मशाला से मकलोडगंज के तमाम रास्ते अगर खंडहर हैं, तो डेस्टिनेशन टूरिस्ट के जीवन से खेलने की छूट क्यों। कुछ इसी तरह फोरलेन निर्माण की साइट्स पर अंधे कदम फरिश्ते नहीं हो सकते। बावजूद इसके कि सडक़ें चौड़ी हो रही हैं और फोरलेन निर्माण चल रहा है, हिमाचल की सडक़ों पर मौत का आखेट भी चल रहा है। ऊना के पीरनिगाह तक अगर श्रद्धालू ट्रैक्टर ट्रॉली में आएंगे, तो यह कौनसी अनुमति जो सरेआम दुर्घटना का पुलिंदा बन जाती है। ऐसे में परिवहन खास तौर पर बरसाती परिवहन में भागते-दौड़ते मंजर को संयमित करने की जरूरत है, जबकि बाहर से आ रहे श्रद्धालुओं को परिवहन के मानकों तथा कायदे-कानून के तहत चलना सिखाना पड़ेगा। सडक़ निर्माण की वर्तमान तकनीक खतरे बढ़ा रही है या लापरवाही बढ़ रही है। दुर्घटनाओं में मानवीय चूक सब पर भारी पड़ती है, लेकिन सडक़ों की देखभाल तथा उच्च मानदंडों के अनुरूप रखरखाव में आ रही कमी के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। बहुत सारे बस रूट अगर जोखिम में चल रहे हैं, तो उन्हें बंद कर देना होगा। प्रदेश सरकार को पर्यटक एवं धार्मिक स्थलों में ग्रीन टैक्स लगा कर परिवहन और पार्किंग की दिशा में नए प्रयत्न करने चाहिएं। मसलन धर्मशाला से मकलोडगंज की ओर ग्रीन टैक्स लगाया जाए, तो इस आय से सडक़ निर्माण के मानदंड ऊंचे होंगे तथा पार्किंग सुविधा में विकास होगा। बीड़ से बिलिंग ग्रीन टैक्स से सडक़ को पूरी तरह विकसित किया जा सकता है। बरसाती दिक्कतों से रूबरू हिमाचल को अधोसंरचना में गुणवत्ता के नए पहलू जोडऩे चाहिएं, मसलन पर्वतीय अंचल की सडक़ों को एलिवेटिड रोड की परिभाषा में सशक्त किया जा सकता है।

पत्थरों की बरसात ने परिवहन को जोखिम भरा बना दिया है। सडक़ दुर्घटनाओं में पर्यटक दुर्घटनाएं शामिल कर लें, तो बरसात के पंजे खतरनाक साबित हो रहे हैं। चुराह में वाहनों का संचालन सडक़ों की स्थिति की शिकायत करता है, लेकिन जीवन की आवश्यकताएं और सियासत की फरमाइश में नक्शे अक्सर नहीं देखे जाते। प्रदेश की आरंभिक बरसात ने डेढ़ सौ के करीब रास्ते बंद रखे हैं, तो अंदरूनी घाटियों के सफर की कहानी मुश्किल है। पर्यटक या धार्मिक स्थलों में कितना पर्यटन-कितना जोखिम मोल लेने का साहस। विडंबना यह है कि पर्यटक स्थलों की सडक़ें टूटी अवस्था में वाहनों के भारी दबाव कब तक सहेंगी। इतना ही नहीं, सडक़ों के किनारे जल निकासी का इंतजाम जहां नहीं है, वहां काल बह रहा है या रास्तों को विकराल बना रहा है। किन्नौर-कैलाश यात्रा या आगे मणिमहेश के दर्शनों की बारात जब निकलेगी तो सडक़ पर पहिए खूंखार हो सकते हैं। ऐसे में बरसात में कितनी यात्रा, कितना सफर जरूरी, इसके ऊपर मंथन करना होगा। हिमाचल में तीर्थ यात्राओं का माध्यम बन रहे दोपहिया वाहन, परिवहन नियमों का सीधा उल्लंघन हैं। अभी जो तीर्थ यात्री प्रदेश में प्रवेश कर रहे हैं, उनके सुरक्षा के इंतजाम इतने नर्म क्यों कि लोग बिना हेल्मेट, ऊंचे झंडे तथा म्युजिक सिस्टम के साथ रास्तों पर निरंकुश दौड़ रहे हैं। ऐसे में बरसाती परिवहन की चौकसी मुकर्रर करते हुए वाहन चालकों को खतरे के खिलाड़ी बनने से रोकना होगा। पर्यटन और परिवहन के रिश्तों में सुरक्षित मानदंड अपनाने की निगरानी जरूरी है, जबकि सडक़ों का ऑडिट सुनिश्चित करना होगा।

कुछ अलग

जीवन को समझने का अर्थ है उसके साथ संवाद

तर्क ने मनुष्य को अंधविश्वासों से लड़ना सिखाया, प्रकृति के रहस्यों को समझने का साहस व विवेक दिया तथा विज्ञान, गणित एवं दर्शन की महान परंपराओं को जन्म दिया और विकसित किया। किंतु, जब मनुष्य यह मान बैठता है कि तर्क ही संपूर्ण सत्य है, तब वह जीवन के एक बड़े हिस्से की अनदेखी कर देता है। जीवन किसी गणितीय समीकरण की तरह नहीं है, जहां हर सवाल का एक निश्चित जवाब मौजूद हो। जीवन तो एक कविता की तरह है, जिसमें अर्थ शब्दों के बीच के मौन में भी छिपा होता है। यदि आप केवल तर्क से जीवन को पढ़ेंगे, तो आपको उसका व्याकरण तो मिल जाएगा, पर उसकी धड़कन नहीं मिल पाएगी। तर्क हमें बताता है कि फूल कैसे खिलता है, लेकिन वह यह नहीं बता सकता कि एक खिला हुआ फूल देखकर हृदय क्यों भर आता है। विज्ञान प्रकाश की तरंग-लंबाई के बारे में तो समझा सकता है, पर सूर्यास्त की सुंदरता का अनुभव नहीं दे सकता। मनुष्य का जीवन तर्क, भावना, कल्पना, स्मृति और मौन का मिलाजुला संगीत है। यदि इनमें से किसी एक को ही सत्य घोषित कर दिया जाए, तो संगीत टूट जाता है। भारत की यात्रा करते हुए मैंने देखा कि यहां लोग मौन को भी संवाद मानते हैं। एक साधु घंटों बिना कुछ बोले बैठ सकता है और फिर भी उसके आसपास मौजूद लोग अनुभव करते हैं कि उनसे कुछ कहा गया है। तर्क मनुष्य को दिशा देता है, किंतु अनुभव उसे गहराई देता है। दिशा बिना गहराई के मनुष्य को यांत्रिक बना देती है, गहराई बिना दिशा के उसे भटका सकती है। जीवन का सौंदर्य इन दोनों के संतुलन में ही है। हम नश्वर हैं, फिर भी अमरता का स्वप्न देखते हैं। हम अकेले जन्म लेते हैं, फिर भी संबंधों के बिना जी नहीं सकते।

दृष्टि कोण

बुजुर्ग मां-बाप को बोझ न समझें युवा

बुजुर्गों खास तौर पर मां-बाप के प्रति संवेदनहीनता की एक घटना सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है और लोग इसे बच्चों और मां-बाप के रिश्तों में आती कड़वाहट और आधुनिक समाज की संवेदनहीनता के उदाहरण के रूप में देख रहे हैं। यह मामला हरियाणा के सोनीपत में स्थित एक वृद्धाश्रम से जुड़ा है जहां शिवचरण गुप्ता नाम के एक बुजुर्ग की मृत्यु के बाद उनकी बेटियों ने आने के बजाय 5100 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर वीडियो कॉल पर अंतिम संस्कार देखने को कहा। कारोबार में करोड़ो के घाटे के बाद, शिवचरण गुप्ता करीब डेढ़ साल से अपनी पत्नी के साथ सोनीपत के एक वृद्धाश्रम में रह रहे थे। बुजुर्ग की तीन बेटियां हैं। पिता के निधन के बाद जब वृद्धाश्रम संचालकों ने उनसे संपर्क किया, तो वे अंतिम विदाई के लिए खुद नहीं आईं। इस असंवेदनशील व्यवहार से आहत होकर वृद्धाश्रम प्रबंधन ने बेटियों द्वारा भेजे गए 5100 रुपए को वापस लौटा दिया और खुद अपने खर्च पर बुजुर्ग का सम्मानजनक अंतिम संस्कार संपन्न कराया। आखिर समाज में ऐसा क्यों हो रहा है? यह एक कड़वा सामाजिक सच है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कुछ लोग वृद्ध माता-पिता को बोझ मानने लगे हैं, लेकिन नैतिक, मानवीय और सांस्कृतिक रूप से यह पूरी तरह गलत है। आज की युवा पीढ़ी पर अपने बच्चों और करियर का इतना दबाव होता है कि वे बुजुर्गों को समय नहीं दे पाते। कई बार बच्चों में नैतिक मूल्यों और बड़ों के प्रति आदर की कमी हो जाती है। मां-बाप ने बिना किसी स्वार्थ के हमें चलना, बोलना और जीना सिखाया है। जब माता-पिता को सबसे ज्यादा प्यार और सहारे की जरूरत होती है, तब उनका साथ देना हर संतान का पहला धर्म होना चाहिए। माता-पिता बोझ नहीं, बल्कि घर की छांव और अनुभव की पूंजी होते हैं। जब बच्चे अपने माता-पिता को बोझ समझने लगते हैं, तो यह उस रिश्ते की पवित्रता पर एक गहरा आघात है। बढ़ता एकल परिवार, महिलाओं द्वारा धन अर्जन में प्रत्यक्ष भागीदारी, अच्छे संस्कारों का अभाव, बुजुर्गों द्वारा अपने जीवनकाल में अपने स्वास्थ्य से अधिक दूसरे कार्यों को महत्व देना, बुजुर्गों द्वारा अपने यौवनकाल में अपने बुजुर्गों की खुशी से समुचित देखभाल न करना, भौतिक उपलब्धियों को ही एकमात्र जीवन में सफलता समझना, दोहरे मापदंड, हर क्षेत्र में सफलता पाने के लिए अत्यधिक प्रतियोगिता होना, असंतुष्ट मानव स्वभाव हमारी संस्कृति पर आघात है। आज के बच्चे तर्क देते हुए कहते हैं कि घर चलाने के लिए धन कमाने के काम में लंबा समय व्यतीत करने के बाद इतनी ऊर्जा नहीं रहती कि घर की दूसरी जिम्मेदारियों को भी खुशी से पूरा किया जाए। माता-पिता हर मुश्किल के बीच अपनी संतान को बहुत प्यार से पालते हैं, जबकि आज की संतान ऐसा खुशी से नहीं कर पाती। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि 21वीं सदी में सामाजिक रिश्ते काफी दबाव से गुजर रहे हैं। लेकिन निराशाजनक बात यह है कि माता-पिता और बच्चे का पवित्र रिश्ता उथल-पुथल का शिकार हो गया है और आज कई बच्चे अपने बूढ़े माता-पिता को बोझ समझते हैं। बच्चों के लिए उनके माता-पिता आर्थिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टि से बोझ बन जाते हैं। आज के बच्चे बेहद कैरियर उन्मुख लोग हैं। वे अपने कार्यालयों में या क्लबों और सामाजिक समारोहों के माध्यम से व्यावसायिक संबंध बनाए रखने में बहुत समय बिताते हैं। बाजार में मौजूद गलाकाट प्रतिस्पर्धा को देखते हुए आज की कार्य संस्कृति अत्यधिक मांग वाली है। यह तनाव उन्हें अपने जीवनसाथी या बच्चों पर ध्यान केंद्रित करने नहीं देता। अपने माता-पिता की बढ़ती उम्र की समस्याओं के कारण, बच्चे अपने कंधों पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां महसूस करते हैं। इस पीढ़ी के बच्चों के साथ एक और बड़ी समस्या यह भी है कि वे अपनी सफलता को बढ़ावा देते हैं और खुद को अपनी स्थिति का निर्माता मानते हैं।

मान्ट्रियल ओपन : बेन शेल्टन का शानदार प्रदर्शन जारी, बिना सेट गंवाए सेमीफाइनल में पहुंचे

मान्ट्रियल

गत चैंपियन अमेरिका के बेन शेल्टन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कनाडा ओपन टेनिस टूर्नामेंट (मान्ट्रियल ओपन) के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के याकुब मेन्सिक को लगातार सेटों में 6-3, 6-1 से हराया।

23 वर्षीय शेल्टन ने इस साल के कनाडाई एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार चौथी जीत दर्ज की और चारों मुकाबलों में एक भी सेट नहीं गंवाया है।

मेन्सिक के खिलाफ शेल्टन ने 18 विनर्स लगाए और सिर्फ तीन अनफोर्स्ड एरर किए। उन्होंने अपनी पहली सर्विस पर 89 प्रतिशत अंक जीते। मुकाबले में उन्हें एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा।

शेल्टन ने मैच के दौरान 147 मील प्रति घंटे की रफ्तार से सर्विस भी की

जीत के बाद शेल्टन ने कहा, यह शानदार लगा। मैं अपनी रिटर्न गेम से बहुत खुश था। ग्राउंड से जिस तरह मैंने पहले अंक से खेला, मैं इसी स्तर का प्रदर्शन करना चाहता हूं। पूरे मैच के दौरान मैं जिस स्तर को बनाए रखने में सफल रहा, उससे मैं बेहद खुश हूं। उम्मीद है कि सेमीफाइनल में भी इस प्रदर्शन को आगे बढ़ा पाऊंगा।

लर्नर टीएन से होगी भिड़ंत

मान्ट्रियल टूर्नामेंट के ड्रा में बचे एकमात्र शीर्ष-10 खिलाड़ी शेल्टन का सेमीफाइनल में अमेरिका के 12वीं वरीयता प्राप्त लर्नर टीएन से मुकाबला होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक दो मुकाबले हुए हैं और दोनों में टीएन ने जीत दर्ज की है। इस साल इंडियन वेल्स के दूसरे दौर में भी टीएन ने शेल्टन को हराया था।

टीएन ने क्वार्टर फाइनल में डेनियल मेरिडा को 6-3, 6-2 से हराकर पहली बार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। 20 वर्षीय टीएन ने यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट में अपने नाम किया।

टीएन ने इस साल आस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल खेला था। इसके बाद इंडियन वेल्स में पहली बार मास्टर्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचे और जेनेवा में अपने करियर का पहला क्ले कोर्ट खिताब भी जीता।

शेल्टन के खिलाफ मुकाबले को लेकर टीएन ने कहा, बेन चाहे किसी भी स्थिति में हों, वह अच्छी सर्विस करेंगे। वह बेसलाइन से तेज शाट लगाएंगे। इस समय वह काफी आत्मविश्वास के साथ खेल रहे हैं। मैंने उन्हें पहले खेलते हुए देखा और वह बहुत, बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

डीपीएल : सार्थक और वैभव के शानदार अर्धशतकों से नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दर्ज की शानदार जीत

नई दिल्ली। सार्थक रंजन और वैभव कंडपाल की शानदार पारियों की बदौलत नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में वेस्ट दिल्ली लायंस को आठ विकेट से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने 147 रन का लक्ष्य महज दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। टास के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की टीम नार्थ दिल्ली के गेंदबाजों की अनुशासित गेंदबाजी के सामने 20 ओवर में 146/7 रन ही बना सकी। लायंस ने शुरुआती विकेट के लिए 36 रन जोड़े, लेकिन अंकित कुमार के 10 गेंदों पर 10 रन बनाकर आउट होने के बाद टीम का मध्यक्रम लड़खड़ा गया। नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने लगातार विकेट चटकाते हुए वेस्ट दिल्ली का स्कोर 59/5 कर दिया। इसके बाद मयंक गुसाईं और सोमबीर श्योकंद ने छठे विकेट के लिए 68 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को संभाला। श्योकंद ने 24 गेंदों पर 34 रन बनाए, जबकि गुसाईं 28 गेंदों पर 42 रन बनाकर नाबाद रहे। नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से मयंक डागर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 14 रन देकर दो विकेट हासिल किए। सार्थक और वैभव ने आसान बनाया लक्ष्य 147 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने धमाकेदार शुरुआत की। कप्तान सार्थक रंजन और वैभव कंडपाल ने पहले विकेट के लिए 106 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को जीत की राह पर डाल दिया।

कनाडा ओपनः नाओमी ओसाका को हराकर एलेना रायबाकिना सेमीफाइनल में

मान्ट्रियल। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी कजाखस्तान की एलेना रायबाकिना ने शानदार

वापसी करते हुए जापान की नाओमी ओसाका को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 7-6 (5), 6-4 से हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। ओसाका ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और रायबाकिना की मैच की पहली ही सर्विस गेम में ब्रेक हासिल कर लिया। अगले गेम में रायबाकिना के पास वापसी का मौका था, लेकिन ओसाका ने तीन ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए अपनी सर्विस बरकरार रखी। इसके बाद रायबाकिना पूरे सेट में एक भी ब्रेक प्वाइंट हासिल नहीं कर सकीं और ओसाका ने पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। रायबाकिना ने दूसरे सेट में अपनी लय हासिल की। हालांकि वह शुरुआती तीन सर्विस गेम में से दो में अपनी सर्विस गंवा बैठीं, लेकिन आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने भी दो बार ओसाका की सर्विस तोड़ी और मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। रायबाकिना ने टाईब्रेक 7-5 से जीतकर मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंचा दिया। तीसरे सेट में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। रायबाकिना जब 2-3 से पीछे थीं और उनकी सर्विस पर तीन ब्रेक प्वाइंट थे, तब उन्होंने शानदार धैर्य दिखाया। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने कुल चार ब्रेक प्वाइंट बचाकर अपनी सर्विस कायम रखी और मुकाबले की दिशा बदल दी।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में बीडब्यूएफ विश्व चैम्पिशिप की तैयारियों से उत्साहित हैं सिंधु

नई दिल्ली। यहां 17 से 23 अगस्त तक होने वाले विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप (बीडब्यूएफ) की तैयारियां जोरों

पर हैं। इस चैम्पियनशिप को लेकर स्टार खिलाड़ी पी वी सिंधु भी उत्साहित हैं। सिंधु ने उम्मीद जताई कि इस टूर्नामेंट में शामिल होने वाले सभी खिलाड़ी भारत की विशेष मेहमाननवाजी का अनुभव भी करेंगे। इस चैम्पियनशिप के लिए नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम को नया रुप दिया जा रहा है। देश में 17 साल बाद ये चैंपियनशिप होगी। इसलिए इस टूर्नामेंट को लेकर प्रशंसकों में भी खासा उत्साह है। हालांकि, इसी स्टेडियम में इस साल जनवरी में इंडिया ओपन के दौरान खिलाड़ियों ने सुविधाओं और परिस्थितियों को लेकर सवाल उठाए थे। इस बार प्रयास किये जा रहे हैं कि ऐसी कोई समस्या सामने न आये। यहां तक की बंदरों को दूर रखने के लिए भी पक्के इंतजाम किये जा रहे है। टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी का मुकाबला पहले दौर में मौजूदा चैंपियन और टाप सीड चीन के शी यूकी से होगा। यह मुकाबला भारतीय प्रशंसकों के लिए टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक शुरुआती मैचों में से एक हो सकता है।

हर घर तिरंगा रैली में बोले खेल मंत्री, फिटनेस के साथ प्रदूषण और ट्रैफिक का भी समाधान है साइकिल

नई दिल्ली

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने दिल्ली में हर घर तिरंगा साइकिल रैली का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना न केवल फिटनेस को बढ़ावा देता है, बल्कि प्रदूषण और यातायात जैसी समस्याओं से निपटने में भी मददगार हो सकता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय से आयोजित इस रैली में 1,000 से अधिक मायभारत स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया।

रैली के दौरान पत्रकारों से बातचीत में डा. मांडविया ने कहा, दिल्ली में 1,000 से अधिक मायभारत स्वयंसेवकों ने हर घर तिरंगा साइकिल रैली के माध्यम से देश को फिटनेस का संदेश दिया है। किसी भी देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि देश के नागरिक स्वस्थ रहें।

उन्होंने साइकिल चलाने के व्यापक लाभों पर जोर देते हुए कहा, साइकिल फिटनेस का संदेश है, साइकिल प्रदूषण का समाधान है और साइकिल यातायात की समस्या का भी समाधान है।

स्वतंत्रता दिवस के आसपास आयोजित कार्यक्रमों के तहत डा. मांडविया ने मायभारत स्वयंसेवकों के साथ हर घर तिरंगा रैली में भी हिस्सा लिया।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्राओं और तिरंगा रैलियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की थी। उन्होंने इसे भारत की सामूहिक शक्ति का प्रतीक बताते हुए विकसित भारत के निर्माण के संकल्प से जोड़ने का आह्वान किया।

अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया हर घर तिरंगा अभियान हमारे राष्ट्र की सामूहिक शक्ति का प्रतिबिंब है। यह हमें विकसित भारत के निर्माण के संकल्प में एकजुट करता है। इस वर्ष यह अभियान वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर से जुड़ा है, जिससे हर देशभक्त के लिए इसका महत्व और बढ़ गया है।

उन्होंने नागरिकों से तिरंगा यात्राओं, तिरंगा रैलियों और सामूहिक रूप से वंदे मातरम् के गायन में भाग लेने के साथ घरों पर तिरंगा फहराने और हर घर तिरंगा वेबसाइट पर तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड करने की अपील की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 अगस्त को नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के सामूहिक संकल्प को दोहराने का आह्वान किया था।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि तिरंगा देश का गौरव और प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतर प्रेरणा है।

उन्होंने इस वर्ष के अभियान को वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को समर्पित किए जाने पर भी खुशी जताई थी। 2022 में शुरू हुआ था हर घर तिरंगा अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के तहत वर्ष 2022 में शुरू हुआ हर घर तिरंगा अभियान अब हर स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय परंपरा बन चुका है। इसके तहत करोड़ों नागरिक स्वेच्छा से अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं।

इस वर्ष अभियान का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि यह वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के साथ आयोजित किया जा रहा है।

देशभर में हर घर तिरंगा कार्यक्रमों के दौरान वंदे मातरम् का सामूहिक गायन भी प्रमुख हिस्सा होगा।

नागरिकों को राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की सही धुन और प्रस्तुति सीखने में मदद के लिए संस्कृति मंत्रालय ने पांच चरणों वाला आनलाइन ट्यूटोरियल तैयार किया है। यह ट्यूटोरियल समर्पित वेबसाइट और हर घर तिरंगा पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाएगा।

इस वर्ष तिरंगे के साथ सेल्फी लेने की सुविधा में वंदे मातरम् के बोल और उसकी धुन को भी शामिल किया जाएगा। इसके अलावा हर घर तिरंगा प्रदर्शनियों में राष्ट्रगीत के इतिहास को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

राटरडैम डाकर्स की जर्सी लान्च, जोंटी रोड्स और जान अब्राहम ने किया अनावरण

मुंबई

यूरोप में क्रिकेट को नई पहचान देने की तैयारी कर रही यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के उद्घाटन सत्र से पहले राटरडैम डाकर्स ने अपनी आधिकारिक जर्सी लान्च कर दी है। मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में टीम के सह-मालिक और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स, अभिनेता एवं सह-मालिक जान अब्राहम और फ्रेंचाइजी के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक मधुकर श्री की मौजूदगी में जर्सी का अनावरण किया गया।

इस अवसर पर फ्रेंचाइजी ने फायरफ्लाइज डाट एआई को अपना आधिकारिक जर्सी पार्टनर बनाने की घोषणा भी की। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ कृष्ण रमीनेनी राटरडैम डाकर्स के फाउंडिंग इन्वेस्टर के रूप में भी टीम से जुड़ गए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य क्रिकेट, तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बीच तालमेल को बढ़ावा देना है।

जोंटी रोड्स ने कहा कि राटरडैम यूरोप का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है और डाकर्स की कोशिश यूरोप में क्रिकेट के विकास के लिए मजबूत आधार तैयार करने की होगी। उन्होंने खास तौर पर नीदरलैंड्स सहित यूरोप के युवा क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर

फायरफ्लाइज डाट एआई बनी आधिकारिक जर्सी पार्टनर

के खिलाड़ियों के साथ खेलने और सीखने का अवसर देने की बात कही।

जान अब्राहम ने कहा कि ईटीपीएल के जरिए नीदरलैंड्स, आयरलैंड और स्काटलैंड में जमीनी स्तर पर क्रिकेट प्रतिभाओं को विकसित करने का अवसर मिलेगा। उनका मानना है कि इस लीग से क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाने की दिशा में मदद मिल सकती है।

राटरडैम डाकर्स ईटीपीएल के उद्घाटन मुकाबले में 26 अगस्त को वूरबर्ग में एम्स्टर्डम फ्लेम्स के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। टीम के सह-मालिकों में जोंटी रोड्स, जान अब्राहम और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस शामिल हैं। डु प्लेसिस टीम की अगुवाई करेंगे।

टीम में हेनरिक क्लासेन, एनरिक नार्खिया, लोगान वैन बीक और रोएलोफ वैन डर मर्वे जैसे अनुभवी टी20 खिलाड़ी भी शामिल हैं। इनके साथ नीदरलैंड्स के उभरते क्रिकेटरों को भी टीम में जगह दी गई है।

रोनाल्डो ने गर्लफ्रेंड जार्जीना से शादी रचायी

लिस्बन। पुर्तगाल के कप्तान और स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 11 साल साथ रहने के बाद अपनी गर्लफ्रेंड जार्जीना रोड्रिगेज से शादी रचायी है। रोनाल्डो और जार्जीना ने अपनी शादी की जानकारी सोशल मीडिया के जरिये दी है। इस रोमांटिक जोड़े ने पुर्तगाल के कासकैस में एक निजी समारोह आयोजित कर शादी की रस्मे निभाई। ठीक एक साल पहले 11 अगस्त 2025 को ही दोनों की सगायी हुई थी। इस यादगार अवसर पर उनके परिवार के करीबी सदस्यों के साथ ही उनके बच्चे भी उपस्थित थे। रोनाल्डो और जार्जीना ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की तस्वीरें साझा की हैं, उनमें उनके बाएं हाथ की उंगलियों में अंगूठियां साफ दिखाई दे रही हैं। इस समारोह की कोई अन्य तस्वीर या वीडियो अब तक सामने नहीं आये हैं। इस दंपत्ति के शादी से पहले ही पांच बच्चे हुए हैं। इनके नाम क्रिस्टियानो जूनियर, जुड़वां बच्चे ईवा और माटेओ, अलाना मार्टिना और बेला एस्मेरल्डा आदि हैं। रोनाल्डो खेल के बाद अपनी पत्नी और बच्चों के ही साथ समय बिताते हैं। जब भी उन्हें खेल से फुर्सत मिलती है, वह अधिकतर उनके साथ ही छुट्टियां बिताने जाते हैं और क्वालिटी टाइम बिताते हैं। यह जोड़ा सोशल मीडिया पर भी परिवार से जुड़ी जानकारी साझा करते है।

औरैया के लाल आर्यन सिंह राजावत ने नेपाल में जीता गोल्ड

अब थाईलैंड में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व, 27 से 31 अगस्त तक बैंकाक में होगी चैंपियनशिप

औरैया

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के अजीतमल क्षेत्र के ग्राम मुड़ैना रूपशाह निवासी 15 वर्षीय युवा फुटबाल खिलाड़ी आर्यन सिंह राजावत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। नेपाल में आयोजित इंडो-नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप-2082 की अंडर-18 फुटबाल प्रतियोगिता में आर्यन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

आर्यन, अजीत सिंह राजावत एवं अंजू सिंह के पुत्र हैं। नेपाल में शानदार प्रदर्शन के बाद अब उनका चयन थाईलैंड चैंपियनशिप-2026 के लिए हुआ है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में आर्यन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। चैंपियनशिप का आयोजन 27 से 31 अगस्त 2026 तक बैंकाक में किया जाएगा। आर्यन अब भारत की जर्सी में मैदान पर उतरकर देश के लिए पदक जीतने के लक्ष्य के साथ तैयारी में जुटे हैं।

आर्यन की इस सफलता में उनके प्रशिक्षक राकेश सरसैया के मार्गदर्शन के साथ मां कंकेश्वरी स्पोर्ट्स, इंदौर का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। परिवार की ओर से उनकी बहन वांशिका लगातार उनका उत्साह बढ़ा रही हैं। परिजनों का सहयोग और प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन आर्यन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रहा है।

नेपाल में गोल्ड मेडल जीतने के बाद आर्यन के थाईलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व करने की खबर से परिवार, गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने आर्यन की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नेपाल में गोल्ड के बाद अब बैंकाक में तिरंगा लहराने की तैयारी है। आर्यन की उपलब्धि न केवल औरैया बल्कि क्षेत्र के उन युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा बनी है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने का सपना देख रहे हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए आस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन घोषित, हेजलवुड की वापसी

डार्विन

आस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की टीम में वापसी हुई है, जबकि स्काट बोलैंड को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। इसके साथ ही आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी की तिकड़ी पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और हेजलवुड एक बार फिर साथ नजर आएगी।

आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टेस्ट की पूर्व संध्या पर पुष्टि की कि बोलैंड पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। हेजलवुड करीब आठ महीने बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। स्पिन गेंदबाज नाथन लियोन भी टीम में लौटे हैं। हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह एशेज के अंतिम चरण में नहीं खेल पाए थे। आलराउंडर कैमरन ग्रीन ने अपनी जगह बरकरार रखी है और उनके साथ ब्यू वेबस्टर भी टीम में शामिल हैं।

आस्ट्रेलिया ने लगातार दो तेज गेंदबाजी आलराउंडरों के साथ उतरने का फैसला किया है।

बोलैंड ने पिछली गर्मियों में एशेज श्रृंखला के सभी पांच टेस्ट खेले थे। उस दौरान कमिंस, हेजलवुड और लियोन के अलग-अलग समय पर उपलब्ध नहीं रहने के कारण उन्होंने आस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, आने वाले व्यस्त कार्यक्रम में बोलैंड आस्ट्रेलिया की योजनाओं का अहम हिस्सा बने रहेंगे। अगले 12 महीनों में आस्ट्रेलिया के 21 टेस्ट तक खेलने की संभावना है।

आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला 13 से 17 अगस्त तक डार्विन के मरारा स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 22 से 26 अगस्त तक मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में होगा। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र का हिस्सा है। अंक तालिका में आस्ट्रेलिया दूसरे और बांग्लादेश चौथे स्थान पर है।

आस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन

जेक वेदराल्ड, ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, ब्यू वेबस्टर, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन और जोश हेजलवुड।

बांग्लादेश की टीम

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान) , मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजिद हसन तमीम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, लिटन दास, अमीट हसन, जाकेर अली, तैजुल इस्लाम, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, एबादत हुसैन चौधरी और मुशफिक हसन।

आईसीएमआर-एनआईएन में 'शाइन 2026' का आयोजन, 2100 स्कूली बच्चों ने लिया भाग

वैज्ञानिक जिज्ञासा, पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की दिशा में अनूठी पहल

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद द्वारा स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, नवाचार की भावना तथा स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विज्ञान एवं स्वास्थ्य नवाचार – भावी पीढ़ी के अन्वेषकों 'शाइन 2026' कार्यक्रम का आयोजन 11 एवं 12 अगस्त 2026 को किया गया।

दो दिवसीय जनसंपर्क एवं जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली बच्चों को विज्ञान, पोषण और जनस्वास्थ्य की रोचक एवं ज्ञानवर्धक दुनिया से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन आईसीएमआर-एनआईएन की निदेशक डॉ. भारती कुलकर्णी ने वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों, शिक्षकों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों की उपस्थिति में किया।

आईसीएमआर-एनआईएन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में 19 विद्यालयों के लगभग 1700 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें लगभग आधे विद्यार्थी सरकारी विद्यालयों से थे, जो वंचित समुदायों एवं हैदराबाद के बाहरी क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों से आए थे। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पोषण अनुसंधान संस्थान का भ्रमण करने तथा प्रत्यक्ष संवाद, प्रदर्शनियों और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान को समझने का अवसर मिला।

इसके अतिरिक्त, 400 स्कूली बच्चों ने आईसीएमआर-एनआईएन से संबद्ध आदर्श ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयों जनमपेट, महबूबनगर, तेलंगाना तथा चंद्रगिरि, आंध्र प्रदेशमें आयोजित 'शाइन' गतिविधियों में भाग लिया। इस प्रकार कार्यक्रम की वैज्ञानिक पहुंच हैदराबाद स्थित संस्थान परिसर से आगे बढ़कर ग्रामीण एवं स्थानीय समुदायों तक भी पहुंची। 'शाइन' आईसीएमआर की एक पहल है, जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करना, नवाचार की भावना विकसित करना तथा स्वास्थ्य, पोषण एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। व्यावहारिक प्रदर्शनों एवं संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर मिला कि वैज्ञानिक अनुसंधान स्वास्थ्य एवं कल्याण से जुड़ी वास्तविक जीवन की चुनौतियों के समाधान में किस प्रकार महत्वपूर्ण योगदान देता है।उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईसीएमआर-एनआईएन की निदेशक डॉ. भारती कुलकर्णी ने बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से ही विज्ञान एवं अनुसंधान से परिचित कराने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि 'शाइन' जैसे संवादात्मक कार्यक्रम बच्चों में जिज्ञासा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में प्रमाण-आधारित सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक प्रश्न पूछने, नए विचारों का अन्वेषण करने तथा सामाजिक चुनौतियों के समाधान खोजने के माध्यम के रूप में विज्ञान को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के संयोजक, वैज्ञानिक 'जी' एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सुब्बाराव एम. गवरवरपु ने बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की संवादात्मक प्रदर्शनियां, वैज्ञानिक प्रदर्शन एवं व्यावहारिक गतिविधियां शामिल की गई हैं, जिन्हें युवा विद्यार्थियों के लिए विज्ञान को रोचक, सरल एवं सुलभ बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में पोषण संबंधी खेल, आहार सर्वेक्षण, खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान के लिए घरेलू तकनीकों का प्रदर्शन, कार्य शरीरक्रियाविज्ञान संबंधी प्रदर्शन, मासिक धर्म जागरूकता, एनीमिया जांच, मोबाइल प्रयोगशाला तथा खाद्य रसायन विज्ञान संबंधी विश्लेषण शामिल रहे।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। 'शाइन 2026' विज्ञान, स्वास्थ्य, पोषण एवं व्यावहारिक शिक्षण को एक साथ जोड़कर युवा विद्यार्थियों में प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति, वैज्ञानिक प्रमाणों की समझ तथा समुदायों के स्वास्थ्य एवं कल्याण में अनुसंधान की भूमिका के प्रति जागरूकता विकसित करने का प्रयास कर रहा है।

'शाइन' के माध्यम से आईसीएमआर-एनआईएन समाज के विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षिक वर्गों से आने वाले बच्चों तक विज्ञान को सुलभ बनाने, भावी पीढ़ी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने तथा वैज्ञानिक संस्थानों, विद्यालयों और समाज के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने की अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

विश्व मंगल गौशाला में हरियाली अमावस्या महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

गौभक्तों ने की गौसेवा, भोजन प्रसादी एवं हरी घास की सेवा में बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेडचल स्थित सोमाराम विलेज की विश्व मंगल गौशाला में हरियाली अमावस्या महोत्सव बड़े ही धूमधाम एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गौभक्तों ने उपस्थित होकर गौसेवा की तथा विभिन्न सेवाओं में अपना सहयोग प्रदान किया।

महोत्सव के अवसर पर भोजन प्रसादी के लाभार्थियों में दीपाराम सीरवी, धनलक्ष्मी हार्डवेयर; नारायणलाल सीरवी, पवन हार्डवेयर; देवाराम सीरवी, पूजा किराना; राजू भाई माली, रामदेव एम्पोरियम; अमराराम सीरवी, तुलसी फैब्रिक; दलाराम सीरवी, माताजी टेक्सटाइल; चंपालाल सीरवी, महादेव टेक्सटाइल; मोहनलाल सीरवी, मां लक्ष्मी टैक्सटाइल्स; गोविंद कुमावत, भाग्यलक्ष्मी मोबाइल; राकेश वैष्णव, कृष्णा फैंसी, कलाकल; प्रकाश सीरवी; वींजाराम जाट, चौधरी ज्वेलर्स; प्रजाय; दिनेश, विजयलक्ष्मी किराना स्टोर; महेंद्र एवं सुनील कुमावत, कृष्णा किराना; संदीप भाई, अयप्पा किराना स्टोर; पमाराम सीरवी, हरिओम ग्लास; डावर एवं सुरेश सीरवी, सूर्य ग्लास एंड प्लाईवुड शामिल रहे।

इसी प्रकार अमराराम सीरवी, गजानंद किराना; अमराराम सीरवी, आई माता किराना; बुद्धाराम कुमावत, रामदेव इलेक्ट्रिक; जगमालाराम चौधरी, राजेश्वर मोबाइल; मदनलाल चौधरी, महालक्ष्मी फुटवियर; अमराराम एवं भेराराम सीरवी, माताजी इलेक्ट्रिकल; रमेश एवं प्रकाश, जगदंबा टेक्सटाइल; उदय भास्कर तथा ए.एम.आर. गार्डन, कोमपल्ली ने भी भोजन प्रसादी सेवा में सहयोग प्रदान किया।

हरी घास के लाभार्थियों में धनराज सीरवी, गंदी मैसम्मा दुर्गा सैनिटेशन; ढली देवी, धर्मपत्नी स्वर्गीय मोट सिंह, कनाजीगुड़ा; कोमल कुमावत, कोमपल्ली; आईदानराम सुथार, सुचित्रा तथा भीमराज सुथार, सामराऊ शामिल रहे।कार्यक्रम के दौरान महिला भजन मंडली, कोमपल्ली एवं महिला भजन मंडली, मूलगू द्वारा भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिससे गौशाला परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया।

इस अवसर पर लुंबाराम, सांवलराम, महेंद्र सिंह, भाजपा युवा नेता हनुमंत धनवा, जबराराम, भंवरलाल, देवाराम सीरवी, कल्याण सिंह, दिनेश, पुखराज सीरवी, दोल-राम, बाबूलाल, गणेश सहित अनेक गौभक्त उपस्थित रहे।गौशाला के अध्यक्ष टी.वी. सुरेश, सचिव शांतिलाल सुथार, संगीता सीरवी एवं समस्त गौभक्तों ने कार्यक्रम में पधारे सभी गौभक्तों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से गौसेवा कर हरियाली अमावस्या महोत्सव को श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया।

बोनालू महोत्सव: सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सफल आयोजन पर निदेशक का किया गया सम्मान

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाल ही में संपन्न हुए बोनालू महोत्सव के अवसर पर विभिन्न मंदिरों में राज्य भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का आयोजन मंदिर समितियों के अनुरोध पर किया गया था। इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद व्यक्त करने हेतु एस.पी. क्रांति कुमार ने बुधवार को संस्कृति विभाग के कार्यालय में भाषा एवं संस्कृति विभाग के निदेशक डॉ. एनुगू नरसिम्हा रेड्डी, आईएएस से औपचारिक (शिष्टाचार) मुलाकात की।

इस अवसर पर एस.पी. क्रांति कुमार ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बेहतरीन आयोजन के लिए निदेशक का आभार व्यक्त किया और उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

2 तेलंगाना बटालियन एनसीसी द्वारा हर घर तिरंगा अभियान आयोजित

सिकंदराबाद ग्रुप की 2 तेलंगाना बटालियन एनसीसी ने त्रिमूलगेरी में चलाया अभियान

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद ग्रुप, 2 तेलंगाना बटालियन एनसीसी, तिरुमलगिरी ने 12 अगस्त 2026 को वार्ड नंबर 07, त्रिमूलगेरी में हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया।

अभियान के अंतर्गत एनसीसी पीआई स्टाफ, एएनओ तथा कैडेट्स ने कार्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय निवासियों से बातचीत की और उन्हें हर घर तिरंगा आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कैडेट्स ने राष्ट्रीय ध्वज को गर्व के साथ फहराने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाई तथा लोगों को देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना का उत्सव मनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह कार्यक्रम कमांडिंग ऑफिसर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कुल 83 एनसीसी कार्मिकों ने इस गतिविधि में भाग लिया, जिसमें 12 पीआई स्टाफ, 02 एएनओ तथा 83 कैडेट्स शामिल थे। यह कार्यक्रम आसपास के समुदाय में जागरूकता पैदा करने तथा देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान के संदेश को मजबूत करने में सफल रहा।

सिखवाल ब्राह्मण समाज अमरावती के नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत-सम्मान

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल ब्राह्मण समाज, अमरावती के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रामेश्वरजी उपाध्याय के पदभार ग्रहण करने के पश्चात प्रथम बार नगरागमन पर सिखवाल प्रगति समाज के श्रृंग ऋष्य भवन, फीलखाना में आत्मीय स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समाजबंधुओं ने श्री रामेश्वरजी उपाध्याय का पुष्पहार पहनाकर एवं सम्मानपूर्वक अभिनंदन करते हुए उनके नवीन दायित्व के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। समाजजनों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में अमरावती क्षेत्र में सिखवाल ब्राह्मण समाज संगठनात्मक एकता, सामाजिक समरसता एवं समाजहित के कार्यों में नई दिशा प्राप्त करेगा।स्वागत-सम्मान समारोह में वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री रामदेव नागला, भामाशाह श्री मोतीलाल तिवारी, श्री बृजेश तड़बा, पूर्व सहमंत्री श्री रामदेव व्यास, नागौर पट्टी क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री अनिल जायलवाल, श्री चंपालाल ओझा एवं श्री सुरेश कुमार व्यास 'जानम' सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित समाजबंधुओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रामेश्वरजी उपाध्याय को उनके सफल कार्यकाल एवं समाजसेवा के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सेवा और संस्कारों से मिलता है समाज को संबल : अर्चना शास्त्री

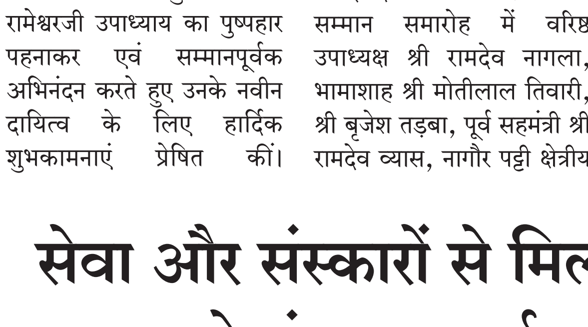

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य में अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए अर्चना शास्त्री ने कहा कि सेवा और संस्कारों की भावना से ही समाज को मजबूती मिलती है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद अपने सामाजिक दायित्व को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभा रहा है। ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं और लोगों को मानव सेवा के लिए आगे आने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल, प्रवीण विजयवर्गीय, अर्चना शास्त्री एवं रेनू शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संसदीय...

ऐसे में यह जानना जरूरी है कि किसी भी उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव किस प्रकार लाया जाता है।

न्यायाधीश के खिलाफ कैसे लाया जाता है महाभियोग प्रस्ताव?

आमतौर पर उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को पद से हटाने की प्रक्रिया को महाभियोग कहा जाता है। हालांकि, संविधान में न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया के लिए सीधे तौर पर 'महाभियोग' शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है। फिर भी सामान्य बोलचाल में इसे महाभियोग की प्रक्रिया कहा जाता है।

संविधान के अनुच्छेद 124 में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया का उल्लेख है। वहीं, अनुच्छेद 218 के माध्यम से उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाने के लिए भी इसी प्रकार की प्रक्रिया लागू होती है।

पहला चरण : प्रस्ताव पेश करने की प्रक्रिया

अनुच्छेद 124 में दिए गए प्रावधानों के तहत उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश के खिलाफ हटाने का प्रस्ताव लोकसभा अथवा राज्यसभा, किसी भी सदन में पेश किया जा सकता है।

लोकसभा में प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 100 सदस्यों के हस्ताक्षर आवश्यक होते हैं। इसके बाद प्रस्ताव लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। वहीं, राज्यसभा में प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 50 सदस्यों के हस्ताक्षर आवश्यक होते हैं और इसे सभापति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।

इस प्रस्ताव में संबंधित न्यायाधीश के खिलाफ लगाए गए आरोपों का स्पष्ट उल्लेख किया जाता है।

दूसरा चरण : तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन

यदि लोकसभा अध्यक्ष अथवा राज्यसभा के सभापति प्रस्ताव को स्वीकार कर लेते हैं, तो आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की जाती है।

इस समिति में उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश, किसी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा एक प्रतिष्ठित कानूनविद को शामिल किया जाता है। जांच समिति न्यायाधीश पर लगाए गए आरोपों की विस्तार से जांच करती है।

यदि जांच में आरोपों की पुष्टि होती है, तो आरोपों की प्रति संबंधित न्यायाधीश को भी भेजी जाती है, ताकि उन्हें अपने बचाव में अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिल सके।

तीसरा चरण : आरोपों पर सुनवाई और बहस

जांच के दौरान आरोपी न्यायाधीश के खिलाफ एक अधिवक्ता भी नियुक्त किया जाता है, जबकि बचाव पक्ष की ओर से भी अधिवक्ता उपस्थित रहते हैं। आरोपों को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस होती है।

जांच समिति अपनी जांच पूरी करने के बाद रिपोर्ट उस सदन के लोकसभा अध्यक्ष अथवा राज्यसभा सभापति को सौंपती है, जहां प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था।

चौथा चरण : संसद के दोनों सदनों में मतदान

इसके बाद जांच रिपोर्ट को सदन के समक्ष रखा जाता है। सदन के सदस्य इस पर अपनी-अपनी राय रखते हैं और विस्तृत बहस होती है।

न्यायाधीश को पद से हटाने के प्रस्ताव पर संसद के दोनों सदनों में विचार किया जाता है और इसे दोनों सदनों से पारित होना आवश्यक होता है।

प्रस्ताव को पारित करने के लिए संबंधित सदन की कुल सदस्य संख्या का बहुमत तथा उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों में से कम से कम दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन आवश्यक होता है।

अंतिम चरण : राष्ट्रपति द्वारा पद से हटाने का आदेश

जब किसी न्यायाधीश को हटाने का प्रस्ताव संसद के दोनों सदनों से आवश्यक बहुमत के साथ पारित हो जाता है, तो इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है।इसके बाद राष्ट्रपति संबंधित न्यायाधीश को पद से हटाने का आदेश जारी करते हैं। इस प्रकार संसद की संवैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही किसी उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को पद से हटाया जा सकता है।

जंतर-मंतर...

हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से साफ होता है कि भारतीय जनता पार्टी देश के युवाओं से डरी हुई है। दीपके ने कहा, अगर उन्हें लगता है कि ऐसी छोटी-मोटी हरकतों से हम डर जाएंगे तो यह उनकी बहुत बड़ी गलतफहमी है।

हॉल बुकिंग को लेकर दबाव बनाने और कथित धमकी के अभिजीत दीपके के आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से समाचार लिखे जाने तक तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

मोदी जेन-ज़ी ...

यह रील्स का युग है। सोशल मीडिया प्रभावित करने वाले आपको इधर-उधर खींचते हैं। शॉर्टकट के इस युग में एक बात याद रखें, मोदी ने कहा और रेलवे स्टेशनों पर फुट ओवरब्रिज का इस्तेमाल करने के बजाय पटरियां पार करने के खिलाफ चेतावनियों का उदाहरण दिया।

आत्मकथाएं इतिहास को समझने का अलग नजरिया देती हैं

युवाओं से उन लोगों के जीवन के बारे में पढ़ने की अपील करते हुए, जिनकी वे प्रशंसा करते हैं, मोदी ने कहा कि आत्मकथाएं ऐतिहासिक घटनाओं पर एक अलग दृष्टिकोण प्रदान करती हैं और पाठकों को व्यक्तिगत उपलब्धियों के पीछे के संघर्षों को समझने में मदद करती हैं। अगर आप शॉर्टकट से भी जाना चाहते हैं, तो मैं युवाओं से आग्रह करता हूं - जिसकी भी आप प्रशंसा करते हैं, उनकी आत्मकथाएं पढ़ें। आत्मकथाएं आपको इतिहास की घटनाओं को एक अलग तरीके से समझने का मौका देती हैं। वे इतिहास के करीब होती हैं, उन्होंने कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविंद का जीवन दर्शाता है कि कैसे दृढ़ संकल्प एक व्यक्ति को विपरीत परिस्थितियों पर काबू पाने और देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने में मदद कर सकता है।

कोविंद का जीवन भारतीय लोकतंत्र की विरासत

आत्मकथा को 'भारतीय लोकतंत्र की विरासत' बताते हुए मोदी ने कहा कि युवा पीढ़ी को पूर्व राष्ट्रपति के जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिला है।

हमें भविष्य में कोविंद जैसे कई और युवाओं की जरूरत है - ऐसे लोग जो परिस्थितियों से हार न मानें, बल्कि हर चुनौती पर काबू पाने का दृढ़ संकल्प रखते हों, उन्होंने कहा।मोदी ने कहा कि हालांकि कोविंद का जीवन और संघर्ष व्यक्तिगत थे, उन संघर्षों की जीत भारतीय लोकतंत्र की हैं। उन्होंने पद छोड़ने के बाद कोविंद की सार्वजनिक भागीदारी को भी रेखांकित किया, खासकर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पहल पर उनके काम को, जिसके बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय खोल सकता है।

कोविंद के बचपन को याद करते हुए मोदी ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने आग में अपनी मां को खो दिया था, लेकिन अपने पिता द्वारा सिखाए गए मूल्यों और ताकत से उन्होंने उस त्रासदी पर काबू पा लिया।

मोदी ने राष्ट्रपति भवन में कोविंद के साथ अपनी बातचीत को भी याद किया और कहा कि पूर्व राष्ट्रपति सामान्य प्रोटोकॉल से परे उनसे बातचीत करते थे और व्यक्तिगत रूप से उन्हें उनकी कार तक छोड़ने आते थे।

कोविंद ने याद किए बचपन के कठिन दिन

इस अवसर पर बोलते हुए कोविंद ने उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात के एक गांव में अपने बचपन की कठिनाइयों को याद किया, जिसमें ऐसी घर में रहना शामिल था जहां छत से बारिश का पानी टपकता था।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 13 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज की श्रीशैलम ज्योतिर्लिंग यात्रा का सफलतापूर्वक समापन

स्पर्श दर्शन, भजन संध्या और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं ने यात्रा को बनाया यादगार

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित श्रीशैलम स्थित श्री मल्लिकार्जुन स्वामी ज्योतिर्लिंग की भव्य धार्मिक यात्रा का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यात्रा में करीब एक हजार समाजबंधुओं ने भाग लेकर भगवान श्री मल्लिकार्जुन स्वामी के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किए।

समाज के मीडिया, प्रचार एवं प्रसार के अध्यक्ष श्री मुकुंदलाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि यात्रा का शुभारंभ 11 अगस्त को 25 वातानुकूलित बसों एवं 15 निजी कारों के माध्यम से किया गया। यात्रियों के ठहरने के लिए करीब 300 कमरों एवं कुटीरों की व्यवस्था की गई थी।

करीब 600 श्रद्धालुओं ने किए स्पर्श दर्शन

उन्होंने बताया कि रात्रि 8 बजे से 11.30 बजे तक करीब 600 यात्रियों को श्री मल्लिकार्जुन स्वामी ज्योतिर्लिंग के स्पर्श दर्शन कराए गए। शेष करीब 400 यात्रियों के लिए अगले दिन प्रातः 8 बजे से दर्शन की व्यवस्था की गई।

श्रद्धालुओं के श्रीशैलम पहुंचने पर उनके लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इसके पश्चात सभी को दर्शन कराए गए तथा भोजन की भी समुचित व्यवस्था की गई। यात्रा के दौरान समाजबंधुओं की सुविधा एवं आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा गया।

भजनों पर झूमे श्रद्धालु

शहर के सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री राजू मुरारी दायमा एवं श्री प्रतीक दायमा ने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। सभी अग्रबंधुओं ने भजन कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

प्रातःकाल सभी यात्रियों के लिए अल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था करने के पश्चात उन्हें उनकी निर्धारित बसों से वापस रवाना किया गया। सभी बसों द्वारा यात्रियों को उनके यात्रा प्रारंभ स्थल पर ही सुरक्षित पहुंचाया गया।

50 स्वयंसेवकों ने संभाली व्यवस्थाएं

यात्रियों की सुविधा एवं व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन के लिए 50 स्वयंसेवकों को मनोनीत किया गया था। स्वयंसेवकों द्वारा कुशलतापूर्वक निभाई गई सेवाओं की यात्रियों ने भरपूर सराहना की तथा उनका सम्मान किया।

यात्रा को सफल बनाने में परामर्शदाता श्री सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, श्री गोपाल मोर, सहमंत्री श्री प्रतीक नरसरिया, बसों की व्यवस्था के लिए श्री सुनील कुमार अग्रवाल तथा सभी जोनों के प्रमुख श्री सुरेश कुमार टंडन का विशेष एवं महत्वपूर्ण योगदान रहा।

यात्रियों ने जताया आयोजकों का आभार

सभी समाजबंधुओं ने यात्रा के सफल आयोजन के लिए अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल एवं समाज के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

श्रद्धालुओं ने इसे अपने जीवन की एक ऐतिहासिक और अविस्मरणीय धार्मिक यात्रा बताते हुए कहा कि उन्होंने कभी स्वप्न में भी इतनी सुव्यवस्थित और सफल यात्रा की कल्पना नहीं की थी, लेकिन अग्रवाल समाज ने इसे सफलतापूर्वक साकार कर दिखाया।

यात्रा में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरिगोविंद प्रसाद अग्रवाल, सहमंत्री श्री प्रतीक नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, परामर्शदाता श्री सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार सिंघल, सभी जोनों के प्रमुख श्री सुरेश कुमार टंडन सहित समाज की विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी, केंद्रीय समिति के सदस्य एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

राधे–राधे ग्रुप की सेवा अद्भुत और सराहनीय : श्याम सुंदर अग्रवाल

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप जिस समर्पण और सेवा भावना के साथ कार्य कर रहा है, वह वास्तव में अद्भुत और सराहनीय है। आज की व्यस्त जीवनशैली में व्यक्ति अपने और अपने परिवार को भी पर्याप्त समय नहीं दे पाता, ऐसे में ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से सेवा कार्य में अपना समय देकर जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा के माध्यम से मानवता की सच्ची भावना प्रकट होती है। राधे–राधे ग्रुप के सदस्यों का निरंतर सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है और लोगों को जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम कुमावत, जगन गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्य उपस्थित रहे।

गोशामहल में सुंदरकाण्ड पाठ एवं तिरंगा रैली का आयोजन

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहल क्षेत्र में सुंदरकाण्ड पाठ का भक्तिमय आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने देशभक्ति गीतों के साथ ही सावन की मल्हार प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय एवं देशभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। इसके पश्चात महिलाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर तिरंगा रैली भी निकाली।

इस अवसर पर सरिता भवना, कविता, मंजू, कमलेश, सुमन, गीता, मुन्नी, सत्यम, पूजा, माथुर वैश्य इंटरनेशनल की अध्यक्ष सपना गुप्ता, महाराज, अमिता सहित अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

चारमीनार से गुड्डीमलकापुर तक निकली भव्य तिरंगा रैली

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर संपूर्ण देश में हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में 12 अगस्त 2026 को श्री उमामहेंद्र के नेतृत्व में गोलकुंडा जिला क्षेत्र में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया।

रैली का शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष श्री रामचंद्र राव ने ऐतिहासिक चारमीनार से किया। देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत यह तिरंगा रैली विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए गुड्डीमलकापुर पहुंची, जहां स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष इसका समापन किया गया।

हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लिए भारतीय जनता पार्टी के नेता, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय पाठशालाओं के विद्यार्थी रैली में शामिल हुए। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ तिरंगा रैली में भाग लेकर देशभक्ति का संदेश दिया।

रैली के दौरान राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव को बनाए रखने का संदेश दिया गया। स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम ने आमजन और विद्यार्थियों में देशप्रेम की भावना को और अधिक प्रबल किया।

कार्यक्रम में श्री लाल सिंह, पूर्व पार्षद गोशामहल, श्रीमती शशिकला, पूर्व पार्षद, श्री राकेश जायसवाल, पूर्व पार्षद, श्री डी. गोपाल, श्री नटराज नामधारी, श्री उदय सिंह, श्री जयपाल सिंह, श्री अक्षय साहू, श्री सुधाकर गौड़, श्री विपिन रामावत, श्री कैलाश सिंह सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय पाठशालाओं के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ तिरंगा रैली में भाग लिया। राष्ट्रीय ध्वज के साथ निकली रैली ने चारमीनार से गुड्डीमलकापुर तक देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

हरियाली अमावस्या पर श्री आई जी गौशाला में भक्तों ने की गौसेवा

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आई जी गौशाला में हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर श्रद्धा एवं उत्साह के साथ गौसेवा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गौभक्तों ने गौसेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित भजन संध्या में श्री आई माताजी भजन मंडली द्वारा मधुर एवं भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी गई। भक्ति गीतों से गौशाला परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया।

इस अवसर पर भोजन प्रसादी के लाभार्थियों में सांवरसिंह खिंची, मच्छा बोलाराम, के. एम. इंटीरियर्स तथा स्नेहा, पुत्री संदीप सिंह एवं सुपुत्र सांवरसिंह शामिल रहे। वहीं, गौमाताओं के लिए हरी घास की व्यवस्था मेना कंवर के सहयोग से की गई।

कार्यक्रम में गौशाला के उपाध्यक्ष कालूराम काग, सचिव हुक्माराम सानपुरा, सहसचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायणलाल परिहार, डायाराम लचेटा, भगाराम मुलेवा, पारसमल शर्मा, मोतीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, शंकरलाल बर्फा, मांगीलाल परिहारिया सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं अनेक गौभक्त उपस्थित रहे।

हरियाली अमावस्या के इस पावन अवसर पर उपस्थित समस्त गौभक्तों ने श्रद्धापूर्वक गौसेवा की और गौशाला की व्यवस्था में अपना सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं सेवा भावना के साथ संपन्न हुआ।

राजस्थानी जागृति समिति की श्री शिव महापुराण कथा स्थगित

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति द्वारा श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित की जाने वाली श्री शिव महापुराण कथा, जो आगामी रविवार, 16 अगस्त से सोमवार, 24 अगस्त तक साई बाबा मंदिर प्रांगण, एन.एम. चौराहा, अत्तापुर में आयोजित होने वाली थी, उसे किन्हीं कारणवश स्थगित कर दिया गया है। आज यहां समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, समिति द्वारा श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित की जाने वाली श्री शिव महापुराण कथा को अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है। समिति ने सभी धार्मिक बंधुओं एवं श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे इस निर्णय को सहजता से स्वीकार करें और सहयोग प्रदान करें। समिति द्वारा श्री शिव महापुराण कथा के आयोजन की आगामी तिथि की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

समिति ने कहा कि कथा के स्थगन के संबंध में सभी श्रद्धालुओं को शीघ्र ही आगामी कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की जाएगी। राजस्थानी जागृति समिति ने सभी धर्मप्रेमियों से आगामी तिथि की प्रतीक्षा करने तथा भविष्य में आयोजित होने वाली श्री शिव महापुराण कथा में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने का आग्रह किया है।

महिला समूहों को मिलेंगी और भंडारण की जिम्मेदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा अनाज मिलिंग की जिम्मेदारी महिला स्वयं सहायता समूहों को सौंपने के फैसले का मंत्री सीतक्का ने स्वागत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री के इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के लिए रोजगार, स्वरोजगार और व्यवसाय के नए अवसर पैदा होंगे। मंत्री ने इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने महिला स्वयं सहायता समूहों को अनाज मिलिंग के क्षेत्र में अवसर देने के साथ-साथ प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आधुनिक अनाज भंडारण केंद्रों की स्थापना के लिए 50 से 100 एकड़ तक जमीन उपलब्ध कराने की घोषणा की है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य अनाज के उत्पादन से लेकर उसके प्रसंस्करण और सुरक्षित भंडारण तक की पूरी व्यवस्था को मजबूत करना बताया गया है।

मंत्री सीतक्का ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों को अब केवल बीज बोने, बचत करने और ऋण लेने तक सीमित नहीं रखा जाएगा। सरकार उन्हें उत्पादन, प्रसंस्करण, मिलिंग, भंडारण और विपणन की पूरी श्रृंखला से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। इससे ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ेगी और उनके लिए आय के स्थायी स्रोत विकसित हो सकेंगे।

उन्होंने कहा कि यदि महिला समूहों के नेतृत्व में आधुनिक मिलिंग यूनिट, वेयरहाउस और साइलो जैसी भंडारण सुविधाएं विकसित की जाती हैं, तो इससे अनाज की बर्बादी कम करने और सुरक्षित भंडारण व्यवस्था बनाने में भी मदद मिल सकती है। साथ ही, इन इकाइयों के संचालन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है।

सीतक्का के अनुसार, मिलिंग और भंडारण जैसे क्षेत्रों में महिलाओं को जिम्मेदारी मिलने से स्वयं सहायता समूहों की आर्थिक क्षमता और निर्णय लेने की भूमिका मजबूत होगी। महिलाएं केवल सरकारी योजनाओं की लाभार्थी न रहकर उत्पादन और व्यवसाय की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बन सकेंगी।

ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते

मंत्री ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में महिलाओं के पास पहले से ही स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सामूहिक कार्य का अनुभव है। अब इसी संगठित क्षमता को कृषि आधारित कारोबार से जोड़ने पर स्थानीय स्तर पर नए व्यवसाय विकसित किए जा सकते हैं। मिलिंग, पैकेजिंग, भंडारण, परिवहन और विपणन से जुड़े कार्यों में भी समूहों के लिए अवसर पैदा हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आधुनिक भंडारण केंद्रों की स्थापना से किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिल सकता है। अनाज को उचित तरीके से संग्रहित करने की सुविधा उपलब्ध होने पर उत्पादन के बाद होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं, महिला समूहों को मिलिंग और अन्य गतिविधियों में शामिल करने से उन्हें नियमित आय अर्जित करने का अवसर मिलेगा।

आर्थिक आत्मनिर्भरता पर जोर

सीतक्का ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना केवल परिवार की आय बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे ग्रामीण समाज में महिलाओं की निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ती है। उत्पादन से लेकर बाजार तक महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से स्वयं सहायता समूहों को लंबे समय में मजबूत कारोबारी इकाइयों के रूप में विकसित किया जा सकता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री के फैसले को ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि सरकार महिला समूहों को खेती और ऋण गतिविधियों से आगे बढ़ाकर उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण और विपणन के क्षेत्र में भी मजबूत भूमिका देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को नई गति मिलने की उम्मीद है।

कांस्टेबल साई कुमार की मौत पर बवाल, एसीपी कार्यालय में तोड़फोड़

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद : एलबी नगर में कांस्टेबल साई कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। साई कुमार की मौत की परिस्थितियों पर परिजनों ने गंभीर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। मौत की खबर के बाद आक्रोशित परिजन एलबी नगर एसीपी कार्यालय पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। इसी दौरान कार्यालय में फर्नीचर और कंप्यूटरों को नुकसान पहुंचाए जाने की घटना सामने आई।

बताया गया कि साई कुमार एसीपी कार्यालय में ड्यूटी पर तैनात थे। ड्यूटी के दौरान कार्यालय के रेस्ट रूम में उन्हें फंदे से लटका पाया गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने प्रथम दृष्ट्या इसे आत्महत्या का मामला माना है, लेकिन परिवार ने मौत की परिस्थितियों पर संदेह जताते हुए कई सवाल उठाए हैं।

परिजनों का आरोप है कि साई कुमार कुछ समय से कथित तौर पर मानसिक दबाव और अधिकारियों के उत्पीड़न से परेशान थे। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होगी।

साई कुमार की मौत की सूचना मिलने के बाद परिवार के सदस्य और समर्थक एलबी नगर पुलिस स्टेशन पहुंचे।

यहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों के सामने अपना आक्रोश व्यक्त किया। इसी दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों तथा पुलिस के बीच तीखी बहस हुई। बाद में कुछ लोगों ने एसीपी कार्यालय में प्रवेश कर वहां रखे फर्नीचर और कंप्यूटरों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने एलबी नगर पुलिस स्टेशन और एसीपी कार्यालय के आसपास अतिरिक्त बल तैनात कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

मौत की जांच में अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मोबाइल फोन, घटनास्थल से मिले साक्ष्य और अन्य तकनीकी जानकारी अहम मानी जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि साई कुमार की मौत से पहले उनकी किन लोगों से बातचीत हुई थी और क्या उन्हें किसी तरह का दबाव या धमकी दी गई थी।

फिलहाल पुलिस ने मौत को लेकर सभी संभावित पहलुओं से जांच शुरू कर दी है। वहीं, परिवार की ओर से लगाए गए आरोपों की सत्यता भी जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। इस मामले में पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वर्नम रेस्टोरेंट में फूड सेफ्टी की गंभीर लापरवाही, ग्राहकों के स्वास्थ्य पर मंडरा सकता है खतरा

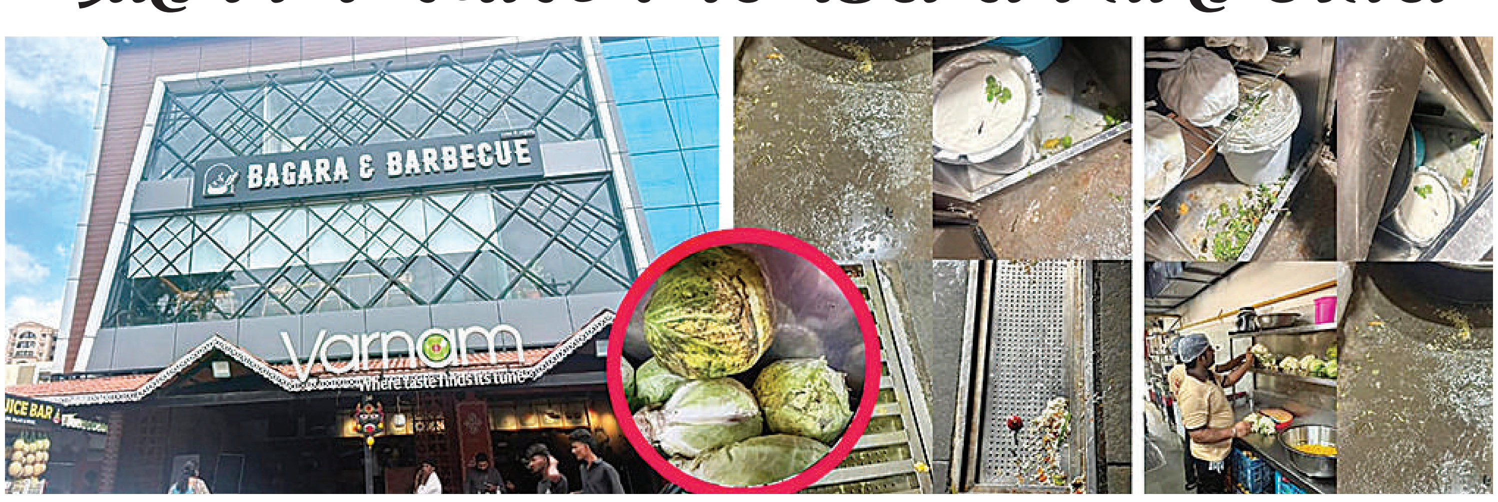

फंगस लगी फूलगोभी और खराब सब्जियां मिलीं गंदगी,

पानी का रिसाव और रिकॉर्ड की कमी पर अधिकारियों ने दर्ज की खामियां

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हफीजपेट स्थित वर्नम रेस्टोरेंट में सीएमसी फूड सेफ्टी अधिकारियों के निरीक्षण में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़ी कई खामियां सामने आने के बाद रेस्टोरेंट में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। अधिकारियों को ड्रेनों में पानी जमा होने, खाद्य अपशिष्ट, साफ-सफाई की कमी, पानी के रिसाव और उचित खाद्य भंडारण से जुड़ी कई समस्याएं मिलीं।

निरीक्षण के दौरान फंगस लगी फूलगोभी तथा खराब पत्तागोभी और आलू भी पाए गए। खाद्य सुरक्षा के लिहाज से यह गंभीर चिंता का विषय है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दूषित भोजन बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या रासायनिक पदार्थों के कारण कई प्रकार की बीमारियां पैदा कर सकता है। सामान्य रूप से पेट दर्द, उल्टी और दस्त इसके प्रमुख लक्षण हैं।

खराब या फंगस लगे खाद्य पदार्थों को लेकर भी सावधानी जरूरी है। कुछ प्रकार के फफूंद ऐसे विषैले पदार्थ यानी मायकोटॉक्सिन पैदा कर सकते हैं, जिनका सेवन तत्काल बीमारी के अलावा लंबे समय में प्रतिरक्षा तंत्र और अन्य अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। डेब्लुएचओ के अनुसार कुछ मायकोटॉक्सिन लंबे समय तक संपर्क में रहने पर कैंसर जैसे गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों से जुड़े हैं। हालांकि, किसी विशेष खाद्य पदार्थ से ऐसा नुकसान हुआ है, यह केवल जांच के आधार पर ही निर्धारित किया जा सकता है।

गंदे ड्रेन, जमा पानी और खाद्य अपशिष्ट भी चिंता का कारण हैं। ऐसी अस्वच्छ परिस्थितियां भोजन को हानिकारक सूक्ष्मजीवों से दूषित होने का जोखिम बढ़ा सकती हैं। दूषित भोजन से होने वाली बीमारियों में दस्त और उल्टी से लेकर गंभीर संक्रमण तक शामिल हो सकते हैं। कुछ मामलों में किडनी या लीवर पर गंभीर प्रभाव भी पड़ सकता है।

बच्चे और बुजुर्ग ज्यादा संवेदनशील

फूड सेफ्टी में लापरवाही का असर हर व्यक्ति पर समान नहीं होता। छोटे बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर स्वास्थ्य वाले लोग दूषित भोजन से होने वाली बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील माने जाते हैं। डेब्लुयुएचओ के अनुसार, पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर खाद्य जनित बीमारियों का बोझ विशेष रूप से अधिक है।

लेबल और रिकॉर्ड की कमी भी महत्वपूर्ण

निरीक्षण में खाद्य पदार्थों पर उचित लेबल नहीं होने तथा मेडिकल, फूड, वाटर टेस्टिंग और पैकेजिंग से संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई। ऐसी जानकारी खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, उसकी गुणवत्ता और निर्धारित प्रक्रियाओं की निगरानी के लिए महत्वपूर्ण होती है।

रेफ्रिजरेटर की सफाई ठीक नहीं होना, पानी का रिसाव, सीलिंग पर धूल और ग्रीस जमा एग्जॉस्ट जैसी कमियां भी रसोई की स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। ऐसे वातावरण में भोजन की तैयारी और भंडारण के दौरान दूषण का जोखिम बढ़ सकता है।

जनता के लिए जरूरी सावधानी

ग्राहकों को भोजन में असामान्य गंध, स्वाद, रंग या खराब सामग्री दिखाई देने पर उसे खाने से बचना चाहिए। फंगस लगी या सड़ी-गली खाद्य सामग्री को इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। डब्ल्यू-एच-ओ भी फफूंद लगी, बदरंग या खराब दिखाई देने वाली खाद्य सामग्री को त्यागने की सलाह देता है।

फिलहाल यह कहना उचित नहीं होगा कि वर्नम रेस्टोरेंट में मिली खामियों के कारण किसी ग्राहक को बीमारी हुई है। और साथ में शुभ लाभ मिडिया पड़ताल जारी रखेगा, और जनता की आंखें भी खोलने के लिए पीछे नहीं हटेगा, तब तक खामियां मिलती रहेगी, क्योंकि जनहित सर्वोत्तम है, और अधिकारियों की निरीक्षण में दर्ज स्वच्छता और खाद्य सामग्री से जुड़ी कमियां उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की दृष्टि से गंभीर जरूर हैं। अब संबंधित विभाग की आगे की कार्रवाई और जांच रिपोर्ट से यह स्पष्ट होगा कि रेस्टोरेंट के खिलाफ खाद्य सुरक्षा नियमों के तहत क्या कदम उठाए जाते हैं।

भारत में अवैध रूप से रह रही युगांडा की महिला को किया गया डिपोर्ट

टॉलीचौकी थाना क्षेत्र से विदेशी महिला नागरिक को हिरासत में लिया गया,

वीजा समाप्त होने के बाद भी करीब सात वर्ष से भारत में रह रही थी

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद शहर में वीजा की अवधि समाप्त होने के बावजूद अवैध रूप से रह रही युगांडा की 36 वर्षीय महिला नब्बांजा शेरॉन को अधिकारियों ने हिरासत में लेकर देश से बाहर भेज दिया।

अधिकारियों के अनुसार, नब्बांजा शेरॉन 6 मार्च 2019 को पर्यटन के लिए इलेक्ट्रॉनिक वीजा पर भारत आई थी। उसके वीजा की वैधता 4 मई 2019 को समाप्त हो गई थी। इसके बावजूद वह निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रही थी।

शहर स्थित टॉलीचौकी थाना क्षेत्र में जांच के दौरान उसके अवैध रूप से रहने की जानकारी सामने आने के बाद अधिकारियों ने उसे हिरासत में लिया। इसके बाद हैदराबाद स्थित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के साथ समन्वय कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।

अधिकारियों ने उसके भारत से बाहर जाने के लिए आवश्यक प्रस्थान अनुमति प्राप्त की। साथ ही, नब्बांजा शेरॉन को भविष्य में भारत में प्रवेश से रोकने के लिए प्रतिबंधित सूची में शामिल किया गया।

आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद 12 अगस्त को उसे भारत से युगांडा वापस भेज दिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, विदेशी नागरिकों के लिए भारत में रहने की अवधि और वीजा संबंधी नियमों का पालन करना अनिवार्य है। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद बिना वैध अनुमति के भारत में रहना आव्रजन नियमों का उल्लंघन है। इसी के तहत महिला के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे उसके देश वापस भेजा गया।

कर्जा ने उजाड़ दिया परिवार, दंपती की मौत से दो मासूम हुए अनाथ

निजामाबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिस घर को अपने परिवार की खुशियों का ठिकाना बनाने का सपना देखा था, वही सपना भारी कर्ज के बोझ तले बिखर गया। 90 लाख रुपये के कर्ज ने एक परिवार की जिंदगी में ऐसा अंधेरा ला दिया कि पति-पत्नी दोनों की मौत हो गई और उनके दो मासूम बच्चे देखते ही देखते अनाथ हो गए।

निजामाबाद जिला मुख्यालय स्थित विद्युत विभाग में जूनियर असिस्टेंट के रूप में कार्यरत नरेश (38) अपनी पत्नी मेघना (34) और बच्चों अयांश (9) व मिथुन (7) के साथ रहते थे। कुछ महीने पहले दंपती ने अपना घर खरीदने के लिए करीब 90 लाख रुपये का कर्ज लिया था। उन्हें उम्मीद थी कि घर मिलने के बाद आर्थिक स्थिति संभल जाएगी और धीरे-धीरे कर्ज चुका देंगे।

लेकिन हालात उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। कर्ज की रकम और आर्थिक दबाव बढ़ता गया। बताया गया कि नरेश ने कर्ज चुकाने के लिए नया बना घर तक बेच दिया और उससे कर्ज का कुछ हिस्सा चुका दिया। इसके बावजूद बड़ी रकम बाकी रह गई। परिजनों के अनुसार, बकाया कर्ज को लेकर नरेश लगातार चिंता में रहने लगे थे और मानसिक तनाव के लिए मनोचिकित्सक से उपचार भी करा रहे थे।

बताया गया कि घटना के दिन दोनों बच्चे रोज की तरह स्कूल चले गए थे। घर में बच्चों की चहल-पहल खत्म होते ही कुछ ऐसा हुआ, जिसने पूरे परिवार की दुनिया उजाड़ दी। पुलिस के अनुसार, नरेश ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जबकि उनकी पत्नी मेघना ने कथित तौर पर कीटनाशक का सेवन कर अपनी जान दे दी।

कुछ समय बाद जब घटना का पता चला तो परिवार में चीख-पुकार मच गई। जिन बच्चों को माता-पिता के साथ सुरक्षित भविष्य का सपना दिखाया गया था, उन्हीं बच्चों के सिर से अब मां-बाप का साया उठ चुका है।

अयांश और मिथुन की उम्र अभी इतनी भी नहीं कि वे जिंदगी की मुश्किलों और कर्ज की जटिलताओं को समझ सकें। उनके लिए मां-बाप ही पूरी दुनिया थे। लेकिन एक ही घटना ने उनके जीवन से वह सहारा छीन लिया, जिसे कोई दूसरा कभी पूरी तरह वापस नहीं दे सकता।

मेघना के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दंपती की मौत के पीछे की परिस्थितियों, कर्ज से जुड़े मामलों और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।यह घटना सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि आर्थिक संकट और कर्ज का दबाव इंसान को किस हद तक तोड़ सकता है। ऐसे कठिन समय में परिवार, रिश्तेदारों और समाज का सहारा बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। कर्ज और आर्थिक परेशानी कितनी भी बड़ी क्यों न हो, जिंदगी उससे कहीं अधिक कीमती है।

संगारेड्डी में सड़क हादसों का कहर, दो दुर्घटनाओं में 9 लोगों की मौत

हैदराबाद, 12 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संगारेड्डी जिले में सड़क हादसों ने एक ही दिन में 9 परिवारों की खुशियां छीन लीं। जिले के अलग-अलग इलाकों में हुए दो भीषण सड़क हादसों में कुल 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। दोनों घटनाओं के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पहली दुर्घटना जहानाबाद मंडल के सतवार गांव के बाहरी इलाके में हुई। यहां मजदूरों को लेकर जा रहे एक ऑटो को टैंकर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी

कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ऑटो में करीब 12 मजदूर सवार थे। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य मजदूर घायल बताए जा रहे हैं। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में पुलिस की मदद की।

वहीं, दूसरी दुर्घटना कोहिर मंडल के कावेली के पास हुई। बताया गया कि बीदर से हैदराबाद की ओर जा रही एक कार ने एक के बाद एक तीन वाहनों को टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

लगातार हुए इन दोनों हादसों से संगारेड्डी जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। एक तरफ मजदूरों से भरा ऑटो भारी वाहन की चपेट में आ गया, तो दूसरी ओर तेज रफ्तार कार ने कई वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही समय में 9 जिंदगियां खत्म होने से हादसों की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

पुलिस ने दोनों दुर्घटनाओं के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसों के पीछे तेज रफ्तार, वाहन चालकों की लापरवाही अथवा अन्य तकनीकी कारणों की भी जांच की जा रही है। दुर्घटनाओं से जुड़े वाहनों और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.